CMYK

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक | संपर्क करें : bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

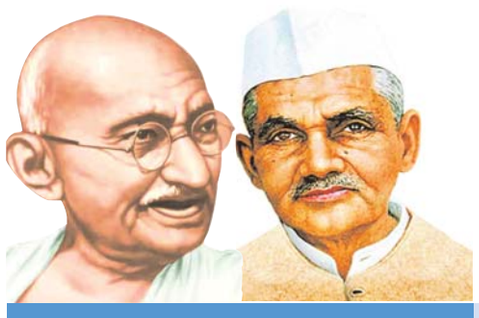

बिलासपुर, सोमवार, 2 अक्टूबर 2023 | वर्ष – 33 | अंक –154 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 4.00 रु.

आज गांधी-शास्त्री जयंती

- राहुल का साहसिक लेख : हिन्दू होने का मतलब निर्भय! पृष्ठ 4
- गांधी : युग से आगे तक पृष्ठ 4
- हाफिज सईद का करीबी सहयोगी कराची में ढेर पृष्ठ 9
- तुर्की में संसद भवन के पास विस्फोट पृष्ठ 9
- भारतीय तीरंदाजी टीम और ज्योति सुरेखा वेन्नम क्वालिफिकेशन राउंड में शीर्ष पर पृष्ठ 10

राहुल गांधी ने हिंदू धर्म पर लिखा लेख

निर्बल की रक्षा करना ही हिंदू धर्म

नईदिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया पर हिंदू धर्म को लेकर एक लेख लिखा। करीब डेढ़ पन्ने के इस लेख में राहुल ने हिंदू होने का मतलब बताया। राहुल ने सत्यम शिवम सुंदरम टाइटल वाले इस आर्टिकल में लिखा कि, निर्बल की रक्षा का कर्तव्य ही उसका धर्म है। हिंदू इतना कमजोर नहीं होता जो हिंसा का माध्यम बने। राहुल लिखते हैं, कि हिंदू वही है, जिस व्यक्ति में अपने भय की तह में जाकर इस महासागर को सत्यनिष्ठा से देखने का साहस है। उन्होंने लेख में कहा, यह कहना कि हिंदू धर्म केवल कुछ सांस्कृतिक मान्यताओं तक सीमित है उसका अल्प पाठ होगा। किसी राष्ट्र या भूभाग विशेष से बांधना भी उसकी अवमानना है। कांग्रेस नेता ने पूर्वाग्रह तथा भय से मुक्त होकर सत्य एवं अहिंसा के मार्ग पर चलकर सबको आत्मसात करना ही हिन्दू होने का एकमात्र रास्ता बताया गया है। श्री गांधी ने हिन्दू होने का मतलब दार्शनिक अंदाज में समझाते हुए कहा, एक हिंदू अपने अस्तित्व में समस्त चराचर को करुणा और गरिमा

■ सत्यम, शिवम, सुंदरम नाम से सोशल मीडिया पर किया साझा

> एक हिंदू की आत्मा इतनी कमज़ोर नहीं होती कि वह अपने भय के वश में आकर किसी किस्म के क्रोध, घृणा या प्रतिहिंसा का माध्यम बन जाए : राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

के साथ उदारतापूर्वक आत्मसात करता है, क्योंकि वह जानता है कि जीवन रूपी इस महासागर में हम सब डूब-उतर रहे हैं। भय का जिक्र करते हुए उन्होंने लिखा जिस व्यक्ति में अपने भय की तह में जाकर इस महासागर को सत्यनिष्ठा से देखने का साहस है- वहीं हिंदू है। एक हिंदू में अपने भय को गहनता में देखने और उसे स्वीकार करने का साहस होता है। जीवन की यात्रा में वह भय रुपी शत्रु को मित्र में बदलना सीखता है। भय उस पर कभी हावी नहीं हो पाता, वरन घनिष्ठ सखा बनकर उसे आगे की राह दिखाता है। एक हिंदू की आत्मा इतनी कमज़ोर नहीं होती कि वह अपने भय के वश में आकर किसी किस्म के क्रोध, घृणा या प्रतिहिंसा का माध्यम बन जाए।

जिंदगी प्रेम और उल्लास का महासागर

श्री गांधी ने जीवन के अर्थ को परिभाषित करते हुए अपने लेख में लिखा, कल्पना कीजिए, जिंदगी प्रेम और उल्लास का, भूख और भय का एक महासागर है और हम सब उसमें तैर रहे हैं। इसकी खूबसूरत और भयावह, शक्तिशाली और सतत परिवर्तनशील लहरों के बीचोंबीच हम जीने का प्रयत्न करते हैं। इस महासागर में जहां प्रेम, उल्लास और अथाह आनंद है- वहीं भय भी है। मृत्यु का भय, भूख का भय, दुखों का भय, लाभ-हानि का भय, भीड़ में खो जाने और असफल रह जाने का भय। इस महासागर में सामूहिक और निरंतर यात्रा का नाम जीवन है जिसकी भयावह गहराइयों में हम सब तैरते हैं। इसलिए, क्योंकि इस महासागर से आज तक न तो कोई बच पाया है, न ही बच पाएगा।

सबको आत्मसात करता है हिंदू

कमजोर वर्ग यानी ओबीसी की राजनीति को साधते हुए उन्होंने कहा हिन्दू धर्म कमजोरों की मदद कर और सबको आत्मसात करता है। एक हिंदू अपने अस्तित्व में समस्त चराचर को करुणा और गरिमा के साथ उदारतापूर्वक आत्मसात करता है। सत्य और अहिंसा की शक्ति से संसार की सबसे असहाय पुकारों को सुनना और उनका समाधान ढूंढना ही उसका धर्म है।

एशियाई खेल

एथलेटिक्स में अविनाश साबले ने जीता सोना

हांगझोउ, 1 अक्टूबर (एजेंसी)। चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में रविवार को भारतीय एथलीट अविनाश साबले ने पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज दौड़ स्पर्धा में रिकार्ड समय के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

पुरुष निशानेबाजी टीम ने भी जीता स्वर्ण

भारत के निशानेबाजों ने रविवार को भी अपना शानदार प्रदर्शन को जारी रखा। पुरुष निशानेबाजी टीम ने स्वर्ण पदक जीता। पृथ्वीराज टोंडिमन, जोरावर सिंह संधू और किनान डेरियस चेनाई ने पुरुषों की निशानेबाजी टीम ने शानदान प्रदर्शन कर 361 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल करते हुए स्वर्ण पदक जीता। इसी स्पर्धा में कुवैत को रजत पदक जबकि चीन को तीसरे स्थान का कांस्य पदक मिला।

गोला फेंक में तेजिंदारपाल का स्वर्णिम प्रदर्शन

भारत के तेजिंदारपाल सिंह तूर ने रविवार को एशियाई खेलों के गोला फेंक (शॉटपुट) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। तेजिंदारपाल तूर ने 20.36 मीटर के थ्रो में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। एशियाई खेलों का उनका यह लगातार दूसरा स्वर्ण पदक है।

सार संक्षेप

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री को जयंती पर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 2 अक्टूबर को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें नमन किया है। उन्होंने अपने संदेश में कहा है कि शास्त्री जी ने सादगी से जीवन जिया और अपना पूरा जीवन गरीबों की सेवा में अर्पित कर दिया। वास्तव में वे सच्चे गांधीवादी थे।

मोदी ने तेलंगाना को दी 13,500 करोड़ की सौगात

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को तेलंगाना के दौरे पर रहे। उन्होंने यहां 13,5 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण और उद्घाटन किया। मोदी ने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने बदलाव करने का मन बना लिया है। अब यहां पारदर्शी और ईमानदार सरकार की जरूरत है। राज्य के लोगों ने भाजपा को मजबूत किया है।

असम के चार जिलों से अफ्सपा हटा

गुवाहाटी। सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफ्सपा) को रविवार से असम के चार जिलों में छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। असम पुलिस दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम में, डीजीपी जी.पी. सिंह ने कहा कि डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, शिवसागर और चराइदेव जिले 'अशांत क्षेत्रों' के रूप में सूचीबद्ध रहेंगे।

बीआरएस नेता कासिरेड्डी ने पार्टी से दिया इस्तीफा

हैदराबाद। तेलंगाना में सत्तारुढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधान परिषद सदस्य कासिरेड्डी नारायण रेड्डी ने कांग्रेस में शामिल होने का इरादा व्यक्त करते हुए रविवार को पार्टी से अपना इस्तीफा दे दिया। नारायण रेड्डी ने रविवार सुबह अपने आवास पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष , सांसद एन. रावेंथा रेड्डी, के साथ बैठक की और उसके बाद अपना औपचारिक त्याग पत्र जारी किया।

तमिलनाडु में बस खाई में गिरी, 8 पर्यटकों की मौत

उधगमंडलम। तमिलनाडु में ऊटी-मेट्टुपालयम घाट रोड पर शनिवार शाम एक बस के खाई में गिर जाने से आठ पर्यटकों की मौत हो गई और 4 से अधिक अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना मारापालम के पास 9वें हेयरपिन मोड़ के पास हुई जब 57 पर्यटकों को लेकर एक बस कोयंबटूर जिले के मेट्टुपालयम जा रही थी।

मोदी 3 को आएंगे जगदलपुर

शासकीय कार्यक्रम के बाद होगी लालबाग में सभा

रायपुर, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) के जगदलपुर दौरा का मिनट टू मिनट कार्यक्रम आ गया है। पीएम मोदी 3 अक्टूबर को जगदलपुर आ रहे हैं। पीएम दिल्ली से सीधे जगदलपुर आएंगे। लगभग 2 घंटें वहां रुकने के बाद कर्नाटक रवाना हो जाएंगे।

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम के अनुसार मोदी का विशेष विमान 3 अक्टूबर को सुबह 8 बजकर 35 मिनट पर दिल्ली से उड़ान भरेगा। सेना का यह विशेष विमान सुबह लगभग 10 बजकर 55 मिनट पर जगदलपुर एयरपोर्ट पर लैंड करेगा। जगदलपुर एयरपोर्ट से प्रधानमंत्री मोदी लाल बाग पहुंचेंगे। वहां सरकारी कार्यक्रम होगा, जो लगभग 35 मिनट तक चलेगा। 11 बजकर 35 मिनट पर प्रधानमंत्री लाल बाग से रवाना होंगे और पौने 12 बजे सभा स्थल पर पहुंचेंगे। मोदी की सभा दोपहर 12 बजकर 50 मिनट पर समाप्त होगी और इसके बाद वे कर्नाटक के लिए उड़ान भरेंगे।

चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी ने देखी प्रधानमंत्री प्रवास की तैयारियां

मुख्य सचिव अमिताभ जैन और पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने रविवार को जगदलपुर में 3 अक्टूबर को प्रधानमंत्री के बस्तर प्रवास की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश देते हुए समय पर पूर्ण करने कहा। इस अवसर पर एडीजी विवेकानंद सिन्हा, कमिश्नर श्याम धावड़े, कलेक्टर विजय दयाराम के. एसएसपी जितेन्द्र मीणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नगरनार स्टील प्लांट का निजीकरण नहीं करने मोदी करें घोषणा : भूपेश

रायपुर, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 3 अक्टूबर को बस्तर दौरे पर नगरनार संयंत्र का निजीकरण नहीं करने की घोषणा करने मांग की है इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जनता 2024 में इन्हें हराए, तब निजीकरण नहीं होगा। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने नगरनार प्लांट के निजीकरण के विरोध में 3 अक्टूबर को बस्तर बंद का ऐलान किया है।

राजीव भवन में रविवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नगरनार प्लांट के उद्घघाटन के लिए प्रधानमंत्री मोदी के दौरे पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की जमीन एनएमडीसी को दी गई। प्लांट में नौकरी के लिए आदिवासी लगातार आंदोलन करते रहे। हम जब विपक्ष में थे तब भी हमने पत्र लिखा था कि आदिवासियों के उचित व्यवस्थापन हो. सरकार में आने के बाद हमने विधानसभा में संकल्प पारित किया कि नगरनार स्टील प्लांट का विनिवेश ना किया जाए। राज्य सरकार प्लांट का अधिग्रहण कर ले, लेकिन उसके अधिग्रहण को लेकर ऐसे बिंदु जोड़ दिये गये हैं जिससे राज्य सरकार शामिल ना हो सके।

- प्रधानमंत्री के आगमन पर बैज ने किया 3 को बस्तर बंद का ऐलान
- केंद्र सरकार नगरनार प्लांट बेचने कर रही है साजिश : मुख्यमंत्री

राज्य सरकार को दे अनुमति- राज्य सरकार ने एक अशासकीय संकल्प विधानसभा में पेश किया था कि प्लांट का निजीकरण ना किया जाये और अगर करना ही है तो राज्य सरकार को इसका अधिग्रहण करने की अनुमति दी जाए ।लेकिन केंद्र सरकार ने राज्य को बोली लगाने से ही वंचित कर दिया इसका मतलब साफ़ है कि अपने चहेतों को फ़ायदा पहुँचाने के लिये ऐसा किया गया।आदिवासी समाज में भी इसे लेकर नाराज़गी है। समाज इसका विरोध करेगा।

भाजपा के लोग रखें अपनी बात

भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा के विधायकों ने भी विधानसभा में स्टील प्लांट के निजीकरण नहीं करने और अधिग्रहण की स्थिति में राज्य सरकार को दिये जाने के अशासकीय संकल्प पर सहमति दी थी।

➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

छत्तीसगढ़ में समरसता-सांप्रदायिक सद्भाव की जो अलख बापू ने जगाई वह आज भी प्रेरित कर रही है : सीएम

रायपुर, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर उन्हें नमन किया है। महात्मा गांधी के देश के लिए अमूल्य योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा है कि महात्मा गांधी ने भारत में स्वाधीनता आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने सत्य, प्रेम और अहिंसा का मार्ग अपनाकर पूरे विश्व के सामने मिसाल कायम की। उन्होंने देश में जिस ग्राम स्वराज की कल्पना की थी, छत्तीसगढ़ सरकार उसे पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

छत्तीसगढ़ में सुराजी गांव योजना शुरू कर नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी को नये रूप में विकसित किया जा रहा है। इस योजना के तहत बने गौठान अब आजीविका केन्द्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। गोधन न्याय योजना के माध्यम से पशुपालकों और ग्रामीणों से गोबर और गोमूत्र खरीदा जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया आधार मिला है। श्री बघेल ने कहा कि गांधी जी ने सबकी अच्छी सेहत के लिए कई प्रयोग किए इसलिए हमने सार्वभौम स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिता दी है।

फिर लगा महंगाई का झटका

कमर्शियल सिलेंडर 209 रुपए महंगा हुआ

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में वृद्धि की घोषणा की है। सूत्रों के मुताबिक एक अक्टूबर से 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 209 रुपए बढ़ गई है।

इस बढ़ोतरी के साथ दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 1731.50 रुपए में मिलेगा। एक सितंबर को तेल कंपनियों ने वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमतों में 158 रुपए की कटौती की थी। इसके बाद दिल्ली में 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत घटकर 1,522 रुपए हो गई थी। अगस्त महीने की शुरुआत में भी तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में 99.75 रुपए की कटौती की थी। इस तरह, पिछले दो महीनों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में करीब 258 रुपए की कटौती की गई थी।

रेस्टोरेंट में चुकाने पड़ सकते हैं अधिक पैसे- कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में ताजा बढ़ोतरी से महंगाई पर असर पड़ सकता है। खास कर, रेस्टोरेंट में भोजन खाना के लिए आपको अधिक पैसे चुकाने पड़ सकते हैं। एक अक्टूबर 2023 से दिल्ली के अलावा अन्य महानगरों की बात करें तो, कोलकाता में 19 किलोग्राम वाला एलपीजी सिलेंडर 1636 रुपये का नहीं बल्कि अब 1839.50 रुपए का मिलेगा। मुंबई में इसकी कीमत 1482 रुपए से बढ़कर 1684 रुपए, जबकि चेन्नई में ये 1898 रुपए में मिलेगा।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर रामलीला मैदान में जुटी भीड़

■ 2 से अधिक राज्यों के सरकारी कर्मचारी लाखों की संख्या में एकत्रित हुए

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को पुरानी पेंशन स्कीम की मांग को लेकर लगभग 20 से अधिक राज्यों के सरकारी कर्मचारी लाखों की संख्या में एकत्रित हुए हैं। इस समय देश के 5 राज्यों में पुरानी पेंशन स्कीम लागू है जिसमें कांग्रेस शासित राजस्थान, छत्तीसगढ़ व हिमाचल और महागठबंधन सरकार झारखंड शामिल है, वहीं 2022 में पंजाब में भी पुरानी पेंशन स्कीम लागू है। कांग्रेस पार्टी भी इसे वापस लाने की मांग कर रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कर्मचारियों के इस आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि, वह कर्मचारियों के इस आंदोलन का पूरा समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन कर्मचारियों का हक है, कर्मचारियों की मांगें जायज है, और सरकार को इसे लागू करना चाहिए। हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनने पर हम

कर्मचारियों की मांगों को पूरा कर तुरंत पुरानी पेंशन स्कीम लागू करेंगे।'

टेंट लगाने की अनुमति नहीं दी

रैली से दिल्ली का रामलीला मैदान खचाखच भरा पड़ा था। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम से जुड़े संगठन इस रैली में शामिल हुए हैं। वहीं दिल्ली पुलिस ने मैदान में टेंट लगाने की अनुमति नहीं दी है बावजूद इसके कर्मचारियों की भारी संख्या रैली में हिस्सा लेने पहुंची है। 2024 के लोकसभा चुनाव में जातिगत जनगणना और पुरानी पेंशन योजना की मांग प्रमुख मुद्दा बन चुका है।

दो दिन पहले ही पहुंचने शुरू हो गए थे-दिल्ली शिक्षक संघ के महासचिव अजयवीर यादव ने बताया की देश भर से लाखों कर्मचारी दो दिन पहले ही पहुंचने शुरू हो गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों व प्रशासन के अनुसार सात लाख लोगों ने हिस्सा लेकर संख्या का इतिहास कायम किया। पेंशन शंखनाद महारैली में केंद्र सरकार व राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों रेल, ऑडिनेंस, हेल्थ सेक्टर और शिक्षा विभाग समेत कई अन्य विभागों के लाखों कर्मचारियों ने दिल्ली पहुंचकर पुरानी पेंशन बहाल करने की हुंकार भरी हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने किया ऐलान

राजस्थान में पहली बार मिलेगी 'घर से वोट' देने की सुविधा

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए चुनाव आयोग की उच्च स्तरीय टीम पिछले तीन दिनों से जयपुर दौरे पर है। रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मैरियट होटल में प्रेस कॉन्फ्रें स की। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में जनता को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा, 'इस बार विधानसभा चुनाव में हम 'वोट फ्रॉम होम' की सुविधा देने जा रहे हैं, जिससे मतदाता बिना पोलिंग बूथ पर आए घर बैठे अपना वोट डाल सकेंगे। 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र वाले मतदाताओं के लिए हम ये सुविधा शुरू करने जा रहे हैं. राज्य में ऐसे वोटर्स की संख्या 11.8 लाख है। इनके अलावा 100 वर्ष से अधिक उम्र वाले 18,400 मतदाता भी हैं। इस सुविधा का लाभ लेने के ऐसे मतदाताओं को फॉर्म-12डी भरना होगा। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद 5 दिन के अंदर इसे भरा जा सकता है। मतदाताओं की फाइनल लिस्ट 4 अक्टूबर को जारी कर दी जाएगी।

राजीव कुमार ने आगे कहा, विधानसभा चुनाव के लिए पूरे राजस्थान में 51 हजार पोलिंग बूथ बनाए जाएंगे. हर पोलिंग बूथ पर एवरेज 1002 मतदाता वोट डालेंगे। ज्यादातर पोलिंग स्टेशन ग्रामीण इलाकों में बनाए जाएंगे. इनमें से 50 प्रतिशत पोलिंग स्टेशन से वेब कास्टिंग होगी, ताकि कोई भी गड़बड़ी हो तो तुरंत सामने आ गाए। इनके अलावा 200 बूथ ऐसे जिनकी जिम्मेदारी दिव्यांग अधिकारी संभालेंगे।

लखीमपुर खीरी हिंसा मामला चार किसानों सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी

दो साल बाद भी न्याय की बांट जोह रहे हैं पीड़ित

लखीमपुर खीरी, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। 3 अक्टूबर को लखीमपुर खीरी हिंसा के दो साल पूरे हो जाएंगे, जहां तिकुनिया पुलिस स्टेशन के तहत चार किसानों सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी। लेकिन पीड़ित अभी तक न्याय की बाट जोह रहे हैं। हालांकि, मामला कछुआ गति से आगे बढ़ता दिख रहा है और पीड़ित न्याय के लिए अंतहीन इंतजार कर रहे हैं।

वहीं मामले को लेकर राजनेता आगे बढ़ गए हैं और मामले में रुचि खो दी है। चौंकाने वाली बात यह है कि केंद्रीय मंत्री अकाय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा, जो इस मामले के आरोपियों में से एक हैं, उनके खिलाफ मामले में अब तक 171 गवाहों में से केवल चार ने अदालत के समक्ष अपने बयान दर्ज कराए हैं। आशीष को तीन कृषि सुधार कानूनों (निरस्त होने के बाद) के खिलाफ किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़कने और तत्कालीन यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के क्षेत्र के दौरे के छह दिन बाद 9 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था।

यूपी पुलिस की एफआईआर के मुताबिक, चार किसानों को एक एसयूवी ने कुचल दिया, जिसमें आशीष मिश्रा बैठे थे। इसके बाद, एसयूवी चला रहे व्यक्ति और दो भाजपा कार्यकर्ताओं की कथित तौर पर गुस्साए किसानों ने पीट-पीट कर हत्या कर दी। एफआईआर में कहा गया है कि हिंसा में एक पत्रकार की भी मौत हो गई थी। जिला अदालत, लखीमपुर खीरी के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (प्रथम) सुनील कुमार वर्मा मामले की सुनवाई कर रहे हैं। पहले गवाह ने जनवरी 2023 में अदालत में अपना बयान दर्ज कराया था। कोर्ट में किसानों का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील सुरेश सिंह ने कहा कि मामले को हर 8-10 दिन में एक बार सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जा रहा है। उन्होंने कहा, मुकदमा इस साल 12 जनवरी को शुरू हुआ क्योंकि अभियोजन और बचाव दोनों पक्षों की ओर से अदालत के सामने बड़ी संख्या में आरोपमुक्त करने के आवेदन आए। इस मामले में कई लोक सेवक भी गवाह हैं, जो हिंसा के समय लखीमपुर खीरी में तैनात थे। सिंह ने कहा, तत्कालीन डीएम, एसडीएम,

■ 171 गवाहों में से केवल चार ने बयान दर्ज कराए

➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

रेलवे ने तीसरी लाइन बिछाने 20 फीट खोदे गड्ढे निकाले मुरुम, गड्ढे को ही बना दिया अमृत सरोवर

जिले के गौरेला जनपद के ग्राम पंचायत कोरजा में अमृत सरोवर निर्माण में लाखों का घोटाला सामने आया

गौरेला पेंड्रा मरवाही (देशबंधु) गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के जनपद पंचायत गौरेला के ग्राम पंचायत कोरजा में महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में इंजीनियर ,सरपंच , सचिन एवं रोजगार सहायक की मिली भगत से अमृत सरोवर के निर्माण में लाखों का घोटाला उजागर हुआ है। यहां ग्राम पंचायत द्वारा रेलवे द्वारा तीसरी लाइन बिछाने के लिए 20 फीट गहरे खोदे गए गड्ढे को अमृत सरोवर बताकर लाखों रुपए निकल लिए गए हैं जिसकी ग्रामीणों द्वारा विभिन्न स्तरों पर शिकायत की गई है। मामला उजागर होने के बाद डीआरडीए के परियोजना निदेशक कौशल प्रसाद तेंदुलकर में मामले में जांच के आदेश दिए हैं।

ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायत के अनुसार आजादी का अमृत महोत्सव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा प्रारंभ अमृत सरोवर अभियान योजना के तहत जल संरक्षण हेतु बनाए जाने वाले अमृत सरोवर तालाब में रोजगार सहायक और अधिकारियों की मिली भगत से लाखों रुपए का गमन और फर्जीवाड़ा कर भ्रष्टाचार करने का मामला सामने आया है। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के ग्राम पंचायत कोरजा के सड़कटोला में रेल्वे के द्वारा मुरुम निकालने के लिए जेसीबी मशीन लगाकर खोदे गए गड्ढे को ग्राम पंचायत एजेंसी के द्वारा अमृत सरोवर तालाब निर्माण होना बताया गया है,और अपने करीबी लोगों के जॉब कार्ड और बैंक खाते के माध्यम से फर्जी मास्टर रोल भरकर पैसा निकाल लिया गया है।तलाब के एक तरफ पार बनाकर उसमें पौधे लगाए गए हैं जो कि बिना सुरक्षा घेराव के कई पौधे सूख गए हैं। वहीं पार के ऊपर बैठने के लिए शेड भी नहीं बनाया गया है।

लाखों रुपए की धांधली का मामला तब प्रकाश में आया जब रेलवे लाइन के लिए मुरूम निकालने के लिए खोदे गए विशाल गड्ढे के पास ग्राम पंचायत द्वारा मनरेगा के तहत अमृतसरोवर निर्माण का बोर्ड का निर्माण किया गया तब लोगों को इसकी जानकारी मिली। वही बनाए गए बोर्ड में भी लागत राशि,ग्राम पंचायत एजेंसी, इंजीनियर का नाम नहीं लिखा गया है। इस अमृत सरोवर में हुए फर्जीवाड़ा उजागर होने के बाद डीआरडीए के परियोजना निदेशक कौशल प्रसाद तेंदुलकर से बातचीत करने पर उन्होंने जानकारी दी है कि इस मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं।अब देखने वाली बात यह होगा कि कब तक इस अमृत सरोवर तालाब की जांच की जाएगी और भ्रष्टाचार फर्जीवाड़े में संलिप्त रोजगार सहायक और अधिकारियों पर कार्यवाही की जाती है।

इरादतन जन सामान्य को मौत के मुंह में भेजने की साजिश

इस मामले में ग्राम कोरजा सड़क पारा में रहने वाले शिकायतकर्ता रामदयाल राठौर का कहना है कि मनरेगा के तहत अमृत सरोवर निर्माण के नाम पर लाखों रुपए की धांधली का यह मामला सिर्फ आर्थिक भ्रष्टाचार का नहीं है बल्कि इंजीनियर सरपंच सचिव एवं रोजगार सहायक द्वारा इरादतन जन सामान्य को मौत के मुंह में झोंकने जैसा अपराध घटित करने का प्रयास है। दरअसल तीसरी लाइन बिछाने के लिए रेलवे द्वारा इसमें अनियमित रूप से खुदाई करते हुए मुरूम निकल गया है जिसके कारण इसमें 20 फीट से भी ज्यादा गहरा गड्ढा हो गया है जिस ग्राम पंचायत कोरजा द्वारा अमृतसरोवर बना दिया गया है ऐसे में यदि कोई स्नान करने आएगा तो उसकी अनजाने में डूबने से मौत भी हो सकती है। इस तरह यह न सिर्फ आर्थिक भ्रष्टाचार है बल्कि इरादतन जन सामान्य को मौत के मुंह में भेजने की साजिश है जिसकी पुलिस में भी एफआईआर दर्ज होनी चाहिए।

भरोसा यात्रा को लेकर हुई कांग्रेस की बैठक

तखतपुर , 2 अक्टूबर (देशबन्धु)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त विधानसभा प्रभारी एवं सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी विरेन्द्र जांगडे खपरी रेस्ट हाउस में बैठक लेकर कांग्रेस भरोसा यात्रा की रूप रेखा तय की गई। संबोधित करते हुए विरेंद्र जांगडे ने कहा की जब से भूपेश बघेल की सरकार छत्तीसगढ़ में आई है तब से हर एक व्यक्ति का भरोसा भूपेश बघेल की कांग्रेस की सरकार ने जीता है।

जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र पाण्डे ने कहा की 2 अक्टूबर महात्मा गांधी के जयंती के अवसर पर पूरे क्षेत्र में कांग्रेस की आवाज बुलंद करना है। संचालन नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बिहारी देवांगन द्वारा और आभार प्रदर्शन अजय देवांगन द्वारा किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शुक्ला ब्लॉक अध्यक्ष सकरी राजू साहू, मुन्ना श्रीवास, मंडी अध्यक्ष गरीबा यादव, बिरझेराम सिंगरौल, सुरेश ठाकुर, कैलाश देवांगन, सुनील आहूजा, हरविंदर हुरा, शैलेंद्र निर्मलकर, सिवेंद्र कौशिक, मोहित सिंह, करीम कुरैशी, दिनेश देवांगन, सुनील जांगडे ,जितेंद्र राज, संदीप पटेल, अभिषेक पाण्डेय, जय दुबे, राजू ठाकुर, भागीरथी ध्रुव, सुरेंद्र प्रधान, अजय ध्रुव, बबलू पटेल, प्रदीप सूर्यवंशी, मो अजमत हुसैन, शहजादा खान सहित अन्य उपस्थित रहे। भरोसा कार्यक्रमट्ठ गांधी जयंती के अवसर पर कांग्रेस की ओर से आयोजित भरोसा यात्रा का शुभारंभ सुबह 10 बजे विधायक निवास तखतपुर से बाईक रैली से प्रारंभ होगी जो निगारबंद, राजाकापा, बहुरता, पूरा, बेलपान, उमरिया, हरदी, दैजा, ढनढन, नगोई, खपरी, जरेली होते हुए विधायक निवास के पास समापन होगा।

तन,मन,धन और संबंध-संपर्क में स्वच्छता ही पूर्ण स्वच्छता है-मंजू दीदी

हम सब ने यह ठाना है, भारत स्वच्छ बनाना है% - स्लोगन के साथ हुआ स्वच्छता अभियान का आगाज़

ब्रह्माकुमारी भाई बहनो ने स्मृति वन मे सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का दिया संदेश, आम जनता ने भी दिया सहयोग

तन,मन,धन और संबंध संपर्क मे स्वच्छता ही पूर्ण स्वच्छता है-बी के मंजू

बिलासपुर, 2 अक्टूबर बर (देशबन्धु)। ब्रह्माकुमारी के टिकरापारा और राजकिशोरनगर के लगभग पचास भाई बहनों ने रविवार सुबह छः बजे से स्मृति वन मे सफाई अभियान चलाया। इस अवसर पर मार्निग वाक के लिये आये लोगों ने भी उमंग उत्साह से सहयोग दिया।

मंजू दीदी ने कहा कि सुबह सुबह स्वच्छ वातावरण मे सैर करने से मन भी प्रफुल्लित रहता है इसलिए गंदगी न फैलाये। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। गांधी जी ने भी स्वच्छ भारत की कल्पना की थी। आगे दीदी ने कहा कि इसके साथ साथ तन, मन, धन एवं संबंध संपर्क, व्यवहार मे भी स्वच्छता आवश्यक है। एस डी एम के पद पर चयनित भ्राता हर्ष पाठक ने कहा कि मुझे ऐसे ही संस्था की तलाश थी जो सतत् उन्नति के साथ बिना किसी अपेक्षा के सामाजिक गतिविधियों से भी जुड़ा हो। उम्मीद रखता हू एक दो वर्ष मे मै भी अन्य भाईयों की तरह पूरी तरह ढल जाउंगा। अंत मे प्रीति बहन, बंटी भाई एवं ग्रुप ने व्यसनमुक्ति पर प्रस्तुति दी। मंजू दीदी ने सभी को स्वच्छता के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करने शपथ दिलाई।

स्वच्छता पखवाड़ा में विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय तखतपुर परिसर व आसपास में स्वच्छता श्रमदान किया गया

तखतपुर, 2 अक्टूबर (देशबन्धु)। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय तखतपुर परिसर व आसपास में स्वच्छता श्रमदान किया गया। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी जितेंद्र शुक्ला ने कहा कि जिस जगह में स्वच्छता रहती है वहां से बीमारी को कोसों दूर रहती है। गंदगी बीमारी की जननी है, क्योंकि कीटाणु और बीमारियां गंदगी से ही उत्पन्न होती है और फिर विभिन्न वाहकों के माध्यम से जैसे मक्खी, मच्छर और हवा के बहाव से लोगों तक पहुँचते हुए व्यक्ति को अपनी गिरफ्त में ले लेती है। इसलिए हम सभी को अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखना आवश्यक हो जाता है। स्वच्छता पखवाड़ा सप्ताह के तहत विकासखंड के शालों में तरह तरह की गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिससे स्वच्छता के फायदे व इस संबंध में जागरूक करते हुए लोगों को आसपास को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। लोग अपने घरों को स्वच्छ तो रखते हैं पर शासकीय और सामुदायिक स्थलों पर ध्यान नहीं देते। इसलिए शिक्षकों के द्वारा ऐसी जगह का चयन कर साफ सफाई की जा रही है। क्योंकि सामुदायिक जगह भी हम सभी की है और उसे साफ रखने के जवाबदारी भी हमारी है। स्वच्छता श्रमदान के अवसर पर राम भुवन यादव,नितेश सिंगरौल, मनोज पवार, लवकांत द्विवेदी,अमरदीप शर्मा, रमेश नेताम, मनीष प्रसाद, अशोक छतरी, आलोक बाजपेई,फराज अहमद, ईश्वर कश्यप सहित अन्य उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत सभाकक्ष में कार्यक्रम आयोजित कर वृद्धजनों का किया गया सम्मानित

तखतपुर, 2 अक्टूबर (देशबन्धु)। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत सभाकक्ष में कार्यक्रम आयोजित कर वृद्धजनों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के संबंध में जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि जुगलकिशोर कौशिक ने कहा कि व्यक्ति अपने जीवन में जो भी हासिल करता है वह अपने वरिष्ठ और बुजूर्ग के आशीर्वाद और कृपा से ही संभवन होता है इनके कुशल अनुभव, लालन पालन और पोषण से ही व्यक्ति को समाज में एक उचित मुकाम और स्थान हासिल हो पाता है उनके बताए मार्गो पर ही व्यक्ति आगे बढ़ता है और सफलता की एक नई सीढ़ी प्राप्त करता है

जिस तरह एक बरगद का पेड़ एक जगह स्थिर रहता है परंतु इसकी छाया दूर तक व्यक्ति प्राप्त कर लेता है और एक ठण्डक महसूस करता है उसी तरह व्यक्ति अपने बुजूर्गो से कितना भी दूर क्यों न रहे उनका नैतिक संभल व्यक्ति को हर मुश्किल परिस्थिति से निपटने के लिए क्षमता प्रदान करता है जनपद पंचायत तखतपुर में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जहां पर 15 वरिष्ठजनों को सालश्रीफल एवं छतरी देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर नितेश मिश्रा, योगेश साहू, बोनू ठाकुर, पेखन ठाकुर, वेदव्यास सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

गणेश विसर्जन के दौरान पुलिस से झुमाझटकी, डीजे बंद कराने पर हुआ विवाद

7 गिरफ्तार,निकाला जुलूस

बिलासपुर,1 अक्टूबर (देशबन्धु)। गणेश विसर्जन पर तेज आवाज में डीजे बजा रहे लोगों को पुलिस ने रोका विरोध में युवकों ने की आरक्षक से मारपीट पूरा मामला कोनी थाना क्षेत्र का है जहां गणेश विसर्जन के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तेज आवाज में डीजे प्रबंध कर रोकने का प्रयास किया जहां युवकों ने उल्टा आरक्षक से मारपीट कर दी कोनी थाना के आरक्षक महादेव कुजूर थाना कोनी बिलासपुर जिन्हे पेट्रोलिंग डयूटी पर तैनात किया गया था। पुलिस कन्ट्रोल रूम से प्वाईंट मिलेने पर रात्रि डयूटी मे तैनात अधिकारी के साथ छोटी कोनी डीजे बंद कराने के लिए गये थे। छोटी कोनी मेन रोड में स्थानीय लडके जो कि काफी तेज आवाज में डीजे बजाकर गणेश विसर्जन के लिये ले जा रहे थे। डीजे बंद कराए जाने पर युवक भड़क गए और आरक्षक से झूमा झटकी कर मारपीट करने लगे।आरक्षक के मुताबिक़ सूरज गढेवाल, दुर्गेश गढेवाल व उनके अन्य साथी अनावश्यक बाद विवाद करने लगे आरक्षक से मारपीट की घटना को उच्च अधिकारियों ने गंभीरता से लिया पुलिस द्वारा शासकीय कार्य मे बाधा और हुज्जतबाजी धक्का मुक्की झूमा झपटी के आरोप में आरोपियो को गिरफ्तार किया और कार्रवाई की है सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

आरोपीयो के नाम

दीपक गढेवाल उर्फ सूरज पिता संतू गढेवाल उम्र 23 वर्ष छोटी कोनी,अजय गढेवाल पिता संतू गढेवाल उम्र 19 वर्ष कोनी पेट्रोल पंप के पास छोटी कोनी,दुर्गेश गढेवाल पिता स्व श्याम लाल गढेवाल उम्र 20 वर्ष छोटी कोनी,थाना केानी, उत्तम मरावी पिता मनहरण मरावी उम्र 32 वर्ष निवासी कोनी पेट्रोल पंप के पास बिलासपुर, विजय जोशी पिता स्व जुगल जोशी उम्र 23 वर्ष निवासी कोनी, विनय जोशी पिता विजय जोशी उम्र 23 वर्ष निवासी कोनी पेट्रोल पंप के पास छोटी कोनी, आशीष अनंत पिता स्व उमेश अनंत उम्र 20 वर्ष गुडाखू फैक्ट्री छोटी कोनी थाना कोनी जिला बिलासपुर।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नगरनार स्टील प्लांट का निजीकरण...

पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह ने भी इस संदर्भ में एक पत्र लिखा था। अब भाजपा के लोग भी इस पर खुलकर अपनी बात रखें।

टाटा, जिंदल जैसी कंपनियां आ रही

मुख्यमंत्री ने कहा कि नगरनार स्टील प्लांट के अधिग्रहण को लेकर ईओआई में टाटा, जिंदल, अदाणी, जैसी कंपनियाँ आ रही हैं। निजी हाथों में नहीं बिकेगा, क्योंकि यहां की ज़मीन आदिवासियों की है।वहां सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल खोलने की भी बात कही गई थी, लेकिन अब तक नहीं खोला गया।

इसके साथ ही भूपेश बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ नागरिक उड्डयन मंत्री भी आ रहे हैं। जगदलपुर से जबलपुर और दिल्ली तक की उड़ान शुरू करने की मांग करता हूँ।एक करोड़ की क्षतिपूर्ति राज्य सरकार देने को तैयार है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि केन्द्र सरकार नगरनार संयंत्र को अपने चहेते उद्योगपति को बेचना चाह रही है। बस्तर का पूरा आदिवासी समाज इसके विरोध में है।यही कारण है कि कांग्रेस 3 अक्टूबर को बस्तर बंद करने जा रही है। हमारी मांग है कि नगरनार संयंत्र निजी हाथों में न दिया जाए। साथ ही एनएमडीसी का मुख्यालय जगदलपुर में किया जाए।

दो साल बाद भी ...

एडीएम, एसपी, एएसपी, एस-आई और अन्य लोग मामले में गवाह हैं। हिंसा में मारे गए किसानों में से एक के पिता जगजीत सिंह 12 जनवरी, 2023 को अदालत में पेश होने वाले अभियोजन पक्ष के पहले गवाह थे। वह मामले में शिकायतकर्ता भी हैं।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कांग्रेस की भरोसा यात्रा

बिलासपुर,1 अक्टूबर (देशबन्धु)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम तय किए गए है जिसमे कांग्रेस कमेटी द्वारा 02 अक्टूबर को सुबह 10.00 बजे गांधी चौक में महात्मा गांधी जी की जयंती एवं सुबह 10.30 बजे लाल बहादुर शास्त्री स्कूल के प्रांगण में पूर्व प्रधानमंत्री स्व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई जाएगी।

उसके बाद शहर ज़िला कांग्रेस कमेटी द्वारा 02 अक्टूबर को दोपहर 2.00 बजे देवकीनन्दन चौक से गांधी चौक तक कांग्रेस भरोसा यात्रा निकाली जाएगी।उक्त यात्रा की जानकारी देते हुए,अरविंद शुक्ला अध्यक्ष बिलासपुर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी 02 ने बताया की यात्रा में शहर प्रभारी , प्रदेश संयुक्त महासचिव अजय अग्रवाल एवं विधानसभा प्रभारी , प्रदेश सचिव आत्मजीत सिंह मक्कड़ विशेष रूप से शामिल होंगे।

कलेक्टर ने वरिष्ठजनों को दिलाई मतदाता शपथ

बिलासपुर,1 अक्टूबर (देशबन्धु)। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर शासकीय देवकीनंदन कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला में मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर संजीव कुमार झा ने कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठजनों से साल के अंत में होने वाले विधानसभा निर्वाचन सहित अन्य निर्वाचनों में अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की। कलेक्टर ने इस दौरान सभी वरिष्ठजनों एवं कार्यक्रम में मौजूद लोगों को मतदाता शपथ दिलाई। जिले में आगामी विधानसभा निर्वाचन के मद्देनजर विभिन्न गतिविधियों के तहत स्वीप कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में नगर निगम कमिश्नर कुणाल दुदावत भी मौजूद थे।

142000 के 14 किलो गांजा व घटना में प्रयुक्त एक्टिवा जब्त, 3 आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर,1 अक्टूबर (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर संतोष सिंह द्वारा बिलासपुर जिले मे ''निजात अभियान'' के तहत् अवैध मादक पदार्थों/नशीली दवाईओं को पकडने के आदेश परिपालन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) राजेन्द्र जायसवाल एवं नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी कोतवाली) श्रीमति पूजा कुमार के द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त कर थाना प्रभारी सिरगिट्टी द्वारा टीम गठित कर संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही थी इसी क्रम मे 30.9.2023 को जरिये मुखबीर के मोबाईल फोन से सूचना मिला कि तीन व्यक्ति गजरा चैक सिरगिट्टी मे एक्टीवा स्कूटी क्रमांक सीजी10एई 4255 वाहन मे काला नीला रंग के बैग मे मादक पदार्थ गांजा रखकर परिवहन करने के फिराक मे है सूचना पर तत्काल गजरा चैक सिरगिट्टी मे सादी वर्दी मे टीम द्वारा घेराबंदी कर एक्टिवा क्रमांक- सीजी10 एई 4255 मे सवार तीन व्यक्तियों को पकडकर नाम पूछने पर अपना-अपना नाम 1. रवि बिंझाडे पिता श्याम राव बिंझाडे उम्र 26 वर्ष निवासी यादव नगर टिकरापारा थाना सिटी कोतवाली बिलासपुर 2. आगय मण्डल पिता जोसेफ मण्डल उम्र 24 वर्ष निवासी ताबराडा थाना आर उदयगिरी जिला गजपत उडीसा 3. रंजित रोहितो पिता सिलबानो रोहितो उम्र 19 वर्ष निवासी ताबराडा थाना आर उदयगिरी जिला गजपति उडीसा का होना बताये। संदेहियो के पास रखे बैग की तलाशी लेने पर बैग के अंदर गांजा जैसा मादक पदार्थ रखा हुआ था। तीनो आरोपियों के कब्जे से गांजा कुल वजनी 14.200 कि.ग्रा. कुल कीमती 1,42,000 रूपये एवं एक्टिवा वाहन क्रमांक- सीजी10 एई 4255 कीमती 30,000 रू. जप्त कर तीनो आरोपियों के विरूध्द प्रथम दृष्टया अपराध सदर की धारा 20 बी एनडीपीएस एक्ट का होना पाये जाने से विधिवत गिरफ्तार कर गिरफ्तारी की सूचना परिजनों को अवगत कराकर माननीय न्यायालय न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

प्रकरण की उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सिरगिटटी निरीक्षक नवीन देवांगन, उप निरीक्षक कुंजबिहारी साहू, प्र.आर. 1339 मनोज राजपूत विरेन्द्र साहू, विरेन्द्र राजपूत एवं केशव मार्को एवं एसीसीयु सेल सउनि शोभनाथ यादव प्र.आर. देवमून सिंह पुहूप, आरक्षक तरूण केशरवानी, सत्या पाटले, सरफराज खान एवं बोधुराम कुम्हार की अहम भूमिका रही।

आरोपी

रवि बिंझाडे पिता श्याम राव बिंझाडे उम्र 26 वर्ष निवासी यादव नगर टिकरापारा थाना सिटी कोतवाली बिलासपुर

आगय मण्डल पिता जोसेफ मण्डल उम्र 24 वर्ष निवासी ताबराडा थाना, आर उदयगिरी जिला गजपत उडीसा

रंजित रोहितो पिता सिलबानो रोहितो उम्र 19 वर्ष निवासी ताबराडा थाना आर उदयगिरी जिला गजपति उडीसा

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)
मुख्य कार्यालय– साकेत भवन, आई.टी.आई. चौक, कोरबा (छ.ग.)
फा.क्र./ स्टोर/ 2023 / 915 कोरबा, दिनांक 25.09.2023

निविदा आमंत्रण की सूचना

नगर पालिक निगम, कोरबा द्वारा शासकीय एवं अर्धशासकीय विभागों में व्यवसाय से संबंधित अनुभवी ठेकेदारों/ प्रदायकर्ताओं/ निर्माताओं से निम्न लिखित कार्य हेतु शेड्यूल अनुसार आयटम दरों पर निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैन्युअल निविदा वेबसाईट से डाउनलोड कर बंद लिफाफा पद्धति माध्यम से आमंत्रित की जाती है :–

3. निर्धारित प्रारूप में निविदा प्रपत्र प्राप्त होने अंतिम तिथि – 17.10.2023 सायंकाल 3:00 बजे तक
4. निविदा खुलने की अन्तिम तिथि – 17.10.2023 सायंकाल 4:30 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि लाख में	धरोहर राशि रू में
1	हैण्डपंप सामग्री की खरीदी हेतु वार्षिक दर निर्धारण। (नियम मद)	–	10000/–

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट Website : www.korbamunicipal.in एवं www.uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छ.ग.)

// स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें //

देश

उवाच

कांग्रेस की इंडिया गठबंधन की लड़ाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नहीं है बल्कि गठबंधन उस सोच और उस विचारधारा के खिलाफ खड़ा है जो समाज तथा देश को बांटने की कोशिश करता है।

-दिग्विजय सिंह,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	32.	22.
मुंबई	27.	26.
कोलकाता	3.	26.
चेन्नई	34.	28.

देश में स्वच्छता से ही स्वास्थ्य व समृद्धि संभव : ओम बिरला

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। स्वच्छता पखवाड़ा-स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कोटा में आयोजित स्वच्छता अभियान में भाग लिया। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि स्वच्छता से स्वास्थ्य और समृद्धि आती है। स्वच्छता में भगवान का वास होता है। पूज्य बापू ने भी स्वच्छता को मानवता की सर्वोत्तम सेवा बताया था। उन्होंने लोगों से अपना यह संकल्प दोहराने का आग्रह किया कि वे नियमित श्रम दान कर अपने शहर, राज्य और देश को स्वच्छ बनाएंगे। इस मौके पर संसद परिसर में सफाई अभियान भी चलाया गया। लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने इस अभियान का नेतृत्व किया। इस कार्यक्रम में लोकसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आह्वान किया था कि अभियान में भाग लेकर एक घंटे श्रमदान करें। उन्होंने कहा था कि स्वच्छ भारत साझी जिम्मेदारी है। इसलिए स्वच्छ भविष्य की शुरुआत के लिए उत्कृष्ट प्रयास में शामिल हों। उन्होंने अभियान के संबंध में एक तारीख, एक घंटा, एक साथ का नारा दिया था। यह पहल स्वच्छता पखवाड़ा-स्वच्छता ही सेवा अभियान 2023 की एक कड़ी है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा था कि एक अक्टूबर को सुबह 10 बजे हम एक महत्वपूर्ण स्वच्छता पहल के लिए एक साथ आगे आएंगे।

■ **लोकसभा अध्यक्ष ने स्वच्छता अभियान में लिया भाग**

गांधीजी ने भी स्वच्छता को बताया था मानवता की सर्वोत्तम सेवा : ओम बिरला

स्वच्छ भारत एक साझा जिम्मेदारी है और हर प्रयास अहमियत रखता है। स्वच्छ भविष्य की शुरुआत के लिए इस उत्कृष्ट प्रयास में शामिल हों। वहीं केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान के पहले ही वर्ष में करीब चार लाख शौचालयों का निर्माण किया गया। इसके परिणाम स्वरूप ना केवल स्वास्थ्य बल्कि समाज में एक नई संस्कृति स्थापित करने का भी कार्य होता है। साफ-सफाई रखना केवल एक सरकारी दायित्व नहीं, बल्कि हमारी स्वभाव का हिस्सा है। वहीं भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्वच्छता अभियान का हिस्सा बनकर दिल्ली में श्रम दान किया। उनके साथ केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने भी दिल्ली में आयोजित स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर देशभर में जगह-जगह कई केंद्रीय मंत्री, सासद व भारतीय जनता पार्टी के नेता स्वच्छता अभियान का हिस्सा बन रहे हैं। इस दौरान कई बड़े नेताओं व केंद्रीय मंत्रियों ने स्वच्छता को लेकर श्रमदान भी किया है। स्वच्छ भारत देश के सभी परिवारजनों की सामूहिक जिम्मेदारी है और इस दिशा में जनभागीदारी का हर प्रयास बहुत महत्वपूर्ण है।

संसद परिसर में स्वच्छता अभियान का किया आयोजन

स्वच्छता पखवाड़ा-स्वच्छता ही सेवा, 2023 के तहत दो अक्टूबर को गांधी जयंती पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के अवसर पर रविवार को संसद परिसर में एक स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने इस अभियान का नेतृत्व किया। इस कार्यक्रम में लोकसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

चित्तौड़गढ़ व ग्वालियर का दौरा करेंगे मोदी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ और मध्य प्रदेश के ग्वालियर का दौरा करेंगे। मोदी मध्य प्रदेश में करीब 19,260 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा पीएम राजस्थान में करीब 7,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। राजस्थान और मध्य प्रदेश में इस साल दिसम्बर में विधानसभा चुनाव होंगे। मोदी ने रविवार को चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ का दौरा किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह करीब 10:45 बजे राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में लगभग 7,000 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे और आधारशिला रखेंगे। इसके बाद मोदी दोपहर करीब 3:30 बजे ग्वालियर पहुंचेंगे। यहां पर वह करीब 19,260 करोड़ रुपए की कई विकास पहलों का शिलान्यास करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। अपने चित्तौड़गढ़ दौरे के दौरान मोदी मेहसाणा-भटिंडा-गुरदासपुर गैस पाइपलाइन राष्ट्र को समर्पित करेंगे। पाइपलाइन का निर्माण लगभग 4,500 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। पीएम मोदी आबू रोड में एचपीसीएल का एलपीजी प्लांट भी समर्पित करेंगे। यह प्लांट हर साल 86 लाख सिलेंडरों की बोतल और वितरण करेगा और इसके परिणामस्वरूप प्रति वर्ष सिलेंडर ले जाने वाले ट्रकों के संचालन में लगभग 0.75 मिलियन किमी की कमी आएगी, जिससे प्रति वर्ष लगभग 0.5 मिलियन टन सीओ 2 उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी। मोदी अजमेर बॉटलिंग प्लांट, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में अतिरिक्त स्टोरेज भी समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री एनएच-12 दाराह-झालावाड़-तीनधार खंड पर चार लेन सड़क का लोकार्पण करेंगे, जिसका निर्माण 1,480 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया गया है।

■ **26 हजार करोड़ की देंगें सौगात**

कुपवाड़ा में हथियारों, गोला बारूद के भंडार का भंड़ाफोड़

श्रीनगर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में हथियारों और गोला-बारूद के एक भंडार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कुपवाड़ा पुलिस और भारतीय सेना द्वारा चलाए गए संयुक्त अभियान में मच्छल के पॉशमार्गी इलाके में हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया। बरामद हथियार और गोला-बारूद नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से भारतीय सीमा लाए गए थे। पुलिस के मुताबिक 30 सितम्बर को अपराह्न में संदिग्ध क्षेत्र में योजनाबद्ध अभियान शुरू हुआ।

■ **नियंत्रण रेखा के पार से लाए गए थे बरामद हथियार**

यह अभियान राष्ट्र-विरोधी तत्वों द्वारा उत्पन्न खतरे से निपटने के लिए शुरू किया गया था। कुपवाड़ा पुलिस और भारतीय सेना ने संयुक्त रूप से यह अभियान शुरू किया था। तलाशी अभियान के दौरान एक प्राकृतिक गुफा से हथियारों और गोला-बारूद का खजाना मिला, जिसे अवैध रूप

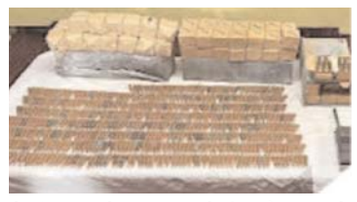

से नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार ले जाया गया था। हथियारों के जखीरे में 1 एके सीरीज राइफल, 4 एके मैगजीन, 02 यूबीजीएल (अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर), 2 हैंडग्रेनेड, 26 यूबीजीएल ग्रेनेड, 7.62 मिमी एके गोला बारूद के 2088 राउंड, 1 साइलेंसर (ध्वनि दबानेवाला यंत्र), 900 ग्राम पीईके (पोटेशियम नाइट्रेट), 20 नंबर 27 डेटोनेटर तार के साथ 19 वाणिज्यिक डेटोनेटर, 2 बूस्टर चार्ज, 2 विस्फोटक उपकरण (सटीक प्रकार अभी तक निर्धारित नहीं किया गया है), 10 संशोधित तंत्र उपकरण, 49वी बैटरी, और 1 आईकॉम रेडियो सेट शामिल हैं।

रामबन में तीस किलो कोकीन की जब्त

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रामबन जिले में नार्को टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने जिले में बनिहाल के रेलवे चौक पर कश्मीर से जम्मू की ओर आ रहे एक वाहन को रोका। जिसमें से 30 किलो कोकीन जब्त की गई। कोकीन की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में करीब 300 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसी के साथ पुलिस ने दो लोगों को भी गिरफ्तार किया है। यह ऑपरेशन एसएसपी रामबन और उनकी टीम को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर था। रामबन पुलिस ने पहले ही बड़ी संख्या में कुख्यात तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि साल 2022 में कुल 104 मामले दर्ज किए गए हैं जबकि 2023 में अब तक 36 मामले दर्ज किए गए हैं।

सार संक्षेप

भ्रष्टाचार के आरोप में दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारी निलंबित

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने रविवार को एक पुलिस उपाधीक्षक सहित दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया जिन्हें पिछले सप्ताह भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। निलंबित अधिकारियों में सहायक पुलिस अधीक्षक बडगाम गौहर अहमद खान और पुलिस उपाधीक्षक आदिल मुश्ताक शामिल हैं, जिन्हें कथित भ्रष्टाचार के आरोप में 21 सितम्बर को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने आदिल मुश्ताक मामले की जांच के लिए दक्षिण शहर के पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया है।

बेंगलुरु में इलेक्ट्रिक कार में लगी आग, दो लोग बचे

बेंगलुरु। बेंगलुरु में बीच सड़क पर एक इलेक्ट्रिक कार में अचानक आग लग गई। इस घटना में यात्रा कर रहे दो लोग बाल-बाल बचे। आग लगने से इलेक्ट्रिक वाहनों के मालिकों की चिंता बढ़ गई है। यह घटना डालमिया सर्कल के जेपी नगर पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई। पुलिस ने कहा कि दो दोस्त कार में यात्रा कर रहे थे और अचानक वाहन में तकनीकी खराबी आने लगी और धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते इलेक्ट्रिक कार में आग लग गई। कार के अंदर मौजूद दोनों दोस्त सही समय पर बाहर कूद गए। कुछ ही देर में वाहन जलकर खाक हो गया।

बीआरएस नेता कासिरेड्डी ने पार्टी से दिया इस्तीफा

हैदराबाद। तेलंगाना में सत्तारुढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधान परिषद सदस्य कासिरेड्डी नारायण रेड्डी ने कांग्रेस में शामिल होने का इरादा व्यक्त करते हुए रविवार को पार्टी से अपना इस्तीफा दे दिया। नारायण रेड्डीने रविवार सुबह अपने आवास पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष , सांसद एन. रावेंथा रेड्डी, के साथ बैठक की और उसके बाद अपना औपचारिक त्याग पत्र जारी किया। उन्होंने अपने बयान में कांग्रेस में शामिल होने के अपने फैसले को पार्टी की छह गारंटियों में उनके विश्वास का परिणाम बताया। इन गारंटियों के बारे में उनका मानना है कि इससे वंचितों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएंगे।

ओडिशा एसटीएफ ने दो फरार ड्रग तस्करों को पकड़ा

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस की विशेष टास्क फोर्स ने खुफिया सूचना के आधार पर छापेमारी के दौरान दो फरार ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ सूत्रों ने बताया कि पिछले 29 सितम्बर को खोरधा में एसटीएफ व बीबीएसआर की एक टीम ने छापेमारी की थी और फरार ड्रग तस्कर मोहम्मद सदाम को 222 के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था।

भाजपा ने पिछड़े व दलितों का किया शोषण : अखिलेश

लखनऊ, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि पिछड़े और दलितों ने ताकत देकर केंद्र में एनडीए की सरकार बनाई थी। भाजपा सरकारों ने इन्हीं वर्गों का शोषण किया। पिछड़े और दलित छोड़ देंगे तो एनडीए कहीं नहीं बचेगी। उन्होंने कहा कि पिछड़ों-दलितों को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी संस्थाओं को मजबूत और सक्षम बनाना पड़ेगा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा नारी शक्ति वंदन कानून के नाम पर जनता को धोखा दे रही है। अगर महिला आरक्षण कानून बन गया है तो

■ **नारी शक्ति वंदन कानून के नाम पर जनता को धोखा देने का लगाया आरोप**

भाजपा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और अन्य राज्यों की विधानसभा में महिलाओं को 33 फीसदी टिकट क्यों नहीं दिया। भाजपा बताए कि उसने इस चुनाव में महिलाओं को कितना टिकट दिया और उसमें भी पिछड़ी, दलित वर्ग की कितनी महिलाओं को टिकट दिया है। पिछड़ी, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं के कोटा के बिना महिला आरक्षण कानून अधूरा है। उन्होंने पुस्तक लिखने के लिए मौर्या को बधाई देते हुए कहा कि समाज में परिवर्तन हो रहा है लेकिन जितना होना चाहिए उतना नहीं हुआ। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने समाज को जागरूक बनाने का काम किया। डॉ. राममनोहर लोहिया ने जाति तोड़ो का अभियान चलाया।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर और डॉ. राममनोहर लोहिया के सिद्धांतों पर चलकर ही समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। शिक्षा से ज्ञान बढ़ेगा, वही संघर्ष से सम्पन्नता आएगी। इसी से भेदभाव को खत्म किया जा सकता है। यादव ने कहा कि प्राइमरी स्कूलों में पिछड़े और दलित समाज के बच्चे पढ़ते हैं। स्कूलों की हालत बेहद खराब है। प्रदेश में तीन हजार प्राइमरी स्कूल बंद हो गए। इसी तरह से सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए सबसे ज्यादा गरीब लोग जाते है। हम सरकार में आएंगे तो सरकारी सरकारी संस्थानों को अच्छा और मजबूत बनाएंगे। इससे पूर्व उन्होंने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया और महापुरूषों के चित्रों पर पुष्प अर्पित किए।

इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, रश्मि मौर्य, आराधना मौर्य, चंद्रभूषण यादव, 94 वर्षीय वीरेन्द्र मौर्य, प्रकाशक दुर्गा प्रसाद, रिटायर्ड आईएएस चंद्रपाल, उपन्यासकार वीरेन्द्र सारंग, प्रो. मनीष हिन्दवी, प्रो. राम गणेश यादव, समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन राजीव रतन मौर्य ने किया। समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ ने गीत संगीत का कार्यक्रम पेश किया। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के बाद यादव ने मीडिया से बातचीत में करते हुए कहा कि हम चाहते है कि भाजपा को हराने के लिए मध्य प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी मिलकर चुनाव लड़े और भाजपा को हराए।

पिछड़े व दलित छोड़ देंगे तो एनडीए कहीं नहीं बचेगा : अखिलेश यादव

2024 का चुनाव होगा देश के लिए बड़ा परिवर्तनकारी

सपा अध्यक्ष ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव देश के लिए बड़ा परिवर्तनकारी होगा। केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी तो देश बाबा साहब डॉ.भीमराव अम्बेडकर और डॉ. राममनोहर लोहिया के सिद्धांतों और उनके बताए रास्ते पर चलेगा, लेकिन अगर पीछे रह गए तो भाजपा संविधान बदलकर न जाने किस रास्ते पर ले जाएगी। यादव ने रविवार को यहां लखनऊ, गोमती नगर के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पूर्व विधायक नीरज मौर्य द्वारा लिखित पुस्तक 'दलित एवं पिछड़ों के वोटों से सत्ता के विमोचन के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि पांच हजार साल पहले जो जाति व्यवस्था आई, उसी से समाज में दूरियां बनी है। समय-समय पर महापुरुषों ने समाज सुधारने के लिए काम किया। महात्मा ज्योतिबा फुले, शाहूजी महाराज, पेरियार, बाबा साहब डॉ.भीमराव अम्बेडकर, मान्यवर कांशीराम जी, डॉ. राममनोहर लोहिया, नेताजी ने समाज को जगाने और जागरूक करने का काम किया। हमें उम्मीद है कि जिस समय समाज पढ़-लिख जाएगा, जातियां टूटेंगी। जिस समय समाज सम्पन्न हो जाएगा हर जाति एक दूसरे के साथ खड़ी हो जाएगी।

सांसदों ने बालयोगी को की पुष्पांजलि अर्पित

नई दिल्ली,1 अक्टूबर (देशबन्धु)। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, संसद सदस्यों और अन्य गण्यमान्य व्यक्तियों ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष जी.एम.सी. बालयोगी की जयंती के अवसर पर संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह, लोक सभा और राज्य सभा सचिवालय के अधिकारियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। बालयोगी बारहवीं लोकसभा के अध्यक्ष थे और उन्हें तेरहवीं लोक सभा का अध्यक्ष भी पुन: चुना गया। वह दसवीं लोक सभा के सदस्य भी थे। इससे पूर्व, वह आंध्र प्रदेश विधानसभा के सदस्य और आंध्र प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री भी थे। बालयोगी का 3 मार्च, 2002 को आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन हो गया।

आम चुनाव में तमिलनाडु, पुदुचेरी की सभी 4 सीटें जीतने का लक्ष्य : स्टॉलिन

चेन्नई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम.के.स्टालिन ने रविवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से 2024 के लोकसभा चुनाव में सभी 40 सीटों, जिसमें तमिलनाडु की 39 सीट और केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी की एक सीट शामिल है, पर जीत के लिए काम करने का आह्वान किया। द्रमुक के जिला सचिवों, मंत्रियों और बूथ एजेंटों को विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि लोकसभा चुनाव में द्रमुक के नेतृत्व वाला मोर्चा तमिलनाडु और पुदुचेरी में सभी सीटों पर जीत प्राप्त करे। स्टालिन ने कहा कि विपक्ष के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन, जिसमें विभिन्न राज्यों के सत्तारूढ़ दल और मजबूत क्षेत्रीय दल शामिल हैं, भाजपा को फिर से सत्ता में आने से रोकने के लिए बनाया गया है और यह महत्वपूर्ण है कि इंडिया ब्लॉक अखिल भारतीय स्तर पर आगामी लोकसभा चुनाव जीते। स्टालिन ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में हमने 40 में से 39 सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार हमें सभी 40 सीटें जीतनी हैं और इंडिया ब्लॉक को पूरे देश में जीतना चाहिए जैसे उसने तमिलनाडु में जीत प्राप्त की थी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से चुनाव में जीत प्राप्त करने के लिए कठोर मेहनत करने की अपील की।

केंद्र में सरकार नहीं बनाएगी भाजपा

द्रमुख अध्यक्ष एम.के.स्टॉलिन ने कहा कि भाजपा केंद्र में सरकार नहीं बनाएगी। चूंकि व्यापक रूप से इस बात की चर्चा है कि चुनाव के बाद अगली सरकार इंडिया ब्लॉक की होगी और इससे हमारी जिम्मेदारी, कर्तव्य और प्रतिबद्धता और ज्यादा बढ़ गई है। स्टॉलिन ने कहा कि द्रमुक ने छह महीने पहले बूथ समितियों का गठन करके अगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी का काम शुरू कर दिया है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि हम चुनाव में सभी 4 सीटें प्राप्त करें।

भविष्य में नहीं लड़ूंगा कोई चुनाव : जीतन राम मांझी

पटना, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा- सेक्युलर (एचएएम-एस) के संरक्षक जीतन राम मांझी ने रविवार को घोषणा की कि वह भविष्य में कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे। नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद यहां लौटते हुए मांझी ने कहा कि वह अब 79 साल के हो गए हैं, इसलिए चुनाव लड़ना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं भविष्य में कोई चुनाव नहीं लड़ूंगा। मेरी उम्र अभी 79 साल है और इस उम्र में चुनाव लड़ना ठीक नहीं है। इसलिए, मैं व्यक्तिगत रूप से सक्रिय राजनीति से संन्यास ले रहा हूं, लेकिन अगली लोकसभा चुनाव में पार्टी और एनडीए का प्रचार करूंगा। मांझी ने कहा कि मैं अमित शाह से मिला और हमारी पार्टी को जो भी सीटें दी जाएंगी, हम उसे स्वीकार करेंगे और अपनी पार्टी के साथ-साथ गठबंधन को भी जिताने के लिए प्रयास करेंगे। नीतीश कुमार के एनडीए में शामिल होने की संभावना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मांझी ने कहा कि उनकी पार्टी छोटी है।

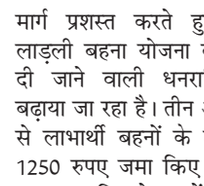

उत्तर प्रदेश के महोबा में तीन किसानों ने की आत्महत्या

महोबा,1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड के महोबा जिले में बीते चौबीस घण्टों में कर्ज, आर्थिक तंगी और फसल खराब होने से क्षुब्ध होकर तीन किसानों के फांसी लगा लेने से हड़कंप मच गया है। अपर पुलिस अधीक्षक सत्यम ने यहां बताया कि चरखारी कोतवाली के करहरा खुर्द गांव में किसान संतराम राजपूत ने अपने घर मे फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। भाई संदीप ने बताया कि संतराम आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। वह सुबह के समय खेतों की ओर गया था जहां मूंगफली की फसल खराब देख उसे गहरा सदमा पहुंचा। घर वापस लौटने पर उसने किसी से कोई बातचीत किये बगैर कमरे में खुद को बंद कर लिया और छत के कुंडे से फांसी का फंदा लगा उस पर झूल गया। मृतक किसान को बैंक से क्रेडिट कार्ड द्वारा लिए गए 1.88 लाख के कर्ज को भी चुकाना था, जिसे लेकर वह काफी परेशान रहता था। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कुलपहाड़ कोतवाली के चुरारी गांव में 35 वर्षीय युवा किसान गुलाब बसोर ने देर रात अपने घर मे ही फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना परिजनों द्वारा पुलिस को दी गई। मृतक किसान डेढ़ बीघा का काश्तकार था। उसकी खुदकुशी का कारण स्पष्ट नही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

■ **कर्ज, आर्थिक तंगी व फसल खराब होने के चलते उठाया कदम**

उधर एक अन्य घटना पनवाड़ी क्षेत्र में तुर्रा गांव की है। जहां 62 वर्षीय किसान दिल्लीपति अहिरवार का पठवा में स्थित चिल्ला के पेड़ में फांसी पर लटका हुआ शव पाया गया। परिजनों के मुताबिक किसान ने सुबह घर के पास स्थित हेण्डपम्प में स्नान किया था और कपड़े पहन कर निकल गया था। उसका फांसी पर लटका हुआ शव ग्रामीणों ने देखा तो घटना की खबर पुलिस को दी गई।

योजना *मध्य प्रदेश में लाड़ली बहनों के लिए खुशखबरी*

लाभार्थी बहनों के खाते में आएगी 125 रुपए की धनराशि

भोपाल,1 अक्टूबर (देशबन्धु)। महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध केंद्र सरकार ने जहां एक ओर नारी शक्ति वंदन कानून बनाया, वहीं राज्य सरकार महिला हितकारी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं की आर्थिक तरक्की का मार्ग प्रशस्त कर रही है। डबल इंजन की मप्र सरकार ने इसी क्रम में बहुचर्चित लाड़ली बहना योजना की धनराशि बढ़ाने की।

घोषणा की है। तीन अक्टूबर से लाभार्थी बहनों के खाते मे एक हजार नहीं बल्कि 1250 रुपए की धनराशि हस्तांतरित की जाएगी। जल्द ही राज्य सरकार लाड़ली बहना योजना की इस लाभ राशि को तीन हजार रुपए करने की योजना बना रही है।

योजना से मध्य प्रदेश की 1.31 करोड़ बहनें लाभान्वित होगीं। कुछ समय पहले ही सरकार ने योजना के दायरे में अविवाहित बहनों को भी शामिल किया, जिससे लाड़ली

■ **योजना से 1.31 करोड़ बहनें लाभान्वित होगीं**

बहना योजना का परिवार और भी विस्तृत हो गया है। मध्य प्रदेश सरकार महिलाओं को सशक्त करने के अपने वायदे के हर मोर्च पर खुद को साबित कर रही है। महिला की तरक्की का मार्ग प्रशस्त करते हुए अब लाड़ली बहना योजना के तहत दी जाने वाली धनराशि को बढ़ाया जा रहा है। तीन अक्टूबर से लाभार्थी बहनों के खाते में 1250 रुपए जमा किए जाएंगे। इस धनराशि से बहनें अपनी रोजमर्रा की छोटी बड़ी जरूरतों को खुद पूरा कर सकेंगी। उन्हें किसी पर आश्रित नहीं रहना पड़ेगा। कुछ समय पहले तक इस योजना में केवल विवाहित, तलाकशुदा या परित्यक्ता या पति द्वारा छोड़ी गई बहनों को ही शामिल किया गया था, लेकिन अब 21 साल की अविवाहित बहनें भी योजना के लिए आवेदन कर सकती हैं। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से अब तक 1.25 करोड़ से अधिक महिलाओं को 1000 रुपए प्रतिमाह मिल रहे हैं।

पिछले तीन माह में 3600 करोड़ रुपए की राशि बहनों के खाते में हस्तांतरित की जा चुकी है। योजना का दायरा बढ़ने से लाड़ली बहना का परिवार अब 1.31 करोड़ बहनों का हो गया है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री शिवराज ने जब इस योजना की घोषणा की थी तब उन्होंने हर महीने 1000 देने का वादा किया था और इसके कुछ दिनों बाद उन्होंने एक दूसरी घोषणा करते हुए कहा था कि हम 1000 रुपए पर नहीं रुकेंगे इसे धीरे-धीरे 3000 रुपए महीना पर ले जाएंगे। हाल ही में सीएम शिवराज ने अपना वादा निभाते हुए रक्षाबंधन पर राशि में 250 रुपए की बढ़ोतरी की थी, इसके लिए राखी से पहले 27 अगस्त को बहनों के खातों में 250 रुपए ट्रांसफर कर दिए थे और फिर 10 सितम्बर को 1000 रुपए जारी किए थे, लेकिन अब अक्टूबर से हर महीने बहनों के खाते में 1250 रुपए आएंगे।

इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया गया है। योजना में विभिन्न आवास योजनाओं में आवास सुविधा का लाभ मिलने से छूट गए परिवारों को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना में अपना आवास मिलेगा।

देशबन्धु

बिलासपुर, सोमवार 2 अक्टूबर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

गांधी को स्वीकारने-नकारने की ऊहापोह

अपनी मृत्यु के 76 वर्षों के बाद भी सारी दुनिया जिस व्यक्ति के आगे नतमस्तक होती है, उनका अपना देश एक बार फिर उनकी जयंती मना रहा है। पिछले लगभग एक दशक से महात्मा गांधी की जयंती हो अथवा पुण्यतिथि, उन्हें याद करते वक्त देश के सामने यह द्वंद्व बराबर खड़ा होता है कि बापू को स्वीकारें या अब वे त्याज्य हैं? ऊहापोह की यह स्थिति तैयार की गई है, कृत्रिम है; वरना जैसे व जितने लम्बे समय से गांधी जी के नाम को मिटाने के प्रयास हुए हैं, वे सफल हो जाते तो उनके नाम पर होने वाले आयोजन कब के रुक गये होते। उनकी नश्वर काया को मिटाने वाले लोगों, विचारधाराओं और संगठनों ने सोचा भी न होगा कि शरीर छोड़ देने के बाद भी वे ऐसी लम्बी पारी खेलेंगे जो खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। उल्टे, उनका नामो-निशान मिटाने की जितनी कोशिशें हो रही हैं, गांधी का नाम उतना ही बोल्ड और ज़ूम होता जा रहा है। खैर, गांधी को सहेजने और निपटाने की इस रस्साकशी में देश सोमवार को उन्हें फिर से याद कर रहा है। उनके नाम पर होने वाले छोटे-बड़े आयोजनों में उन्हें भी शामिल होना पड़ता है जो यह करना कतई नहीं चाहते। करते भी हैं तो अनिच्छा से।

तो भी, गांधी का केवल नाम बचाये रखना काफी नहीं है। उनके विचारों को अमल में लाना आज भी भारतीय समाज के सामने एक बड़ा टास्क बना हुआ है। गांधी खुद का नाम अमर करने या देश भर में अपनी बड़ाई के किस्से प्रसारित करने के पक्ष में बिलकुल नहीं थे परन्तु उनके रहते और उनके बाद की दुनिया ने उनका कहा नहीं माना। ऐसा इसलिये क्योंकि गांधी विश्व के लिये ज़रूरी हैं। मानवीयता के लिये अपरिहार्य भी।

गांधी जी को इस हयात से रुख़सत हुए तकरीबन उतने ही साल हुए हैं जितनी पुरानी हमारी आजादी है। स्वतंत्र भारत ने अभी अपनी आंखें ठीक से खोली भी न थीं, कि उसके सामने यकायक बड़ा अंधेरा छा गया था- 30 जनवरी, 1948 को। फिर भी, वे ही रोशनी बने जिनकी अदृश्य उंगलियां थामकर हमारे रहनुमाओं ने देश को आगे बढ़ाया। कई सरकारें आईं और गईं। ऐसा नहीं कि इनमें सारे गांधीवादी थे। यहां तक कि उनके तत्काल बाद आई सरकारों ने तो गांधीवादियों की बीज-पुस्तिका 'हिन्द स्वराज' के कई सिद्धांतों व विचारों को काटते हुए आधुनिकता का रास्ता अपनाया। बड़े कल-कारखाने, विशालकाय बांध तो उनके राजनैतिक वारिस और प्रिय शिष्य जवाहरलाल नेहरू ने बनवाये। इनके पूर्ण होने के काफी पहले ही बापू जा चुके थे। अगर वे होते भी या ऊपर से देख सकते तो वे खुश ही होते कि उनका पट्टशिष्य ये सारे उपक्रम समाज के अंतिम व्यक्ति को सशक्त करने के लिये कर रहा है। फिर, नेहरू ने गांधी के अमृत तत्वों को सहेजकर रखा और सियासत को उन पर हावी नहीं होने दिया। कमोबेश, यह सिलसिला वर्तमान सरकार के पहले तक जारी रहा और गांधी हर तरह की व्यवस्थाओं के बीच भी बच रहे- 1991 में आई वैश्विक अर्थव्यवस्था की बाढ़ भी उस उपजाऊ मिट्टी को बहाकर नहीं ले जा सकी जिसमें गांधी विचारों के बीज छिड़के हुए थे। पीवी नरसिम्हा राव हों या आर्थिक सुधारों के पुरोधा डॉ. मनमोहन सिंह अथवा संचार क्रांति के प्रणेता राजीव गांधी- किसी ने भी अपनी कार्य प्रणाली से इस पवित्र नाम को दफ़्न नहीं किया।

गांधी को बचकानी व हास्यास्पद चुनौतियां देना हालिया राजनीति की देन हैं जिसने इसके लिये लम्बा इंतज़ार किया था। जितनी पुरानी हमारी स्वतंत्रता है या जितने साल बापू को जाकर हो गये हैं- उससे करीब 25 साल ज्यादा का। 1924 में बने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्वतंत्रता आंदोलन का रास्ता अलग था, यह भी नहीं कहा जा सकता क्योंकि ऐसी किसी राह पर यह संगठन चला ही नहीं। उल्टे, वह गांधी जी के नेतृत्व में जारी संघर्ष का मुख्य अवरोध रहा। फिर भी, गांधी को लोग ससम्मान रास्ता देते गये और जनसामान्य को वे ही अपनी मुक्ति का मार्ग महसूस होते रहे। अब परिस्थितियां बदली हुई हैं। एक ओर भरी लोकसभा में भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी बसपा सदस्य दानिश अली को सम्प्रदायसूचक अपशब्द कहकर पार्टी के भीतर बड़ी जिम्मेदारी पा जाते हैं और गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को देशभक्त कहने वाली प्रज्ञा ठाकुर को वे (मोदी) चाहें दिल से माफ न कर पाये हों, पर उन्हें बरास्ता भोपाल लोकसभा तक पहुंचाते हैं, वहीं पीएम जी-20 सम्मेलन में आये मेहमानों को राजघाट पर एकत्र कर यह साबित करने की कोशिश करते हैं कि भारत आज भी गांधी का देश है। यह मोदी को हैरान से ज्यादा व्यथित करने वाला होता होगा कि दुनिया में वे जहां भी जाते हैं, गांधी जी उनका पीछा नहीं छोड़ते। उन्हें वहां के चौक-चौराहों पर लगी गांधी प्रतिमाओं के सामने शीश नवाना होता है- सिर्फ फोटोबाजी के लिये नहीं वरन स्वयं को एक मानवीय समाज का हिस्सा बतलाने के लिये। मेजबान हों या भारत आने वाले विदेशी मेहमान, उनकी पीड़ा को यह कहकर बढ़ाते हैं कि भारत की पहचान गांधी से है।

दिलचस्प यह है कि भारत में राजनीति करने वाले गांधी विरोधियों को भी अपनी प्रासंगिकता साबित करने के लिये गांधी का जपनाम करना पड़ता है। गांधी को अपशब्द कहकर वे कुछ सनसनी फैला सकते हैं, मनोरंजन भी करते हैं परन्तु इससे वे अपनी विश्वसनीयता और प्रासंगिकता खो बैठते हैं। वह इसलिये क्योंकि आज भी बापू आदर्शों व मूल्यों के अल्टीमेट मानक बनकर ऐसी आसमानी ऊंचाई पर विराजमान हैं कि उन्हें धकियाकर कोई व्यक्ति या विचारधारा सभ्य समाज में चल-फिर नहीं सकती।

राहुल का साहसिक लेख : हिन्दू होने का मतलब निर्भय!

गांधी जयंती से ठीक पहले राहुल गांधी ने बेमिसाल काम किया है। कठिन दार्शनिक एवं आध्यात्मिक विषय पर लिखने का। परिवारवाद का आरोप हमें तो यहां बिल्कुल सही लगता है। अपने पूर्वजों की तरह लिखने पढ़ने से नाता जोड़े रखने की परंपरा कायम रखने को ही तो यह लोग परिवारवाद कहते हैं!

नेहरू ने कई किताबें लिखी हैं। बहुत गहन विषयों पर। इतिहास और संस्कृति पर। मगर यहां उद्देश्य नेहरू पर बात करना नहीं है। नेहरू तो इस प्रसंगवश आ गए कि राहुल उस परिवार के हैं तो वह डीएनए जो शब्द हमारे प्रधानमंत्री जी को बहुत प्रिय है और वह पूरे एक राज्य बिहार का बता रहे थे तो वह डीएनए लिखने पढ़ने का सत्य और साहस का देशप्रेम का तो आएगा ही।

मगर यहां बात शुरू की थी हमने गांधी जयंती से। तो गांधी जयंती पर राहुल ने लिखा है सत्यम शिवम सुन्दरम। हिन्दू होने का अर्थ। भय की तलहटी तक जाकर सत्य को देखने का साहस। यही तो गांधी जी कहते थे। हिन्दू होने का मतलब है- दया सहिष्णुता समावेश। गांधी जी के यंग इन्डिया, हरिजन और नवजीवन में छपे लेखों का एक संग्रह है हिन्दू धर्म क्या है! इसमें गांधी वही ढूंढ़ते हैं जो राहुल ने अपने इस लेख में तलाशने की कोशिश की है। और नेहरू फिर यहां आएंगे। अपने उन विचारों के लिए जिन पर सब से कम लिखा गया है और वह हैं- उनके अपने धर्म हिन्दू पर उनके विचार। हिन्दू पर वे कहते हैं कि बाकी सभी धर्मों की बातों की तरह यहां भी कई रुढ़ियां हैं। मगर हिन्दू धर्म क्रान्तिकारी और मौलिक विचारों पर चर्चा के लिए हमेशा तैयार रहता है।

आज जब सारी राजनीति हिन्दू पर की जा रही है और उसे एक वोट बैंक में बदलने की कोशिश की जा रही है तो गांधी-नेहरू की परंपरा में राहुल के इस विषय पर विचार बहुत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। राजनीति और धर्म को अलग रखने की बात बहुत पुरानी है। और जिसने यह कर लिया वह विकसित भी हो गया। यूरोप ने सबसे पहले किया था। चर्च ने खुद माना था कि राजनीति उसका विषय नहीं है और वह खुद को केवल धार्मिक कार्यकलापों तक ही सीमित रखेगी। यह दो सौ साल पुरानी बात है। फ्रांसीसी क्रान्ति के बाद।

उसके बहुत बाद इन्डिया और पाकिस्तान दो देश एक साथ बने। इन्डिया ने राजनीति को धर्म से अलग रखा और उधर पाकिस्तान ने राजनीति पर धर्म हावी कर दिया। दोनों के परिणाम आप देख सकते हैं। किसी उदाहरण की जरूरत नहीं।

भक्त क्या कहते हैं कहने दीजिए। खुद प्रधानमंत्री भी कि 2014 से पहले भारत में पैदा होना शर्म की बात होती थी। इन बातों को दुनिया में कोई गंभीरता से नहीं लेता। मजाक का विषय है। असली बात यह कि दुनिया भर में भारत के पढ़े-लिखे लड़के और लड़कियां जो नेहरू के बनाए आईआईटी, एम्स, आईआईएम और दूसरे उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़े थे पहुंच गए। और वहां अपने प्रोफेशनल काम से भारत का नाम ऊंचा किया। आज तो हम इस मानसिक दिवालिएपन का शिकार हो रहे हैं कि देश को इन्डिया नहीं भारत कहें। जैसे भारत कहने से दुनिया मान जाएगी कि मणिपुर में महिलाएं और बच्चे सुरक्षित हैं। वहां सैंकड़ों चर्च नहीं जलाए गए। जिस पार्टी भाजपा की वहां दो-दो सरकारें हैं। केन्द्र और राज्य दोनों की जिन्हें वे गर्व से डबल इंजन कहते हैं उसके मणिपुर से केन्द्र में मंत्री जो विदेशी मामलों के मंत्री हैं आर के रंजन उनका घर दो बार जला दिया। और कहां राजधानी इंफाल में! खुद पार्टी भाजपा का प्रदेश कार्यालय जला दिया गया। प्रदेश पार्टी अध्यक्ष शारदा देवी के घर पर पथराव हुआ। वे कह रही हैं कि मेरा घर जला देगें। ये सब सरकार के लोग कह रहें हैं कि राज्य में कोई कानून व्यवस्था नहीं हैं।

मगर हम हर जगह प्रधानमंत्री विदेश मंत्री के सामने लगी नेम प्लेटों में भारत लिखवाकर ऐसे खुश हो रहे हैं जैसे इससे मणिपुर की खबरें दब जाएंगीं। दुनिया कहेगी टुरिज्म के लिए बेस्ट शांत और सुरक्षित जगह! खासतौर से महिलाओं के लिए!

संसद में जो आज तक नहीं हुआ। वहां खुले आम गालियां दी जा रही हैं। और देने वाले भाजपा सांसद को इनाम दिया जा रहा है। और हम सोच रहे हैं कि अगर नाम भारत हो जाए तो यह खबर कहीं नहीं पहुंचेगी कि भारत में धर्म के आधार पर सत्तारुढ़ पार्टी का सांसद गालियां देता है। और पार्टी उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के बदले उसे राजस्थान के टोंक में जो एक पुरानी नवाबी रियासत रही है वहां का इन्चार्ज बनाकर गाली अभियान को और आगे बढ़ाने के लिए भेज देती है।

अरब देशों से भारत के बहुत अच्छे संबंध हैं। वहां लाखों भारतीय काम करते हैं। बड़ी तादाद में विदेशी मुद्रा यहां भेजते हैं। उन देशों से और मधुर संबंध बनाने के लिए लोकसभा में दी गालियों का अरबी और अंग्रेजी में ट्रांसलेशन सिखा कर इन सांसद महोदय को वहां विशेष दूत बनाकर भेजना चाहिए।

शकील अख्तर

हिन्दू होने का मतलब उदार समावेशी हर प्राणी की चिंता और रक्षा करना है। यही मानवता का सिद्धांत है। हर धर्म का मूल। हिन्दू-मुसलमान-सिख-ईसाई सब का। राहुल ने प्रेम का रास्ता खोल दिया। हिन्दू देश का बहुसंख्यक है। जीत-हार वही तय करता है। राहुल ने उनसे सीधा संवाद किया है। एक हिन्दू होने के नाते अपने धर्म पर बात करना उनका अधिकार है।

तो ऐसे समय में जब सब कुछ वोटों के लिए हो रहा हो। देश की संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं, विदेश में उसके सम्मान किसी की कोई चिन्ता न हो। वोट चुनाव जीतना ही सिद्धांत निष्ठा सब बन जाए तब राहुल का यह लिखना साहस का काम है कि निर्बल की रक्षा का कर्तव्य ही हिन्दू धर्म है। संसार की सबसे असहाय पुकारों को सुनना और उनका समाधान ढूंढना ही उसका धर्म है।

उनके पास चुनाव जीतने का एक ही तरीका है। नफरत और विभाजन की राजनीति। मणिपुर में चर्च जल रहे हैं। ट्रेन में नाम पूछकर ड्यूटी पर सुरक्षा के लिए तैनात सिपाही मुसलमानों को गोली मार रहा है। स्कूल में एक जगह शिक्षिका एक मुसलमान लड़के को दूसरे लड़कों से पिटवाती है। तो दूसरी जगह टीचर लड़कियों को जातिसूचक नाम से पुकार कर रोज उनका अपमान करते हैं। मध्य प्रदेश में एक आदिवासी के सिर पर भाजपा का नेता पेशाब करता है। ऐसी जाने कितनी घटनाएं पिछले साढ़े 9 साल में हुई हैं। मुसलमानों की लिंचिग, दलितों को गुजरात में कपड़े उतार कर खंबे से बांध कर मारना। दलित छात्र रोहित वेमुला को इतना सताना कि उसे होस्टल से बाहर निकलना पड़े और फिर आत्महत्या करना पड़े। कितनी एक से एक अमानवीय घटनाएं हैं। भयावह! पूरे देश को भय के अंधे कुएं में धकेल देने की कोशिश।

इसी के खिलाफ राहुल बोलते हैं। लड़ रहे हैं। और अभी यह लेख लिखा है। भय को पहचानने और उसे जीतने की कोशिश का। सबको साथ लेकर चलने का। सभी धर्मों का सार यही है। राहुल ने इसे हिन्दू धर्म के आइने में लिखा है। और सही है अपने धर्म का सही स्वरूप लोगों को बताना। ऐसे समय में तो बहुत जरूरी है जब धर्म के नाम पर ही राजनीति की जा रही हो। लेकिन जैसा कि इस लेख में राहुल ने लिखा धर्म को कुछ चीजों तक सीमित करना उसका अल्प पाठ होगा।

हिन्दू होने का मतलब उदार समावेशी हर प्राणी की चिंता और रक्षा करना है। यही मानवता का सिद्धांत है। हर धर्म का मूल। हिन्दू-मुसलमान-सिख-ईसाई सब का। राहुल ने प्रेम का रास्ता खोल दिया। हिन्दू देश का बहुसंख्यक है। जीत-हार वही तय करता है। राहुल ने उनसे सीधा संवाद किया है। एक हिन्दू होने के नाते अपने धर्म पर बात करना उनका अधिकार है। देश कल कौन सा रूप लेगा यह हिन्दू ही तय करेंगे। एक तरफ भाजपा है जो धर्म का विकृत रूप पेश करने की कोशिश कर रही है। दूसरी तरफ राहुल हैं जो लिखकर उसका सौन्दर्य उदारता और करूणामयी रूप दिखा रहे हैं।

तय देश को करना है कि वह गांधी के धर्म के रास्ते जिसे राहुल ने बताने की कोशिश की है उस पर चलेगा या गोडसे के रास्ते पर जहां अब गोलियों के बाद गालियां हिंसक भाषा क्रूरता और विभाजन है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

गांधी : युग से आगे तक

■ शैलेन्द्र भाटिया

श्रेयान स्वधर्मो विगुण: परधर्मात्सवनुश्ठितात्।
स्वधर्मे निधनं श्रेय: परधर्मो भयावह:।।

अर्थात ऊंचे परधर्म से नीचा स्वधर्म अच्छा है। स्वधर्म में मौत भी अच्छी है, परधर्म भयावह है। गीता के उक्त श्लोक का उल्लेख बापू गांधी ने अपनी आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग' में करते हुए कहा है कि देशभक्त को देश सेवा के एक भी अंग की यथासम्भव उपेक्षा नहीं करनी चाहिये। गांधी का आविर्भाव एक युग का आविर्भाव है। बचपन में 'श्रवण-पितृभक्ति नाटक' और हरिश्चन्द्र की कथा को आत्मसात करने वाले मोहनदास ने पग-पग प्रयोग किये एवं सत्य को चुनते गये। विलायत में आर्नल्ड का 'गीता जी' का अंग्रेजी अनुवाद पढ़ने वाले मोहनदास को 'गीता' के इस श्लोक ने एक रास्ता दिखाया -

ध्यायतो विशयान्पुंस: संगस्तेशूपजायते
संगात्संजायते काम: कामात्क्रोधो भिजायते।।
क्रोधाद् भवति सम्मोह: सम्मोहत्स्मृतिविभ्रम:।
स्मृतिभ्रंषाद्
बुद्धिनाषो
बुद्धिनाषात्प्रणष्यति।।

सर्वसुलभ, प्राकृतिक समुद्री जल से बने 'नमक' को जो सभी घरों में विद्यमान है, भी एक आन्दोलन का प्रतीक बन सकता है, यह गांधी ही कर सकते थे। एक मुठ्ठी नमक उठा कर नमक कानून तोड़ने की यह घटना सभी भारतीयों को एकसूत्र में बांधने वाली घटना थी। क्या कोई देश बिना रक्त क्रांति के देश में स्वतंत्रता या तानाशाह से मुक्ति पा सकता है? इस यक्ष प्रश्न का हल महात्मा गांधी बन कर उभरे।

अर्थात विषयों का चिन्तन करने वाले पुरुष को उन विषयों में आसक्ति पैदा होती है, फिर आसक्ति से कामना पैदा होती है और कामना से क्रोध पैदा होता है। क्रोध से मूढ़ता पैदा होती है, मूढ़ता से स्मृति का लोप होता है और स्मृति लोप से बुद्धि नष्ट होती है, जिसकी बुद्धि नष्ट हो जाती है, उसका स्वयं का नाश हो जाता है। उपरोक्त दोनों श्लोक गांधी जी के अन्तर्मन में अन्त तक समाया रहा एवं एक पथ प्रदर्शक की तरह कार्य करता रहा। गांधी जी 10 जून सन् 1891 को बैरिस्टर बने थे। मोहनदास सितम्बर सन् 1888 में जब विलायत में बैरिस्टर पढ़ने के लिये रवाना हुए तो उनकी उम्र मात्र 18 वर्ष थी। इस युवावस्था में ही इन्होंने एडविन आर्नल्ड की 'गीता' व 'बुद्धिचरित' पढ़ा, मैडम बलवास्तकी की पुस्तक 'की टू थियोसाफी', बाईबिल (ओल्ड टेस्टामेण्ट एवं न्यू टेस्टामेण्ट) पढ़ी, यहीं पर इन्होंने ईसा के 'गिरि-प्रवचन' की 'गीता' से तुलना की।'' जो तुझसे कुर्ता मांगे, उसे अंगरखा भी दे दे, ' जो तेरे दाहिने गाल पर तमाचा मारे, बायों गाल भी उसके आगे कर दे' के संबंध में पढ़कर ये यहीं आनन्दित हुए। यहीं पर इन्होंने कार्लाइल की 'हीरो एण्ड हीरो वरशिप' पढ़कर पैगम्बर हजरत मौहम्मद के जीवन से अवगत हुये। नास्तिकता व आस्तिकता के बीच द्वंद भी इसी युवावस्था में विलायत रहने के दौरान हुआ। यहीं पर इन्होंने स्तुति, उपासना, प्रार्थना के संबंध में ज्ञान प्राप्त किया। लैटिन व फ्रेंच भाषा के जानकार मोहनदास ने यहीं पर ब्रम का 'कामन-ला', स्नेल की 'इक्विटी', विलियम्स और एडव्रर्ज की 'स्थावर संपत्ति', गुदीप की 'जंगम संपत्ति' और मेडन का 'हिन्दू-ला' पढ़ा। विलायत में बैरिस्टर की शिक्षा ने श्रवण कुमार, हरिश्चन्द्र, रामायण का ज्ञान रखने वाले मोहनदास को जहां विश्व के अनेक धर्मों से रूबरू कराया वहीं आधुनिक कानून की पढ़ाई का समन्वय कराकर एक 'तार्किक' मोहनदास का उदय हुआ। मोहनदास बैरिस्टर बनकर 12 जून सन् 1891 में 'आसाम' जहाज से, भारत के लिए रवाना हुए। अब मोहनदास लौटे तो 22 वर्ष के थे और फिरोजशाह मेहता या बदरूद्दीन तैय्यब जी जैसे कड़क वकील बनना चाहते थे। परन्तु मि. फ्रेडरिक पिंकट ने कुछ व्यवहारिक ज्ञान लेने के लिये और मेलेसन की पुस्तक ' सन् 1857 के गदर की' किताब पढ़ने की सलाह दी। भारत लौटने पर पहला मुकदमा 'ममीबाई' का मिला। मुकदमें लड़ने की हिम्मत न आने व जज के सामने घबराकर मुकदमा छोडकर मेहनताना के 30 रूपये लौटाने वाले मोहनदास देश से अंग्रेजों को भगाने का सबसे बड़ा मुकदमा (आन्दोलन) लड़ेंगे, यह किसी को आभास नही था। मोहनदास पोरबन्दर की एक मेमन फर्म का दक्षिण अफ्रीका के चालीस हजार पौण्ड के दावे का मुकदमा लडने वाले वकील-बैरिस्टर के मदद के लिये दादा अब्दुल्ला के साझी सेठ अब्दुल करीम के प्रस्ताव पर द. अफ्रीका जाने के लिये राजी हुये। यह एक प्रकार की नौकरी थी, बदले में निवास तथा भोजन खर्च के अलावा 105 पौण्ड मिलना था। मोहनदास अप्रैल सन् 1893 में जब द. अफ्रीका गये तो 24 वर्ष के थे, जब लौटे तो 46 वर्ष के थे। 22 वर्ष द. अफ्रीका प्रवास रंगभेद के कड़वे अनुभवों से शुरू हुआ था जो बहुत कुछ भारत में प्रचलित छुआछूत जैसा ही था। नेटाल की राजधानी मेरित्सबर्ग में रेल के प्रथम श्रेणी का टिकट होने के बावजूद भी गोरे-काले के भेद के आधार पर ट्रेन से उतार देने की घटना मोहनदास को अपने अधिकारों के लिये लड़ने की सबसे बड़ी प्रेरक घटना बनी। सन् 1893 के बाद बीच में गांधी जी सन् 1896, सन् 1901 में भारत लौटे थे। भेंट में मिली वस्तुओं व कीमती गहनों को कस्तूरबा से लेकर ट्रस्टियों के हवाले कर बैंक में रखने की घटना एक उल्लेखनीय घटना है। इन्होंने इसे इस धारणा से लौटा दिया था कि कौम की सेवा मैं पैसे लेकर नहीं करता। अपने राजनीतिक गुरू गोपाल कृष्ण गोखले के हस्तक्षेप से कलकत्ता के कांग्रेस अधिवेशन में प्रवेश पाने वाले गांधी आने वाले दिनों में देश के पर्याय बनने वाले हैं, इसका किसी को रंचमात्र भी यकीन नहीं था। गाय-भैंस का दूध त्याग कर केवल बकरी का दूध पीने वाले गांधी, मिट्टी के प्रयोग से पेट का कब्ज दूर करने वाले गांधी, सुबह का ब्रेकफास्ट न करने वाले गांधी, ज्ञान के लिये अनेकोनेक पुस्तकों का अध्ययन करने वाले गांधी अब मोहनदास से बदलकर मि0 गांधी हो चुके थे, वे पहचाने जाने लगे थे। देखने वालों की भीड जमा होनी शुरू हो चुकी थी। द. अफ्रीका अब आन्दोलन की नर्सरी बन चुका था। नये नये प्रयोग गांधीजी शुरू कर चुके थे। गांधी जी का कहना था कि सत्य की शोध के मूल में अहिंसा है। जब तक अहिंसा हाथ में नहीं आती, तब तक सत्य मिल ही नहीं सकता।

'यंग इंडिया', 'नवजीवन' व इण्डियन ओपिनियन जैसे समाचार पत्रों से अपने मौलिक विचार रखकर 'सत्याग्रह' की लड़ाई प्रारम्भ करने वाले गांधी जी कलम की शक्ति व इसके निरंकुशता को भलीभांति जानते थे। रस्किन बाण्ड की पुस्तक 'अण्टू दिस लास्ट' ने ऐसा प्रभाव डाला कि यह 'सर्वोदय' के जन्म का कारण बन गया। गांधीजी सर्वोदय के सिद्धान्त में निम्न को निहित मानते थे-

1. सबकी भलाई में हमारी भलाई निहित है।
2. वकील और नाई के काम की कीमत एक सी होनी चाहिये, क्योंकि आजीविका का अधिकार सबको समान है।
3. सादा मेहनत-मजदूरी का, किसान का जीवन ही सच्चा जीवन है।

भारतीय इतिहास में तीन महत्वपूर्ण वर्ष है, सन् 1757, सन् 1857 एवं सन् 1947। अंग्रेजो ने सन् 1757 से सन् 1947 तक कुल 190 वर्षों तक हिन्दुस्तान पर शासन किये। इन 190 वर्षों में से 158 वर्ष ऐसे समय में राज्य किया था, जब गांधी एक आन्दोलन बन नहीं उभरे थे। जब गोखले के निमंत्रण पर गांधीजी सन् 1915 में हिन्दुस्तान पहुंचे तो यह एक बड़ी और उल्लेखनीय घटना थी। उल्लेखनीय इसलिये कि स्वतंत्रता के लिये नरम-गरम दल अपने-अपने ढंग से लड़ाई लड़ रहे थे, कई क्रान्तिकारी फांसी पर झूल गये थे, तो कई जगह करों को न देने के लिये विद्रोह हो रहा था, पर पूरे देश में स्वतंत्रता के लिये एकल नेतृत्व या अखिल भारतीय नेतृत्व किसी एक नेता को प्राप्त नहीं था। गांधी के आगमन से एक आन्दोलन के लिए एक पृष्ठ भूमि का आधार तैयार होना शुरू हुआ। क्रान्तिकारी विचार के देशभक्तों ने भी गांधीजी के व्यक्तित्व के सामने अपनी स्वीकारोक्ति दी। सन् 1915 से लेकर भारत छोड़ो आन्दोलन सन् 1942 तक 27 वर्षों के आन्दोलन अवधि में गांधी कई रूपों में अवतरित हुए। भारतीयों के मन को टटोलना, आन्दोलन की गति को देखना, आन्दोलन के लिये उचित समय का इंतजार करना, आन्दोलन के लिये ऊर्जा बनाये रखना, आन्दोलन के लिये ऊर्जा की पहचान करना आदि कई ऐसे विशिष्ट गुण थे, जो गांधी जी को अन्य से अद्वितीय बनाते है। आन्दोलन के इस पारखी प्राणी ने पूरे देश को एक कर दिया था। दक्षिण भारत से लेकर उत्तर भारत तक अब एक भारत, एक आवाज, एक आन्दोलन बन गया था। चम्पारन सत्याग्रह, खेडा आन्दोलन, असहयोग आन्दोलन, सविनय अवज्ञा के लिये दाण्डी मार्च, भारत छोड़ो आन्दोलन गांधी जी द्वारा विभिन्न समय काल परिस्थिति में चलाये गये ऐसे आन्दोलन थे, जिसने स्वतंत्रता के लिये मार्ग प्रशस्त किये। सर्वसुलभ, प्राकृतिक समुद्री जल से बने 'नमक' को जो सभी घरों में विद्यमान है, भी एक आन्दोलन का प्रतीक बन सकता है, यह गांधी ही कर सकते थे। एक मुठ्ठी नमक उठा कर नमक कानून तोड़ने की यह घटना सभी भारतीयों को एकसूत्र में बांधने वाली घटना थी। क्या कोई देश बिना रक्त क्रांति के देश में स्वतंत्रता या तानाशाह से मुक्ति पा सकता है? इस यक्ष प्रश्न का हल महात्मा गांधी बन कर उभरे। पूरा विश्व एक नया पाठ पढ़ रहा था कि 'सत्याग्रह' के बल पर अपनी बात मनवाई जा सकती है, शान्तिपूर्वक उपवास रखकर आन्दोलन करने से अपने हक की लड़ाई लड़ी जा सकती है, यह एक क्रान्तिकारी विचार था। क्रांतिकारी इसलिये कि सुविधाहीन कई देशों में 20वीं सदी के प्रारम्भ में स्वतंत्रता की बात वो भी, बिना रक्तपात के सोचना एक आश्चर्य से कम नहीं था। कई देशों में नये चमकने वाले सूर्य की रोशनी का केन्द्र महात्मा गांधी बने। चरखा, खादी, बकरी, गांव, हरिजन, किसान, उपवास, सर्वोदय, अहिंसा, सत्याग्रह आदि शब्दों में पिरोये हुए महात्मा गांधी ने गरिमापूर्ण जीवन जीने एवं दूसरे की गरिमा का सम्मान करने के लिये एक प्रकार का 'कोड ऑफ कन्डॅक्ट' रचा है। आज भारत विश्व में जो कुछ नामों से जाना जाता है, उसमें महात्मा गांधी एक प्रमुख नाम है। मेरे विचार से गौतम बुद्ध के बाद यदि किसी एक भारतीय व्यक्ति को सारा विश्व जानता है, तो वह महात्मा गांधी है। अपने युग से कई युग आगे तक।

(लेखक, विशेष कार्याधिकारी यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण)

जयंती

महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री

सहजता,सरलता और ईमानदारी के पर्याय लाल बहादुर शास्त्री कोटिश: नमन। 2 अक्टूबर को दो महान नेताओं का जन्म हुआ- एक महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री।

आज की भारतीय राजनीति में यह अविश्वसनीय ही लगेगा इस देश में ऐसे ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ और देश के प्रति अपना सर्वस्व त्यागने वाले लाल बहादुर शास्त्री ने अपनी जीत की पूर्ण संभावना के बाद भी यह कहा हो कि- यदि एक व्यक्ति भी मेरे विरोध में हुआ, तो उस स्थिति में प्रधानमंत्री बनना नहीं चाहूंगा', भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ऐसे ही स्वाभिमानी महान राजनेता थे, जिन्होंने पद को नहीं बल्कि देश के हित को सर्वोपरि माना था। 27 मई 1964 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु की मृत्यु के बाद देश को साहस और निर्भीकता से नेतृत्व देने वाले नेता की परम आवश्यकता थी। मोरारजी देसाई तथा जगजीवन राम जैसे नेता सामने आए थे, इस पद की गरिमा और प्रजातांत्रिक मूल्यों को देखते हुए शास्त्री जी ने चुनाव में भाग लेने से इनकार कर दिया था। 2 जून 1964 को कांग्रेस के संसदीय दल ने एक मतेन और सर्वसम्मति से लाल बहादुर शास्त्री को अपना नेता स्वीकार किया और 9 जून 1964 को लाल बहादुर शास्त्री जी को देश के दूसरे प्रधानमंत्री मनोनीत किए गए। 1920 को अपनी पढ़ाई छोड़ कर गांधीजी के असहयोग आंदोलन में भाग लेने के लिए वे स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े, बाद में गांधी जी की प्रेरणा से ही उन्होंने काशी विद्या पीठ में प्रवेश लेकर 1925 में शास्त्री की उपाधि प्राप्त की, और अपने जन्म से चला आ रहा जातिसूचक शब्द 'श्रीवास्तव' हमेशा के लिए हटा लिया तथा अपने नाम के आगे शास्त्री लगा दिया था।

1930 में स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए चलाए जा रहे नमक आंदोलन में हिस्सा लेकर वे जेल चले गए। उनका देश के प्रति समर्पण देखकर उन्हें उत्तर प्रदेश कांग्रेस का महासचिव बनाया गया। स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लेने के लिए देश के इस महान सपूत को बहुत यातनाएं भी झेलनी पड़ी और जीवन काल में कई बार जेल भी गए। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने के कारण उन्हें फिर से जेल भेज दिया गया था। पद और प्रतिष्ठा, लोभ, लालच से सदैव दूर रहने वाले लाल बहादुर शास्त्री जी स्वतंत्रता के बाद अनेक मंत्रालयों के मंत्री पद से सुशोभित भी किया गया, गोविंद वल्लभ पंत के उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के कालखंड में शास्त्री जी को पुलिस मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया और इसी पद में रहते हुए उन्होंने भीड़ को नियंत्रित रखने के लिए लाठी की जगह पानी की बौछार का प्रयोग प्रारंभ करवाया था। 1952 में जवाहरलाल नेहरु जी ने उन्हें केंद्रीय रेल मंत्री नियुक्त किया और 1956 में देश में हुई एक बड़ी रेल दुर्घटना की जिम्मेदारी लेते हुए नैतिक आधार पर अपना त्यागपत्र पेश कर एक मिसाल कायम की, जो आज पर्यंत तक अनुकरणीय है। नेहरू जी के कार्यकाल में वे परिवहन संचार वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भी संभालते रहे। 1961 में उन्हें पंत जी की मृत्यु के बाद गृह मंत्रालय का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। सभी महत्वपूर्ण पदों पर ईमानदारी कर्तव्यनिष्ठा के साथ सभी पदों को सफलतापूर्वक निभाने के कारण शास्त्री जी को 1964 में देश का दूसरा प्रधानमंत्री बनाया गया।

शास्त्री जी कठिन से कठिन परिस्थितियों में सहजता, निर्भीकता, और संपूर्ण धैर्य के साथ सामना करने की अद्भुत क्षमता थी । प्रधानमंत्री के पद में रहते हुए भी सादगी ईमानदारी और निष्ठा की एक अनोखी मिसाल उन्होंने कायम की थी। 1965 में पाकिस्तान ने भारत के साथ युद्ध करने का दुस्साहस दिखाया था तब लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान जय किसान' का नारा देकर भारत के वीर जवानों को राष्ट्र की रक्षा के लिए बहुत ज्यादा उत्साहित किया था, दूसरी तरफ किसानों को अन्न ज्यादा से ज्यादा पैदा करने के लिए ऊर्जा एवं शक्ति प्रदान की थी। 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारत को अभूतपूर्व विजय प्राप्त हुई थी। और देश में अन्न का भंडार भी परिपूर्ण हो गया था।

संजीव ठाकुर

भूल सुधार

1 अक्टूबर 2023 के अंक में साहित्य पेज पर प्रकाशित कहानी 'जीवन से विदा लेती ध्वनि' में भूलवश लेखक का नाम रमेश शर्मा के स्थान पर उमाकांत मालवीय प्रकाशित हो गया है। इसलिए लेखक के नाम को उमाकांत मालवीय के स्थान पर रमेश शर्मा पढ़ा जाए।

आपके पत्र

संसद में बिधूड़ी का नफरत भरा भाषण भाजपा सदस्यों की मानसिकता का प्रतिबिंब

मुसलमानों के खिलाफ घृणास्पद भाषण, जो समाज में व्याप्त हो गया है, अब संसद पर भी प्रवेश कर चुका है। नये संसद भवन में आयोजित विशेष सत्र के आखिरी दिन, दिल्ली से भाजपा संसद सदस्य रमेश बिधूड़ी ने दानिश अली, जो कि बहुजन समाज पार्टी का प्रतिनिधित्व करते हैं, के खिलाफ लोक सभा में बेहद गंदे और भद्दे मुस्लिम विरोधी विशेषणों का इस्तेमाल किया। बिधूड़ी द्वारा बार-बार दानिश अली को निशाना बनाते हुए 'मुल्ला आतंकवादी' और इससे बदतर शब्द कहे गये जो संसद में पहले कभी नहीं सुने गये थे। ऐसी आपत्तिजनक बातें कहते हुए बिधूड़ी के वीडियो को देश भर में हजारों लोगों ने देखा, जिससे व्यापक निराशा और आक्रोश फैल गया है।

सबको उम्मीद यही थी कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और सत्तारूढ़ भाजपा नेतृत्व आपत्तिजनक बातें कहने वाले सदस्य के खिलाफ तुरंत कड़ी कार्रवाई करेंगे। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष की भावनाओं को ठेस पहुंचने पर खेद व्यक्त किया। इसके अलावा, मुस्लिम विरोधी दुर्व्यवहार की कोई निंदा नहीं की गई और न ही दानिश अली से कोई माफ़ी मांगी गई।

लोक सभा अध्यक्ष, जिन्हें बिधूड़ी को सदन से निलंबित करने के लिए त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए थी, उन्होंने खुद को बिधूड़ी को कड़ी चेतावनी देने और यह कहने तक ही सीमित रखा कि इस तरह के व्यवहार की पुनरावृत्ति बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

यह उस तरीके के बिल्कुल विपरीत है जिस तरह से लोकसभा और राज्यसभा दोनों के पीठासीन अधिकारियों ने विपक्षी सदस्यों के साथ व्यवहार किया है जब भी उन्होंने लगातार मुद्दों को उठाने या सरकार से सवाल करने की कोशिश की है। राज्यसभा में आप सांसद संजय सिंह पूरे मानसून सत्र के लिए निलंबित रहे और निलंबन तब तक जारी रहेगा जब तक विशेषाधिकार समिति उनके खिलाफ शिकायत पर फैसला नहीं कर लेती।

पिछले सत्र के दौरान आप के एक अन्य सांसद राघव चड्ढा को भी निलंबित कर दिया गया था। लोकसभा में, आपसदस्य सुशील कुमार राठी को मानसून सत्र के शेष भाग के लिए निलंबित कर दिया गया, जबकि लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी को विशेषाधिकार समिति की बैठक होने और उनकी सिफारिश करने तक निलंबित कर दिया गया।

बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाले दानिश अली के पत्र का स्पीकर ने कोई जवाब नहीं दिया है। भाजपा ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय, भाजपा को उनका बचाव करने की अधिक चिंता है। निशिकांत दुबे जैसे भाजपा सांसदों ने स्पीकर को पत्र भेजकर आरोप लगाया है कि यह दानिश अली ही थे जिन्होंने प्रधानमंत्री के खिलाफ 'अशोभनीय' टिप्पणी करके बिधूड़ी को उकसाया था। बिधूड़ी के खिलाफ संसद में सख्त कार्रवाई करने में विफलता ने संसदीय संस्था को अपमानित किया है और सत्तारूढ़ दल द्वारा पोषित इस्लामोफोबिया की वैधता की मुहर लगा दी है। इससे पता चलता है कि बिधूड़ी का नफरत भरा भाषण भाजपा की समग्र मानसिकता का हिस्सा है।

पी.सुधीर

देशबन्धु
संस्कारधानी
5 बिलासपुर

सोमवार 2 अक्टूबर 2023

उल्टा पुल्टा

ठीचर-संजू एक स्टोरी सुनाओ!
संजू -मैने उसको फोन किया वो सो रही थी! फिर उसने मुझे फोन किया मैं सो रहा था!
मॉरल- जैसी करनी वैसी भरनी!!

अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ जन दिवस के अवसर पर जिले के 1000 बुजुर्गों का सम्मान

विधायक शैलेश पांडे ने वरिष्ठ जनों के पैर धोकर लिया आशीर्वाद, कहा-वरिष्ठ जन हमारी धरोहर ,उनकी सेवा ही ईश्वर की सेवा है

बिलासपुर,1 अक्टूबर (देशबन्धु)। अंतराष्ट्रीय वरिष्ठजन दिवस के अवसर पर समाज कल्याण विभाग के द्वारा जिले के 1000 से अधिक वरिष्ठ जनों का सम्मान किया गया । इस अवसर पर विधायक शैलेश पांडे ने वरिष्ठ जनों के पैर धोकर उनसे आशीर्वाद लिया तथा पुष्पमाला शाल श्रीफल से उनका सम्मान भी किया । जिले के सभी वरिष्ठ जनों का सम्मान करते हुए विधायक शैलेश पांडे ने कहा कि वरिष्ठ जनों का अनुभव हमारी संपत्ति है।

श्री पांडेय ने कहा वरिष्ठ जन हमारी धरोहर हैं। । जरूरत इस बात की है कि वरिष्ठ जनों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होना चाहिए यही हमारा संकल्प होना चाहिए।

विधायक शैलेश पांडे ने आज बुजुर्गों को सम्मानित करते हुए कहा कि बुजुर्गों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। अपने माता-पिता तुल्य बुजुर्गों की सेवा करने से सुखद अनुभूति होती है ।आज पंडित देवकीनंदन दीक्षित स्कूल में आयोजित वरिष्ठ जनों के सम्मान सम्मान समारोह में विधायक शैलेश पांडे ने कहा कि उनके माता-पिता भी 90 तथा 84 वर्ष के हैं वे मुझसे दूर है लेकिन आज यहां बुजुर्गों के की सेवा करने उन्हें ऐसा लग रहा है जैसे अपने माता-पिता की सेवा कर रहे हैं। राज्य शासन तो अपनी तरफ से बुजुर्गों के लिए योजनाएं बनाई है लेकिन बुजुर्गों को इलाज की दिक्कत होती है शारीरिक समस्या भी होती है हम इन्हें मदद करके पूर्ण का भागीदार बनना चाहिए आज विधायक शैलेश पांडे ने शहर के वरिष्ठ जन चंद्रप्रकाश देवरस, विद्या गोवर्धन, मोहन देव कुमार, किशोर भुरगी, प्रदीप अग्रवाल, अशोक ठाकरे, अरविंद दीक्षित ,अरविंद दिवाकर ,अनुराग वर्मा ,रमेश अग्रवाल समेत अनेक वरिष्ठ जनों के पैर धोकर उनसे आशीर्वाद लिए तथा उनका सम्मान भी किया। इस अवसर पर सदस्य पूजा खनूजा, योग आयोग के सदस्य रविंद्र सिंह ठाकुर एल्डरमैन भारत कश्यप ,भास्कर यादव, समाज कल्याण विभाग की सहायक संचालक श्रद्धा मैथ्यू भी मौजूद थी। सहायक संचालक श्रद्धा मैथ्यू ने बताया कि जिले के 1000 वरिष्ठ जनों का सम्मान आज अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध जन्म दिवस पर किया जा रहा है । उन्होंने वरिष्ठ जनों के लिए राज्य शासन की योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर व गीत संगीत के कार्यक्रम भी हुए कार्यक्रम का संचालन प्रशांत मोकासे ने किया तथा आभार प्रदर्शन एपी जगत ने किया ।

संपादकीय

विसर्जन के बाद सफाई भी ज़रूरी

देश भर के विभिन्न शहरों, कस्बों एवं गांवों में 1` दिनों तक विराजमान रहने के बाद जन-जन के आराध्य और लोकप्रिय गणेश महाराज को कुछ आगे-पीछे शनिवार-रविवार तक विसर्जित कर दिया गया। छत्तीसगढ़ में भी गणपति प्रतिमाओं को जगह-जगह स्थापित किया गया था। शायद ही कोई ऐसा चौक-चौराहा या मैदान रहा होगा जहां लोगों ने उत्साहपूर्वक गणेश चतुर्थी से लेकर अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव के आयोजन न किये हों। इसके अलावा घरों में बैठाये जाने वाली मूर्तियों की संख्या तो अनगिनत होती है। हर साल का यही नज़ारा होता है। धार्मिक त्यौहार भारतीय लोकजीवन का अभिन्न हिस्सा हैं जिससे सभी लोगों के बीच उत्साह का संचार होता है। यह सामाजिक मेलमिलाप का भी अवसर होता है इसलिये इस पर्व में लाखों लोगों का जुड़ाव होता है।

सैकड़ों जगहों पर उनके पूजन-अर्चन के बाद राज्य भर की नदियों-तालाबों में उनका विसर्जन किया जाता है। प्रतिमाओं का निर्माण अनेक तरह के रसायनिक पदार्थों, प्लास्टिक, कागज आदि से होता है। मूल ढांचा बेशक मिट्टी का होता है लेकिन उन पर लगने वाले अनेक तरह के रंग विभिन्न रसायनों से बने हुए घोल होते हैं। ज्यादातर मूर्तियां सार्वजनिक इस्तेमाल के जल भंडारों में विसर्जित होती हैं। इसके कारण क्या नुकसान होते हैं, इसके बारे में अनेक बार लोगों को आगाह किया जाता है। पर्यावरण वैज्ञानिक भी बार-बार कहते रहे हैं कि पर्यावरण के अनुकूल सामग्रियों से प्रतिमाएं बनाई जानी चाहिये। पानी व मिट्टी को होने वाले नुकसान से तो सभी वाकिफ़ हैं लेकिन फिलहाल प्रशासन या लोगों के पास इसका कोई विकल्प नहीं है। कुछ लोग पूरी तरह से मिट्टी के बने गणेश बैठा रहे हैं जिनका कोई नुकसान नहीं होता। कहीं-कहीं घरों में ही कृत्रिम कुंड बनाकर या फिर बाल्टियों आदि में गणेश जी का विसर्जन करने की प्रशंसनीय पहल की जा रही है लेकिन ऐसे लोगों की तादाद बहुत कम है। लोग सार्वजनिक औत्सविकता का आनंद लेने के लिये रंग-बिरंगी मूर्तियां स्थापित करते हैं। उनका विसर्जन भी जहां समुद्र हैं वहां उनमें या नदी-तालाबों में विसर्जन किया जाता है।

हर साल मूर्तियों की संख्या बढ़ती जा रही है जिसके कारण विसर्जन द्वारा पानी में अधिक प्रदूषण होता जा रहा है। पानी के दूषित होने के अलावा इसके दुष्परिणाम जल के भीतर रहने वाले जीव-जंतुओं और उस पानी का उपयोग करने वालों पर भी होता है। मवेशी भी वही जल पीते हैं। साथ ही, नदी, तालाबों के किनारे उगने वाली वनस्पतियों पर भी प्रतिकूल असर होता है। इसे देखते हुए लोगों को पर्यावरण के अनुकूल मूर्तियों की स्थापना हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिये। कोशिश यह भी हो कि जिन सामग्रियों से जल व मिट्टी पर असर होता हो, उन्हें पहले ही निकालकर रख लिया जाये। विसर्जन के बाद नदी, तालाबों की सफाई भी होनी चाहिये।

सार-संक्षेप

बिल्हा नगर पंचायत के सभी वार्डों में स्वच्छता श्रमदान किया गया

बिलासपुर,1 अक्टूबर (देशबन्धु)। स्वच्छता जनजागरूकता कार्यक्रम मुख्य रूप से नगर पंचायत कार्यालय मंडी परिसर, शनिचरी बाजार, पौनी पसारी, राम सप्ताह चौक, हटरी चौक, पीपल चौक ,देवतालाब ,मुक्तिधाम आदि की सफाई की गई और लोगों को स्वच्छता के स्वच्छता के संबंध जागरूक किया गया। स्वच्छता रैली और स्वच्छता कार्यक्रम में नगर पंचायत बिल्हा के जनप्रतिनिधि अध्यक्ष, पाषर्दगण, एल्डरमेनगण,राजीव युवा मितान क्लब, एरिया लेबल फेडरेशन के सदस्य,विभिन्न महिला स्वयं सहायता समूह सदस्य, नगर पंचायत के स्वच्छता दीदी, नगर स्वच्छता कमी?, समस्त आफिस कर्मचारी, मुख्य नगर पालिकाअधिकारी, उप अभियंता और एपीएम एवं पीआईयू उपस्थित रहे।

शहर, ज़िला कांग्रेस कमेटी ने में पूर्व सांसद स्व. परसराम भारद्वाज की जयंती मनाई

बिलासपुर,1 अक्टूबर (देशबन्धु)। शहर ज़िला कांग्रेस कमेटी ने आज सुबह कांग्रेस भवन में पूर्व सांसद स्व परसराम भारद्वाज की जयंती मनाई और उनकी छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया। इस असवर पर संयोजक ज़फ़र अली ,एसएल रात्रे ने कहा कि स्व परसराम भारद्वाज का जन्म एक मध्यम परिवार में हुआ ,उनकी प्रारम्भिक शिक्षा के बाद सरकारी स्कूल में स्पोर्ट्स टीचर बन गए किन्तु समाज सेवा की ललक ने उन्हें राजनीति में ले आया , सरकारी नौकरी छोड़ने के बाद विद्याचरण शुक्ल के सम्पर्क में और 1980 में सारँगगढ़ लोकसभा से सांसद चुने गए जो लगातार छ: बार 1998 तक निर्वाचित होते रहे , उनके संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बनाया ,जिसका उन्होंने बखूबी निर्वहन किया , महानदी में बड़ा पुल का निर्माण कराए जिससे रायगढ़ ज़िला और रायपुर ज़िला का बिलासपुर से सम्पर्क दूरी कम हो गई ,जो व्यापार और आवागमन की दृष्टि बहुत लाभदायक सिद्ध हुआ ,उन्होंने पिछड़े वर्ग, एससी वर्ग, एसटी वर्ग के विकास के लिए शिक्षा,स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक काम किये , स्व परसराम भारद्वाज अनुसूचित जाति का बड़ा नाम था ,उनका असमय निधन से क्षेत्र और छत्तीसगढ़ की बड़ी क्षति हुई। कार्यक्रम में संयोजक ज़फ़र अली, एसएल रात्रे, विनोद साहू,ब्रजेश साहू,सुभाष ठाकुर, वीरेंद्र सारथी, राजेश शर्मा,गणेश रजक,दिनेश सूर्यवँशी, मनोज सिंह,हेरि डेनिएल,चन्द्रहास केशरवानी, दीपक रेचलवार,सूर्यकांत साहू,अशोक सत्यार्थी, किशन साहू आदि उपस्थित थे।

गाय,बछड़ों को शेड विहीन करने वाले निगम अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

प्रेस क्लब में पहुंचकर प्रशासन से की गई अपील

बिलासपुर, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। विगत दिनों शांति नगर निवासी राजेश तिवारी की स्वयं की भूमि पर निर्मित गौशाला पर नगर निगम ने किसी व्यक्ति विशेष की शिकायत पर बुलडोजर चलवा दिया। श्री तिवारी के मुताबिक शिकायतकर्ता उनका पड़ोसी है जिन्हे गोबर की बदबू आती है।निगम द्वारा की गई करवाई से परेशान होकर श्री तिवारी ने रविवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों से चर्चा कर अपनी आपबीती बताई और निगम अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कार्रवाई को शर्मनाक बताया है।उन्होंने कहा कि बिलासपुर नगर निगम द्वारा की गई इस कार्यवाही से गौ माता व उसके बछड़े की सुरक्षा भगवान भरोसे हो गई है।धूप बरसात से भी बचाव हेतु बनाये गये शेड को

तोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि किसी वस्तु अथवा प्राणी के होने से आस पास के रहवासियो को अगर दिक्कत अथवा परेशानी हो रही थी तो प्रशासन के द्वार उसे किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट किया जा सकता था। परन्तु इस मामले मे नगर निगम के द्वारा की गई कार्यवाही पर कई बड़े सवाल खड़े होते है। पिछले 20 दिनों से गाय व बछड़ा दोनो ही खुले आसमान के नीचे नगर निगम की कार्यवाही के कारण बरसात व धूप की यातना झेल रहे है। इस मुद्दे पर

बजरंग दल व विश्वहिंदु परिषद के कार्यकर्ताओ ने नगर निगम कमीशनर का पुतला दहन करते हुए विरोध प्रदर्शन के साथ ही कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा था। एक सप्ताह मे उचित कार्यवाही नहीं होने पर एक बड़े आंदोलन का भी अल्टीमेंटम भी दिया था,उसके बाद भी कोई कार्यवाही न होना समझ से परे है। मजबूर होकर प्रार्थी ने पत्रकारों के माध्यम से एक बार पुन: कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई है।

दयालबंद स्कूल में स्वच्छता अभियान के साथ किया पौधारोपण

बिलासपुर,1 अक्टूबर (देशबन्धु)। स्वच्छता अभियान पखवाड़ा के प्रथम दिन को स्वामी आत्मानंद शासकीय बहुद्देशीय हायर सेकेण्डरी स्कूल दयालबंद बिलासपुर में ए एफ हाशमी, प्रभारी प्राचार्य के निर्देशन में पूरे स्टॉफ एवं छात्र,छात्राओं के द्वारा स्कूल मे स्वच्छता अभियान की शुरुवात करते हुए साफ सफाई किया गया। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत शुद्ध और स्वच्छ वायु हेतु पीपल के पौधा रोपण किया गया। इस दौरान ए एफ हाशमी, डॉ रश्मि तिवारी, अरविंद पांडे, आकाश वर्मा एव 12 वी के छात्र आयुष निषाद, शान जेहरा रिजवी, मनीषा देवांगन और संजना प्रजापति का योगदान रहा।

जेपी हाईट्स विकास समिति के ललित अग्रवाल पुनः अध्यक्ष निर्वाचित

बिलासपुर,1 अक्टूबर (देशबन्धु)। जे पी हाईट्स विकास समिति, शुभमविहार के अध्यक्ष के रूप में ललित अग्रवाल सर्वसम्मति से पुन: निर्वाचित घोषित किये गए है। निर्वाचन अधिकारी राजेश वर्मा व प्रो आर के पांडेय ने एक माह की सूचना देकर निर्वाचन प्रक्रिया शुरू की थी। आज जे पी हाईट्स विकास समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से पुन: ललित अग्रवाल को आगामी टर्म के लिए समिति अध्यक्ष, मोहन अग्रवाल, सचिव व श्री संतोष अग्रवाल कोषाध्यक्ष बनाये गए हैं। समिति के अन्य पदाधिकारियों की सूची संलग्न हैं। श्री अग्रवाल ने निर्वाचन मंडल व समस्त सदस्यों को पुन: विश्वास प्रकट करने हेतु धन्यवाद देते हुए समिति के विकास हेतु शीघ्र उचित कदम उठाने का निर्णय लिया है।

कोरमी में हुए कत्ल की गुत्थी सुलझी

गाली गलौच और विवाद से परेशान साथी ने उतारा था मौत के घाट

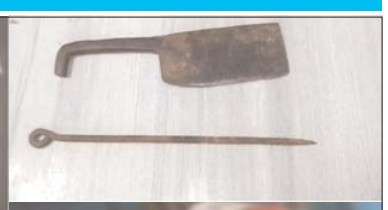

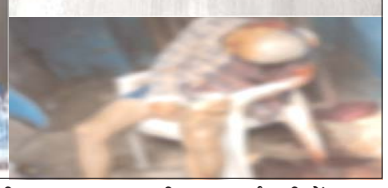

बिलासपुर,1 अक्टूबर (देशबन्धु)। जिले के सिरगिट्टी थाना क्षेत्र के कोरमी में बीते 25-26 सितंबर की रात सुखनंदन धुरी की हत्या हुई थी जिसकी लाश उसके घर में ही कुर्सी में बैठे हुए हालत में मिली थी जिसके सिर में किसी धारदार हथियार से हमला कर हत्या की गई थी। मामले में सिरगिट्टी पुलिस मौके पर पहुँच अपनी जांच में जुट गई थी।

मृतक के मौत के संबंध मे मृतक के परिजन व गवाहों का बयान ले कर संदेहियों को चिन्हांकित कर हिरासत में लेकर पूछताछ की गयी पूछताछ के दौरान संदेहियों और परिजनों के कथन से और मुखबीर की सूचना पर संकलित साक्ष्य के आधार पर संदेही ओमप्रकाश मरकाम को हिरासत मे मनोवैज्ञानिक पूछताछ की गयी जो मृतक सुखनदंन धुरी को आये दिन शराब के नशे मे परिवार को गाली गलौच व वाद विवाद करता रहता था

जिससे परेशान होकर हत्या करना स्वीकार किया। प्रकरण के आरोपी कब्जे से घटना मे उपयोग किये गये लोहे का चापड, नुकीलानुमा रॉड व घटना के समय पहने हुये खून लगे शर्ट व पेन्ट को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

प्रकरण की उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सिरगिटटी निरीक्षक नवीन कुमार देवांगन, सउनि शीतला प्रसाद त्रिपाठी, प्र.आर. शोभित केवट आरक्षक केशव मार्को, विरेन्द्र राजपूत, विरेन्द्र साहू एवं अभिजीत डाहिरे की अहम भूमिका रही।

नियमों का उल्लंघन करने वाले डीजे संचालकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई

बैठक लेकर प्रशासन ने दी चेतावनी, नगर निगम एवं एसडीएम कार्यालय में कराना होगा पंजीयन

बिलासपुर, 1 अक्टूबर(देशबन्धु) ।जिले में मनाये जाने वाले विभिन्न पर्वों एवं उत्सवों को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाये जाने हेतु आर.ए. कुरुवंशी, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बिलासपुर की अध्यक्षता में दिनांक 01 अक्टूबर को जिला कार्यालय के मंथन सभा कक्ष में सवेरे 11 बजे ध्वनि विस्तारक यंत्र के संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त कुणाल दुदावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र जायसवाल, एसडीएम सुभाष राज सहित शहर के डी.जे. संचालक उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि समस्त डीजे संचालकों को ध्वनि प्रदुषण (विनिमय और नियंत्रण) नियम 2000, कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 एवं मान. सुप्रीम कोर्ट एवं मान हाई कोर्ट के द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देशों, मापदण्डों एवं गाइडलाइनों का अक्षरश: पालन करना होगा।न्यायालय, शैक्षणिक संस्थान,

सार्वजनिक स्थल जैसे कि आडिटोरियम, होटल, जन प्रतिक्षालय, सभा केन्द्र, लोक कार्यालय, सापिंग मॉल, सिनेमा हॉल, पुस्तकालय खुला मैदान, अस्पताल, लाईब्रेरी एवं शासकीय आवासो में किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग वर्जित किया गया है। सभी ध्वनि विस्तारक यंत्रों के संचालक 15 दिनों के भीतर नगर पालिक निगम बिलासपुर में अपना पंजीयन करायेंगे ।ग्रामीण क्षेत्रों में डी.जे. संचालक अपना पंजीयन अनुविभागीय अधिकारी / अनुविभागीय दण्डाधिकारी के कार्यालय में करादेगे । समस्त पर्वों, सांस्कृतिक, मनोरंजक कार्यक्रमों अन्य प्रकार के उत्सव के दौरान डी.जे. संचालक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग अनुविभागीय दंडाधिकारी से अनुमति प्राप्त करने के पश्चात ही करेंगे बिना अनुमति प्राप्त किये ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग करने वालो के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। रात्रि को 10 बजे से प्रात: 6 बजे के मध्य ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाना पूर्णत: प्रतिबंधित है।

ध्वनि के संबंध में परिवेशी वायु क्वालिटी मानक निर्धारित किया गया है। जिसके अनुसार ओद्योगिक क्षेत्र में दिन के समय 75 डीबी और रात में 70 डीबी, वाणिज्य क्षेत्र में दिन में 65 और रात में 55 डीबी, आवासीय क्षेत्र में दिन में 55 और रात में 45 डीबी तथा शांत क्षेत्र में दिन में 50 और रात में 40 की लिमिट में होने चाहिए। डी. जे. का उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित है। किसी भी वाहन में यदि मोडिफिकेशन किया जाता है, तो उसकी नियमानुसार अनुमति संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी / अनुविभागीय दण्डाधिकारी या क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी से ली जानी आवश्यक है।

मानक स्तर से अधिक उंची आवाज में यदि ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाया जाता उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जावेगी, जिसके लिए आयोजक एवं डी.जे. जिम्मेदार होंगे। मानक स्तर से अधिक आवाज में ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाये जाने की अनुविभागीय दण्डाधिकारी, तहसीलदार, पुलिस निरीक्षक, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी की टीम इनके खिलाफ कार्रवाई करेगी।

ट्रेलर की टक्कर से बोलेरो के परखच्चे उड़े, दो भाईयों की मौत

कोरबा, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। जिले के कटघोरा-अम्बिकापुर नेशनल हाईवे क्रमांक 130 में तानाखार स्थित पेट्रोल पंप के पास शनिवार रात हुए दर्दनाक हादसे में दो भाईयों की मौत हो गई। ट्रेलर से भिड़ंत में बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। ट्रेलर की चपेट में आकर एक मवेशी की भी मौत हुई है। घटना वजह सडक़ पर मवेशियों को बताया जा रहा है जिसे बचाने के चक्कर में हादसा हो गया।

जानकारी के अनुसार बोलेरो में सवार होकर भरतपुर के जनकपुर से दोनों भाई ज्ञान दुबे व रितेश दुबे अपने पिता को लेने के लिए बिलासपुर जा रहे थे कि हादसा हो गया। बोलेरो पूरी तरह पिचक जाने के कारण चालक का शव फंसा रहा। डायल 112 व एम्बुलेंस की टीम ने इन्हें काफी कोशिश कर बाहर निकाला। सूचना बाद कटघोरा

पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। हादसे की जानकारी मृतकों के परिजनों को दे दी गई है। परिजन कोरबा पहुंचे और आवश्यक वैधानिक कार्यवाही तथा पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों के सुपुर्द किया गया। हादसे में एक साथ 2 भाईयों की मौत से दुबे परिवार सहित परिजनों व शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ पड़ी।

सार-संक्षेप

किसानों को पट्टा और अधिग्रहित जमीन लौटाने कलेक्ट्रेट का घेराव

कोरबा, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ किसान सभा तथा भू-विस्थापित रोजगार एकता संघ ने एसईसीएल के क्षेत्र में काबिज भू-विस्थापितों को पट्टा देने, पूर्व में अधिग्रहित भूमि मूल खातेदार किसानों को वापस करने, लंबित रोजगार प्रकरणों, पुनर्वास एवं खनन प्रभावित गांवों की समस्याओं के निराकरण के साथ 14 सूत्रीय मांगो को लेकर 3 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट घेराव के साथ घेरा डालो-डेरा डालो आंदोलन की घोषणा की है।जिला प्रशासन और एसईसीएल के आश्वाशन से थके भू विस्थापितों ने किसान सभा के नेतृत्व में अब आर-पार की लड़ाई लडऩे का मन बना लिया है। घेराव को सफल बनाने की तैयारी को लेकर गांव-गांव में पर्चे वितरण और बैठक कर भू विस्थापितों को एकजुट किया जा रहा है। किसान सभा के जिलाध्यक्ष जवाहर सिंह कंवर,दीपक साहू,जय कौशिक, भू विस्थापित संघ के नेता रेशम यादव,दामोदर श्याम,रघु यादव ने आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है। इन्होंने बताया कि कलेक्ट्रेट घेराव आंदोलन को भू-विस्थापितों के साथ आम जनता का भी व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है।

माकपा के जिला सचिव प्रशांत झा ने बताया कि जिला प्रशासन की मदद से एसईसीएल द्वारा कुसमुंडा, गेवरा, कोरबा, दीपका क्षेत्र में कई गांवों का अधिग्रहण के बाद जिन जमीनों पर 40 सालों में भी कोल इंडिया ने भौतिक कब्जा नहीं किया है और मूल किसान ही पीढिय़ों से काबिज हैं, उन्हें किसानों को वापस किया जाना चाहिए। जब किसानों की जबरन अधिग्रहित भूमि पर काबिज लोगों को पट्टे दिए जा रहे हैं, तो पुनर्वास गांवों के हजारों भू-विस्थापित किसानों को पट्टों से वंचित रखना समझ के परे है। कुसमुंडा में जमीन के बदले रोजगार की मांग को लेकर 699 दिनों से धरना प्रदर्शन चल रहा है लेकिन भू-विस्थापितों की समस्याओं के निराकरण के प्रति कोई भी गंभीर नहीं है।

'स्वच्छता ही सेवा' के तहत एनटीपीसी ने चलाया स्वच्छता अभियान

कोरबा-जमनीपाली, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। एनटीपीसी द्वारा भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन के तहत 1 से 15 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा हैं। स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ करते हुए परियोजना प्रमुख बी रामचंद्र राव ने स्वच्छता की शपथ दिलाई। टाउनशिप के सब्जी मंडी में अंदर और बाहर साफ सफाई की गई। अभियान का नेतृत्व श्री राव ने किया। इस अवसर पर मधु एस, महाप्रबंधक (ओ एंड एम), सोमनाथ भट्टाचार्य, महाप्रबंधक (प्रचलन), मनीष वी. साठे, महाप्रबंधक (ऐश डाइक), प्रभात राम, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारीगण, यूनियन और एसोसिएशन के सदस्य एवं एनटीपीसी कोरबा टीम और सीआईएसएफ की टीम मौजूद रहे। पखवाड़ा के दौरान एनटीपीसी में विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

केन्द्रीय विद्यालय में स्वच्छता ही सेवा का आयोजन

कोरबा, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-4, चोरभट्टी, गोपालपुर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। विद्यालय परिसर, ऋतुराज ढाबा, बस स्टैंड, इंडियन ऑयल कोर्पोरेशन के सामने, मुख्य सडक़ मार्ग, मंदिर परिसर तथा बस्ती में साफ-सफाई की गई। स्वच्छता रैली के माध्यम से आम जनता को जागरुक किया गया। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती संध्या लकड़ा के निर्देशानुसार श्रीमती एस्तर कुमार एवं श्रीमती माया गुप्ता के प्रभार में अभियान संपन्न हुआ। इंडियन ऑयल कोर्पोरेशन के प्रमुख सुरेश बाबू कुरंगे भी सम्मिलित रहे। आईओसीएल के अधिकारी विनय कुमार गुप्ता ने केन्द्रीय विद्यालय के प्रयास को सराहा।

मदनपुर के विद्यार्थियों ने किया श्रमदान

कोरबा-कटघोरा, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय मदनपुर रजकम्मा में प्राचार्य राजीव जोगी के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं ने शाला परिसर एवं आसपास की साफ सफाई में भागीदारी निभाई। व्याख्याता विनोद जायसवाल ने कहा कि महापुरुषों के महान कार्यो को अपना कर, उनके आदर्शों को अनुशरण कर हम स्वस्थ और स्वच्छ समाज का निर्माण कर सकते हैं। पुष्पक साहू ने स्टाफ एवं छात्रों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। कुमुदिनी राम, कमलेश्वरी साहू और कल्पना कुजुर के नेतृत्व में छात्राओं ने कचरे का उन्मूलन किया। शाला नायक प्रियांशु खांडे के साथ छात्रों की टीम ने श्रमदान से हैण्डपम्प के आसपास झाडिय़ों को साफ किया। सुरक्षा घेरे के टूट-फूट की मरम्मत करते हुए गड्ढों को भरा गया, जिससे मैदान में अनावश्यक पानी का फैलाव रुक गया। कार्यक्रम में भोला अहीर सहित पालकों की सहभागिता रही।

कन्या महाविद्यालय में स्वच्छता व मतदान पर जागरूकता रैली

कोरबा, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता एवं स्वच्छता ही सेवा है थीम पर रैली निकाली गई। रैली की समाप्ति के बाद प्राचार्य एवं एनएसएस के संरक्षक डॉ. राजेंद्र सिंह के द्वारा स्वच्छता शपथ और मतदाता जागरूकता शपथ स्वयं सेवकों को दिलाई गई। शपथ के बाद स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर के खेल मैदान की साफ सफाई की। रैली का संचालन महाविद्यालय की एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. डेजी कुजूर एवं स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. विनोद कुमार साहू के द्वारा किया गया।

निगम के उद्यानों में की गई साफ-सफाई

कोरबा, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। नगर पालिक निगम में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक '' स्वच्छता ही सेवा '' पखवाड़ा का आयोजन किया गया, जिसके तहत विभिन्न स्वच्छता गतिविधियाँ, स्वच्छता सुरक्षा कार्यक्रम, स्वच्छता की शपथ, पेंटिंग, क्विज आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये। निगम क्षेत्र के 53 स्थानों कोरबा शहर के 3 चौक-चौराहों, 5 शमसानघाटों व मुक्तिधामों, 6 मंदिर एवं ईदगाह, 9 स्कूलों, 5 आंगनबाड़ी, 2 बस स्टैण्ड आदि स्थानों में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं एवं आमनागरिकों के सहयोग से श्रमदान कर साफ-सफाई के कार्य कर स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्मृति उद्यान, चौपाटी, सियान सदन में आयोजित श्रमदान में महापौर राजकिशोर प्रसाद, सभापति श्यामसुंदर सोनी, मेयर इन काउंसिल सदस्य प्रदीप जायसवाल, पार्षद शैलेन्द्र सिंह पप्पी, अपर आयुक्त खजांची कुम्हार, उपायुक्त बी.पी.त्रिवेदी, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, सुनील वर्मा, विपिन मिश्रा, श्री सूर्यवंशी, धनमोहन रात्रे, स्वच्छता कमाण्डो, मिशन क्लीन सिटी सुपरवाईजर, बालको सेवानिवृत्त समिति, यूथ हॉस्टल ऐसोसिएशन केरबा, चौपाटी व्यापारी समिति, महिला मैत्री संघ के साथ ही सभी सफाई कर्मियों ने श्रमदान कर अपना सम्पूर्ण सहयोग अभियान में रहा।

एक घंटे साफ-सफाई करने उमड़ पड़े आम और खास

चौतरफा सार्थक दिखा स्वच्छता ही सेवा का मूलमंत्र

कोरबा, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती से एक दिन पहले स्वच्छता ही सेवा एक तारीख-एक घंटा अभियान के अंतर्गत रविवार को जिले में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और आमनागरिकों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से गलियों, चौक-चौराहों पर झाड़ू, घमेला, फावड़ा आदि लेकर कचरे सहित गंदगी की सफाई करने के लिए आम और खास उमड़ पड़े। एक अलग सा ही नजारा स्वच्छता के प्रति देखने को मिला।

शहर में सभी वार्डों में यह विशेष अभियान चलाया गया। नगर पालिक निगम अंतर्गत वार्ड क्रमांक 21 स्मृति वन में महापौर राजकिशोर प्रसाद, सभापति श्याम सुंदर सोनी सहित वरिष्ठ नागरिक, आमजन और अधिकारियों ने झाड़ू से कचरों की सफाई की। महापौर कहा कि महात्मा गांधी ने स्वच्छता को अपनाने के साथ स्वच्छ भारत की कल्पना की थी। सभी नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहना चाहिए और श्रमदान कर अपने परिसर को स्वच्छ बनाने में भागीदारी देना चाहिए। अपर आयुक्त खजांची कुम्हार ने बताया कि शहर के चौक-चौराहों, श्मशानघाटों व मुक्तिधामों, मंदिर एवं ईदगाह, स्कूलों, आंगनबाड़ी, बस स्टैण्ड आदि स्थानों में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं एवं आमनागरिकों ने सफाई की। अभियान में स्वच्छता कमाण्डो, मिशन क्लीन सिटी सुपरवाईजर, बालको सेवानिवृत्त समिति, यूथ हॉस्टल ऐसोसिएशन, चौपाटी व्यापारी समिति, महिला मैत्री संघ के साथ ही सभी सफाई कर्मियों ने श्रमदान किया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वच्छता ही सेवा अंतर्गत श्रमदान कर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों द्वारा अपनी भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। कलेक्टर सौरभ कुमार ने सभी आमनागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छता को अपनाने के साथ स्वस्थ रहने के लिए अपने आसपास को साफ सुथरा रखे। ग्रामीण इलाकों में जनप्रतिनिधियों सहित ग्रामीणों ने स्वस्फूर्त गाँव में सफाई अभियान चलाया।

स्वास्थ्य केंद्रों में भी चला अभियान

जिले में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जन्म दिवस से एक दिन पूर्व 1 अक्टूबर को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, मेडिकल कॉलेज, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, उप स्वास्थ्य केन्द्रों तथा शहरी स्वास्थ्य केन्द्रों में स्वच्छता अभियान के तहत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रियता से सम्मिलित होकर कार्यालय, चिकित्सालय तथा चिकित्सालय परिसर की साफ-सफाई हेतु श्रमदान किया गया।

खरीदारी करने आया व्यापारी घर नहीं लौटा, दोपहर एक होटल में मिला

कोरबा, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। सामानों की खरीदारी करने के लिए कोरबा शहर आया एक इलेक्ट्रॉनिक सामानों का व्यापारी देर रात तक घर नहीं लौटा। इससे परिजनों और परिचित व्यापारियों में चिंता व्याप्त रही और उसकी तलाश रात से लेकर आज दोपहर तक होती रही। अंततः नाटकीय घटनाक्रम में व्यापारी शहर के एक होटल में मिला जिसे परिजन अपने साथ ले गए।

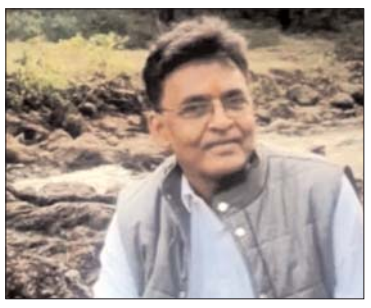

जानकारी के अनुसार कुसमुंडा थाना अंतर्गत गेवरा बस्ती निवासी और शिवम इलेक्ट्रॉनिक्स का संचालक 65 वर्षीय अशोक जायसवाल खरीदारी के लिए 30 सितम्बर शनिवार की शाम 5 बजे कोरबा के लिए निकला था। वह अपनी आई 20 कार क्रमांक सीजी-12-1618 से कोरबा आया और कुछ दुकानों में खरीदारी किया लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा। परिजनों ने सोचा कि रास्ते में लगने वाले जाम में फंस गए होंगे और घर लौट आएंगे लेकिन काफी रात हो जाने के बाद भी जब घर नहीं लौटे तो उनका पता लगाया जाने लगा। मोबाइल स्विच ऑफ मिला तो चिंता बढ़ गई। अपने स्तर पर पता किया तो लास्ट लोकेशन रात 11 बजे ट्रांसपोर्ट नगर में राजू होटल के आसपास होना पाया गया। कुसमुंडा व्यापारी संघ के अध्यक्ष संतोष राठौर को भी इसकी जानकारी दी गई और सुबह से सभी लोग पता लगाने में जुटे हुए हैं। सूचना कुसमुंडा पुलिस को मिली तो लोकेशन के आधार पर कोरबा आकर तलाश शुरू की गई। परिजन, व्यापारीगण और पुलिस के द्वारा की जा रही खोजबीन के दौरान दोपहर लगभग 2 बजे व्यापारी का टीपी नगर में एक होटल होने का पता चला। यहां कार भी नजर आई। बताया गया कि रात में कार खराब हो गई थी इसलिए होटल में ही ठहर गए लेकिन परिजनों को सूचना क्यों नहीं दिए इसका कोई जवाब नहीं मिला है। व्यापारी के सकुशल मिल जाने से पुलिस सहित सभी लोगों ने राहत महसूस की है लेकिन यह सवाल अब भी बना हुआ है कि व्यापारी रात में घर नहीं लौट सका तो परिजनों अथवा परिचितों को सूचना देना मुनासिब क्यों नहीं समझा? इस घटनाक्रम को लेकर कुछ आंतरिक कारण बताए जा रहे हैं।

फेडरेशन के विजय पटनायक हुए सेवानिवृत्त

कोरबा, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन-01 के वरिष्ठ पदाधिकारी व पूर्व क्षेत्रीय सचिव विजय पटनायक अपनी अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। उनके सेवानिवृत्त पर फेडरेशन प्रतिनिधियों ने उनका पुष्पगुच्छ व फूल माला से स्वागत किया और उनके स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना की। विजय पटनायक ने अपने सेवाकाल में संयंत्र के कार्यों के साथ साथ संगठन के दायित्वों का भी बखूबी से निर्वहन किया और सदैव कर्मचारियों एवम श्रमिकों के हित में कार्य करते रहे। इस अवसर पर प्रांतीय संगठन सचिव सरोज राठौर, प्रांतीय प्रचार सचिव पवन दास, जोनल सचिव घनश्याम साहू, डीएसपीएम शाखा अध्यक्ष संतोष सिंह, सचिव सतीश देवांगन, सुधीर प्रजापति, मोहम्मद रफीक, मोहम्मद महबूब, रियाजुद्दीन अंसारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सतनामी समाज को मिली सामुदायिक भवन की सौगात, 1 करोड़ से बनेगा

कोरबा, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। राजस्व मंत्री के मुख्य आतिथ्य में नगर पालिक निगम के टी.पी.नगर जोनांतर्गत सतनाम प्रांगण में 1 करोड़ रूपये से अधिक की लागत से विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने की, विशिष्ट अतिथि महापौर राजकिशोर प्रसाद, मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण, पार्षदगण, एल्डरमेनगण आदि थे। इससे पहले सतनामी समाज के लोगों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। सांसद ने सतनामी समाज के लिये बनने वाले भवन की शुभकामनाएं व बधाई दी तथा कहा कि इसी प्रकार अन्य विकास कार्य कराते रहेंगे। इस अवसर पर एल्डरमेन रूपा मिश्रा, कांग्रेस नेत्री उषा तिवारी, सनीष कुमार, यू.आई.महिलांगे, नारायण कुर्रे, रामकुमार माथुर, त्रिवेणी मिर्री, लक्ष्य चतुर्वेदी, रमेश्वर कुर्रे, एस.पी.कौशिक, दीपक टण्डन, प्रीति चौहान, टिकी महंत, सोमनाथ टण्डन, कंजन खाण्डे, डॉ.राजेन्द्र दिवाकर एवं टीम मुंगेली से आये प्रमोद रात्रे, पुष्पेन्द्र कुमार रात्रे, रिक्कू आदिले, आशीष बंजारे के साथ ही समाज के अन्य नागरिकगण उपस्थित थे।

गौरव पथ में भारी वाहनों के बंद होने पर ही खत्म होगा आंदोलन

2 अक्टूबर को खदान बंदी का ऐलान के बीच पंडाल से उठाए गए उमा-बंशी

कोरबा, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। नगर पालिका परिषद दीपका क्षेत्र में निर्मित गौरव पथ से चल रहे कोयला परिवहन के भारी वाहनों को बंद कराने व इसे आम लोगों के लिए ही खुला रखने की मांग को लेकर उमागोपाल और बंशी दास के द्वारा लगातार आंदोलन किया जा रहा है। पिछले दिनों मिले आश्वासन के बाद गौरव पथ के किनारे प्रदर्शन हो रहा है लेकिन प्रशासनिक तौर पर कोई कार्यवाही नहीं होने से 2 अक्टूबर को खदान बंद करने और घेराव की चेतावनी दी गई। इससे पहले आज दोपहर मौके पर पहुंची दीपका पुलिस ने स्थानीय प्रशासन के निर्देश पर पंडाल को जप्त करते हुए उमा गोपाल और बंशीदास को थाना ले जाने की कार्यवाही की।

48 दिन से जारी आंदोलन के बीच उमागोपाल और बंशी को उठाने की खबर से संगठन के कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए और थाना घेराव की तैयारी करने लगे। इसी बीच उमागोपाल और बंशी को समझाइश देकर और 2 अक्टूबर के आंदोलन को स्थगित करने की चेतावनी देकर थाना से छोड़ दिया गया।

गांधी जयंती के अवसर पर गौरव पथ संघर्ष समिति दीपका द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन व दीपका-गेवरा खदान बंदी का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है जिसे क्षेत्र के ग्रामीणों का भी समर्थन है। इस घटनाक्रम को लेकर क्षेत्रवासियों और प्रभावितों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है।

वैकल्पिक मार्ग की कमी केवल बहाना- बंशीदास

बंशीदास ने कहा है कि शासन-प्रशासन केवल एसीबी कंपनी को गाडिय़ों को चलवाने के लिए वैकल्पिक मार्ग का बहाना कर रही है। सच्चाई तो यह है कि सभी गंतव्यों के लिए ट्रांसपोर्टरों के पास वैकल्पिक मार्ग पहले से ही उपलब्ध है। दीपका क्षेत्र के लोगों की भलाई के लिए शासन को गौरव पथ में भारी वाहनों को तत्काल बंद करवाना चाहिए। उमागोपाल ने कहा है कि शासन-प्रशासन हम आंदोलनकारियों को डराना बंद करे और असल में अगर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए जाने के पक्षधर हैं तो गौरव पथ में भारी वाहन चलाना बंद करें।

तिरछी नज़र

■ राजेन्द्र जायसवाल

गणेश विसर्जन में होली का माहौल

ऊर्जाधानी में गणेश उत्सव का आयोजन धूमधाम से हुआ लेकिन विसर्जन के दौरान जगह-जगह होली का माहौल नजर आया। गणपति को विदा करते वक्त अधिकांश लोग नशे में झूमते रहे तो नशे की हालत में वाद-विवाद भी होता रहा। एक घर का चिराग भी बुझ गया और दूसरा जिंदगी के लिए जूझ रहा है। इस तरह के घटनाक्रम अक्सर होली के त्योहार में देखने और सुनने को मिलते है लेकिन गणपति की अराधना में असामाजिक तरह की घटनाओं से चिंता लाजिमी है।

कटघोरा के राजा की धूम रही

गणेशोत्सव के दौरान कटघोरा के राजा की धूम दूसरे क्षेत्रों में भी खूब मची रही। विशाल मंदिर में विराजित मूर्ति को तो शोर पूरी नगरी में रहा और जब विसर्जन के लिए निकले तो 12 राज्यों की झांकी ने एक अलग ही माहौल निर्मित किया। आयोजन समिति से लेकर नगरजन गणेशोत्सव से काफी गदगद हैं।

उल्टे पांव लौटना पड़ा

भाजपा की एक महिला पार्षद के लिए तब विरोध का दांव उल्टा पड़ गया जब उन्हीं का विरोध लोगों ने शुरू कर दिया। पार्षद को मजबूरन उल्टे पांव लौटना पड़ा, किरकिरी हुई वो अलग। दरअसल बेजा कब्जा में काबिज लोगों को पट्टा का वितरण किया जा रहा है और इसके लिए फार्म कैम्प में भरवाए जा रहे हैं। इसी कैम्प में पहुंचकर महिला पार्षद ने सवाल उठाना शुरू किया तो लोग उनसे ही सवाल दागने लग गए।

पट्टा की काट तलाशते भाजपाई

भाजपा ने कांग्रेस सरकार द्वारा पट्टा बांटने के वादे की याद दिलाकर घेरा तो 15 हजार लोगों को पट्टा बांटने का ऐलान कर कांग्रेस ने इस मुद्दे को छीन लिया। अब जब वितरण कार्य शुरू हो गया है तब इसमें भी कोई न कोई कमी निकाली जाने लगी है लेकिन पट्टा की चाह रखने वालों के लिए यह कोई मायने नहीं रखता। अब भाजपाई येन-केन-प्रकारेण पट्टा की काट तलाशते फिर रहे हैं।

डीजे वालों की शामत

निर्धारित डेसीबल क्षमता से ज्यादा आवाज में डीजे बजाने वालों की शामत आ गई है। हाईकोर्ट ने इस पर संज्ञान लेकर शासन से हलफनामा मांगा तो राजधानी से लेकर न्यायधानी में डीजे वालों पर ताबड़तोड़ कार्यवाही शुरू हो गई। ऊर्जाधानी में भी कोहाहल अधिनियम का उल्लंघन करने वालों पर गाज गिरनी शुरू होगी। इससे पहले जरूरी है कि सबक लेकर निर्धारित मानकों का पालन किया जाए क्योंकि त्योहारों का मौसम अब शुरू होने वाला है।

एनटीपीसी प्रभावितों की कौन सुने?

एनटीपीसी की कोरबा परियोजना से प्रभावित चारपारा के 6 भू-विस्थापित परिवारों का संघर्ष लगातार जारी है। आखिर इनकी सुनवाई कौन कब और कैसे करेगा? इसका इन्हें बेसब्री से इंतजार है। वैसे इनको समर्थन देने के नाम पर पंडाल में नेताओं का आना-जाना लगा रहा किंतु फोटो सेशन और पब्लिसिटी के बाद सब कुछ जस का तस है।

लखन के 40 दिन पार

भाजपा ने 21 प्रत्याशियों की पहली सूची 17 अगस्त को जारी किया जिसमें कोरबा से लखनलाल देवांगन भी शामिल हैं। लखनलाल के 4 दिन पार हो गए। इन दिनों में वे लगातार क्षेत्र में दौरे पर दौरा करते हुए सवाल दर सवाल दाग रहे हैं। उनके साथ संगठन के कुछ लोग ही मैदान में दिख रहे हैं जबकि एका का राग अलापने वाले विधानसभा से कोई न कोई कारण बताकर दूरी बनाए हुए हैं।

अफवाह यह भी

अब यह अफवाह कौन फैला रहा है कि पुलिस विभाग में सिंघम गए तो, लेडी सिंघम के तेवर कहीं और भारी न पड़ जाएं।

एक सवाल आप से

पुलिस अधिकारी के ट्रांसफर को लेकर कौन और क्यों ज्यादा हल्ला मचा रहा है...?

और अंत में...

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 223 लोकसभा और राज्यसभा में पारित होने के बाद मौजूदा विधानसभा चुनाव में हलचल मची है। अधिनियम को लागू होने में भले ही वक्त लगे लेकिन इससे पहले महिलाओं को चुनाव में आरक्षण का लाभ देकर प्रत्याशी बनाए जाने की सुगबुगाहट तेज हो गई है। जिले के चार विधानसभा क्षेत्रों में से कौन-कौन सी सीट पर महिला दावेदार उतारे जाएंगे, इसके कयास भी शुरू हो गए हैं।

स्वच्छ भारत का सपना स्वच्छ गांव से ही सफल हो सकता-विधायक

डोर टू डोर जाकर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने स्वच्छता के प्रति लोगों को किया जागरूक

अम्बिकापुर 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत रविवार को जिला कलेक्टर कुंदन कुमार के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत बटवाही में आयोजित इस महा अभियान में मुख्य अतिथि सीजीएमएससी अध्यक्ष एवं लुण्ड्रा विधायक डॉ प्रीतम राम रहे। साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह, सभापति राकेश गुप्ता, लुण्ड्रा जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगा राम, उपाध्यक्ष त्रिलोकी सिंह, जिला पंचायत सदस्य सरला सिंह, शैलेंद्र प्रताप सिंह, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्व सहायता समूह की महिलाएं और स्थानीय ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत हाट बाजार में श्रमदान करते हुए झाड़ू लगाकर सफाई की गई। साथ ही स्कूल ग्राउंड की घास काटकर ग्राउंड को साफ किया गया। वहीं स्कूली छात्रों, जनप्रतिनिधि और अधिकारी कर्मचारियों ने मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता ही सेवा के मंत्र की ग्रामीणों में अलख जगाई। स्कूल परिसर में जनप्रतिनिधियों, अधिकारी कर्मचारियों ने वृक्षारोपण कर छात्र-छात्राओं को शुद्ध वातावरण के प्रति जागरूक किया ।

स्वच्छता श्रमदान करने के बाद ग्रामीणों को हाथ धोने के गुर सिखाए गए। विशाल स्वच्छता रैली के माध्यम से ग्रामीण को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए डोर टू डोर घरों और दुकानों में लोगों से संपर्क कर स्वच्छता अभियान को सफल बनाने की अपील की गई। कार्यक्रम में शामिल मुख्य अतिथि सीजीएमएससी अध्यक्ष एवं लुण्ड्रा विधायक डॉ प्रीतम राम ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ भारत का सपना स्वच्छ गांव से ही सफल हो सकता है, गांव को कचरा मुक्त करने के लिए घर से निकलने वाले ठोस अपशिष्ट को इधर-उधर न फेंकें उसके प्रबंधन के लिए स्वच्छता दीदियों का सहयोग करें। जिला स्तरीय स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला कार्यपालन अधिकारी नूतन कंवर ने कहा कि स्वच्छता के पैमाने पर खरे उतरने के लिए घर ही नहीं गांव को भी स्वच्छ रखना जरूरी है । तभी स्वच्छ भारत की परिकल्पना को पूरा किया जा सकता है। मुख्य अतिथि डॉ प्रीतम ने कार्यक्रम में शामिल स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों और ग्रामीणों को स्वच्छता ही सेवा का भाव जागृत करने के लिए स्वच्छता शपथ भी दिलाई।

इस अवसर पर स्वच्छता की दिशा में बेहतर काम करने वाली दीदीयों और कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

शहरवासियों ने किया श्रमदान

सक्ती। स्वच्छता ही सेवा के तहत एक अक्टूबर को स्वच्छता जागरूक अभियान में पूरे शहर में एक घंटा श्रमदान कर शहरवासियों ने स्व.महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। शासन के निर्देशानुसार श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश एवं जन जागरूकता लाने आज रविवार सुबह 10 बजे से एक घण्टा पूरे शहर में स्वच्छता ही सेवा के तहत श्रमदान किया गया।

तातापानी परिसर में अधिकारी-कर्मचारियों ने किया श्रमदान

स्वच्छता श्रमदान अभियान के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा के तहत कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती रेना जमील तथा आम नागरिक, अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधियों एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने एक घण्टे का समय निकालकर गर्मजल स्रोत के रूप में प्रसिद्ध तातापानी धार्मिक स्थल की श्रमदान कर साफ-सफाई की। गांधी जी की सेवाग्राम की संकल्पना को जीवन्त करने की इस पहल में न केवल तातापानी बल्कि पूरे जिले में लोगों ने उत्साह के साथ अपने आस-पास के क्षेत्रों की साफ-सफाई कर इस राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा बने और स्वच्छता का संदेश दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा अंतर्गत आज जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है, इस स्वच्छता अभियान अंतर्गत सभी ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ नगरीय निकायों में भी स्वच्छता ही सेवा अंतर्गत श्रमदान किया गया। उन्होंने कहा कि इस अभियान को किसी तिथि या दिवस में सीमित ना कर अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करें और स्वच्छ भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने कहा कि पंचायतों में सप्ताह में एक दिन स्वच्छता पखवाड़ा में विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियों का आयोजन कर स्वच्छता के महत्व के प्रति लोगों को जागरुक करें और इसे अपने दैनिक जीवन में शामिल कर निरंतर रूप से स्वच्छता रखने का संकल्प लें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती रेना जमील ने कहा कि बड़ा ही हर्ष का विषय है कि आज बड़ी संख्या में लोग पूरे उत्साह के साथ साफ-सफ़ाई के लिए आगे आए हैं और इस उत्साह को बनाये रखना है, ताकि हमारा जिला कचरा मुक्त रहे। उन्होंने कहा कि 15 सितंबर से यह अभियान शुरु हुआ है, जिसमें बलरामपुर के स्कूल, धार्मिक स्थलों में स्वच्छता सर्बधित अलग-अलग गतिविधियां शुरु की गई। इस वर्ष कचरा मुक्त भारत थीम रही है। इन्होंने कहा कि बाहरी स्वच्छता के साथ-साथ शारीरीक एवं मानसिक स्वच्छता भी सफ़ाई का हिस्सा है। हमें अपने व्यवहार परिवर्तन कर स्वच्छता में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए अन्य लोगों को भी प्रेरित करना है।

जन प्रतिनिधियों ने किया श्रमदान

चिरमिरी । स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत रविवार 1 अक्टूबर को देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती की पूर्व संध्या के अवसर पर चिरमिरी नगर के बड़ा बाज़ार वार्ड क्रमांक - 28 तालाब के पास मनेन्द्रगढ़ विधायक डॉक्टर विनय जायसवाल, नगर निगम की महापौर कंचन जायसवाल, सभापति गायत्री बिरहा समेत नगर निगम के जनप्रतिनिधियों ने स्वच्छता अभियान में सहभागी बनकर अपना श्रमदान किया । जानकारी के अनुसार स्वच्छता पखवाड़ा आयोजन 15 सितंबर से 02 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है, इसी अभियान के तहत सभी जनप्रतिनिधियों व नागरिकों ने अपना श्रमदान कर इस अभियान को सफल बनाया । महापौर कंचन जायसवाल ने बताया कि स्वच्छता हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है , हमें अपने-अपने घरों की सफाई के साथ आस पास की भी सफाई रखनी होगी तभी हम अच्छे व सुंदर शहर की कल्पना कर सकेंगे ।

इस दौरान नगर निगम की एमआईसी सदस्य फिरोजा बेगम, संदीप सोनवानी, रज्जाक खान, सोहन खटीक, आयुक्त लवीना पाण्डेय, स्वच्छता प्रभारी उमेश तिवारी, रामगोपाल मलिक व स्वच्छता दीदियों सहित वार्ड के नागरिकों की सहभागिता रही ।

स्वच्छता ही सेवा

केन्द्रीय विद्यालय एस.ई.सी.एल. झगराखण्ड में स्वच्छ भारत मिशन स्वच्छता ही सेवा अभियान के हिस्से के रूप में एक तारीख, एक घंटा, एक साथ अभियान को सफल बनाने के लिए श्रमदान किया गया । सुबह 10 बजे एक घंटे की अवधि के लिए निर्धारित समय पर केन्द्रीय विद्यालय एस.ई.सी.एल. झगराखण्ड से प्रारंभ होकर वार्ड नं-6 से होते हुए झगराखण्ड ऑटो स्टैंड तक सड़क मार्गों की सफाई कि गई तथा इस दौरान लोगो को स्वच्छता के प्रति जागरूक एवं प्रेरित किया गया। इस मौके पर झगराखण्ड क्षेत्र के नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश पांडेय, उपाध्यक्ष सत्तार अली, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री संजय दूबे, विकास मिश्रा, देवेंद्र प्रसाद चौबे, पार्षद एवं नगर पंचायत के कर्मचारियों के साथ-साथ शिक्षक शामिल हुए ।

सार-संक्षेप

बच्चो को शिक्षा के लिए चुकानी पड़ रही है कीमत - महेश प्रसाद

एमसीबी 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारतीय शक्ति चेतना पार्टी मनेंद्रगढ़ विधानसभा प्रत्याशी महेश प्रसाद ने कहा शिक्षा के लिए बच्चों के माता पिता की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है । बच्चो के भविष्य के लिए माता पिता मजदूरी करके पेट काटकर बच्चो को पढ़ाया लिखाया जाता है , ताकि बच्चे बड़े होकर अपने माता पिता के सहारा बन सके मगर वर्तमान सरकार शायद यह भूल गई शिक्षा को लेकर यह क्षेत्र कोषो दूर है। आज़ादी के 76 वर्ष गुज़र गए आज भी हमारे मनेंद्रगढ़ विधान सभा क्षेत्र को अच्छी शिक्षा नही मिल पाई है आज भी गांव के बच्चे जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर है। इन्होंने वादे तो शिक्षा को लेकर बहुत कुछ किए है पर जमीनी हकीकत कुछ और बया करती है। इस ग्राम में केवल प्रायमरी स्कूल है पिछले दो दशक से ग्रामीण आवाज उठा रहे । फुनगा गांव से दूसरे गांव नदी पार कर स्कूल जाना पड़ता है मगर इनकी आवाज सुनने वाला कोई नहीं है आज भी बच्चे नंगे पैर स्कूल जाते है। इन सत्ता धारी नेताओ को नही दिखाई देता । जबकि पिछली सरकारों की बात करें तो लगभग 50 वर्षों में या तो कोंग्रेस के विधायक रहे या फिर भा ज पा के और तो और 2 विद्यायक तो इन्हीं के क्षैत्र से थे लेकीन इन भोली भाली जनता को सिर्फ विकास के सपने दिखाकर विकास केनाम पर छला गया है । और इसका नतीजा यह हुआ की शिक्षा के लिए बच्चो को इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है । क्या कसूर है बच्चो का इन्हे जवाब दो इन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में ध्यान क्यों नही दिया । इन सरकारों ने केवल और केवल बड़े शहरों के भीड़ में फ्लेक्सी पोस्टर लगाने का काम किया है।

यूथ कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष बने व्यंकटेश

मनेन्द्रगढ़ 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। युवा कांग्रेस के लीगल सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष की सहमति पर युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष व्यंकटेश सिंह को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें यूथ कांग्रेस के विधि प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। उनकी नियुक्ति के बाद उनके समर्थकों ने जमकर आतिशबाजी कर उनका जोरदार स्वागत किया। पत्रकार वार्ता में व्यंकटेश सिंह ने सबसे पहले उनको दी गई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने इस मौके पर कहा की उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसका वो पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निर्वहन करेंगे। विधि प्रकोष्ठ के कार्यों के बारे में जानकारी साझा करते हुए उन्होंने कहा की पुरे प्रदेश में युवाओं की आवाज बनेंगे और उनकी समस्या का निराकरण करेंगे। आम जनता को जो भी कानूनी समस्या होगी उसे दूर करने का प्रयास किया जायेगा। इस मौके पर जिला कांग्रेस प्रवक्ता सौरव मिश्रा,युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष हफीज मेमन, राजा पाण्डेय, प्रिंस पाण्डेय, रंजन शर्मा, स्नेहिल शुक्ला, यश ताम्रकर, विवेक वैश्य, मोती सिंह, गुरु दत्ता, शुभम सिंह, वसीम, उत्कर्ष सेन, पानू दत्ता मौजूद रहे।

ओपी जिंदल स्कूल के टीचर पर लगा बलात्कार का आरोप

रायगढ़ 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। शिक्षा के मंदिर में पूजनीय स्थान प्राप्त गुरु की गरिमा को तार तार करने वाली बेहद शर्मनाक खबर प्रकाश में आ रही है। चक्रधर नगर थाने में दर्ज एफ आई आर के मुताबिक चक्रधर नगर थाना अंतर्गत एक महिला ने ओ पी जिंदल स्कूल नलवा के शिक्षक के ऊपर बलात्कार का आरोप लगाया है।भादवि की धारा 376 एवं 506 बी के तहत गत शनिवार को मामला दर्ज कर लिया जाकर आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेम शंकर आदित्य नलवा स्टील एंड पावर लिमिटेड तराईमल ओपी जिंदल स्कूल जिंदल स्कूल में संगीत सिखाया करता था तथा स्कूल के अलावा वह व्यक्तिगत तौर पर भी संगीत सिखाने का कार्य करता था। 2020 में पीड़िता से संपर्क भी संगीत सिखाने के दौरान ही हुआ था।

रायगढ़ की बेटी अलीशा को मिला राष्ट्रपति पुरस्कार

एनएसएस से जुड़कर सामाजिक क्षेत्र में किया अच्छा कार्य

रायगढ़ 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में शहर की बेटी अलीशा अंसारी को सम्मानित किया है। अलीशा को सन 2021-22 में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत अच्छे सामाजिक कार्य करने के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। वे शहर की मौदहापारा रहने वाली है और वर्तमान में सीएमडी कॉलेज में पढ़ाई कर रही है।

अलिशा रायगढ़ में स्कूलिंग करने के बाद वे बिलासपुर चली गई, बिलासपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़कर महिला सशक्तीकरण और बालिका अधिकार से जुड़े कामकाज में अच्छे कार्य के साथ बिलासपुर के नेवशा गांव को राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत गोद लिया गया था। उस गांव में अलीशा के नेतृत्व में पानी टंकी और तालाब से जुड़े सराहनीय कार्य किया गया, इन सभी कार्यों के लिए उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म ने सम्मानित किया है। अलीशा के पिता नौशाद शहर में सिविल कॉन्ट्रेक्टर और माता नजमा अंसारी गृहणी है। अलीशा 3 भाई और बहनों में सबसे बड़ी है। अलीशा के साथ समाज सेवाओं में योगदान के लिए 52 व्यक्तियों को ये पुरस्कार प्रदान किया गया है। शुक्रवार को इस सम्मान कार्यक्रम में खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर और राज्य मंत्री निशीथ प्रमाणिक ने पुरस्कार समारोह में हिस्सा लिया। स्वयंसेवी सामाजिक सेवाओं में विशिष्ट योगदान को सम्मानित करने के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार प्रदान करता है। एनएसएस केन्द्रीय क्षेत्र का कार्यक्रम है जिसकी शुरूआत 1969 में की गई थी इसका प्राथमिक उद्देश्य स्वयंसेवी प्रयासों के जरिए विद्यार्थियों और युवाओं के व्यक्तित्व का विकास और चरित्र निर्माण में योगदान करना है।

विधायक बृहस्पत सिंह ने किया वृद्धजनों का सम्मान

बलरामपुर 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर आज जनपद पंचायत बलरामपुर के सभाकक्ष में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि श्री बृहस्पत सिंह के द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात राजकीय गीत का गायन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का उपस्थित रहे।

अंतराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर समाज कल्याण विभाग द्वारा जनपद पंचायत बलरामपुर के परिसर में वृद्धजनों का सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां वद्धजनों को नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसके साथ ही वृद्धजनों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रकार के खेल जैसे मटकी फोड, जलेबी दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें वृद्धजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसी कड़ी में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं रामानुजगंज विधायक श्री बृहस्पत सिंह ने उपस्थित वृद्धजनों को साल, श्रीफल एवं फूलों की माला पहनाकर सम्मानित किया और छड़ी प्रदान की।

विधायक श्री बृहस्पति सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बुजुर्गों का हमें सम्मान करना चाहिए। क्योंकी उनके मार्गदर्शन में ही हम सफलता की सीढ़ी चढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को वृद्धजनों के अनुभव का लाभ लेना चाहिए, जिससे की युवा अपना समग्र विकास कर सके। श्री सिंह ने उपस्थित लोगों से शासकीय योजनाओं का लाभ लेने की बात कही और बताया कि बीपीएल कार्डधारी परिवारों को शासन के द्वारा नि:शुल्क राशन का वितरण किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने अपील किया की जिन लोगों ने भी राशन कार्ड नहीं बनवाए हैं वो अवश्य ही बनवाकर योजना का लाभ लें। उन्होंने वृद्धा पेंशन में हुई वृद्धि के बारे में अवगत कराते हुए बताया कि वृद्धा पेंशन की राशि पूर्व में 350 रुपए थी जो की अब 500 रुपए कर दी गई है।

गांधी जयंती पर कांग्रेस निकालेगी महापल्ली तक भरोसा यात्रा

रायगढ़ 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। एक तरफ बीजेपी की प्रदेश में परिवर्तन यात्रा शनिवार को समाप्त हो गई है तो दूसरी ओर कांग्रेसी भी गांव-गांव तक जाकर चुनावी शंखनाद करेंगे। कांग्रेस 2 अक्टूबर को विधानसभा स्तरीय भरोसा यात्रा निकालेगी। इसके माध्यम से कांग्रेस रायगढ़ कार्यालय से महापल्ली के गांवों तक पहुंचेगी।

भरोसा यात्रा की तैयारी के लिए रायगढ़ कांग्रेस के संगठन प्रभारी रजनीश तिवारी शनिवार शाम को कांग्रेस कार्यालय में बैठक ली और कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक पहुंचकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने 4 अक्टूबर को कोड़ातराई में होने वाले भरोसे के सम्मेलन पर भी चर्चा की।

कांग्रेस जिला महामंत्री विकास शर्मा ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर 2 अक्टूबर को प्रदेश कांग्रेस एक दिवसीय विधानसभा स्तरीय कांग्रेस भरोसा यात्रा निकालेगी। सभी विधानसभा के गांव-गांव तक पहुंचकर राज्य सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं को अवगत कराएंगे। पूर्व रमन सरकार की कमियों को गिनाएंगे। यात्रा के दौरान नुक्कड़ सभा करते हुए आमसभा के रूप में समापन होगा। प्रकाश नायक को लेकर कोई संशय नहींरू रजनीश तिवारी रायगढ़ कांग्रेस संगठन प्रभारी रजनीश तिवारी ने सीटिंग विधायक प्रकाश नायक के खिलाफ पार्टी में बगावत और गुटबाजी के सवाल पर कहा कि प्रकाश नायक अच्छे नेता है। उनके पिता स्व.शक्राजीत नायक हमारे सम्मानीय नेता रहे हैं और उन्हीं की राजनीतिक दिशा में प्रकाश आगे बढ़ रहे हैं।

शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी के माता-पिता से मिले गृहमंत्री अमित शाह

रायगढ़ 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रायपुर आये हुए थे। उन्होंने प्रदेश भाजपा की बड़ी बैठक ली। जिसके खत्म होने के बाद उन्होंने शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी के माता-पिता से सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने शहीद की माता आशा त्रिपाठी और पिता सुभाष त्रिपाठी को ढाढस बंधाया।

इस दौरान उन्होंने त्रिपाठी दंपत्ति से कुशलक्षेम पूछते हुए उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन दिया। शहीद के माता पिता निजी कार्य से रायपुर गए थे इसी बीच उनकी मुलाकात गृहमंत्री से होनी तय हुई। इस दौरान शहीद के माता-पिता के साथ रायगढ़ के समाजसेवी व रामदास द्रौपदी फाउंडेशन के चैयरमैन सुनील रामदास, नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष शीला तिवारी और रायगढ़ जिला अमेचर कबड्डी संघ के सचिव राजेश पटनायक मौजूद थे। शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी के माता-पिता को माननीय गृहमंत्री अमित शाह से समय उपलब्ध कराने हेतु सामाजिक कार्यकर्ता एवं रामदास द्रौपदी फाउंडेशन के चेयरमैन सुनील रामदास की अहम भूमिका रही है।

फर्जी प्रमाण पत्र के सहारे निगम में लिया ठेका!

बापू नगर कल्याण समिति ने ज्ञापन देकर की एफआईआर की मांग

रायगढ़ 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। ओजस कंस्ट्रक्शन के द्वारा फर्जी प्रमाण पत्र के सहारे नगर पालिका निगम में ठेका लेने का मामला सामने आया है जिसकी शिकायत बापू नगर कल्याण समिति के द्वारा किया गया है वही निगम आयुक्त ने जांच का भरोसा दिलाया है।

ओजस कंस्ट्रक्शन द्वारा टीआरआरएन नं. 160230 1000285 कृष्णा बिल्डकॉन की चालान कापी को कूटरचित तरीके से स्वयं का नाम मनोज कुमार लहरे एडिट करके जमा किया गया है जिसे निगम के अधिकारियों ने भी जब अवलोकन किया तो फर्जी पाया है इसकी पुष्टि हुई है एवं ओजस कंस्ट्रक्शन मनोज कुमार लहरे के द्वारा जिन्दल पॉवर प्लांट का परचेस ऑर्डर वेंडर नं 221240 को अनुभव प्रमाण पत्र के रूप में जमा किया गया है। वह दस्तावेज भी जब अवलोकन किया गया तो जिन्दल पॉवर प्लांट में इसकी पुष्टि नहीं हो पा रही है। इससे साफ होता है कि कूटरचित तरीके से फर्जी दस्तावेज तैयार कर नगर निगम रायगढ़ में जमा किया गया है।

बापू नगर कल्याण समिति की ओर से मांग की गई है कि ओजस कंस्ट्रक्शन के कथित प्रोपाईटर मनोज कुमार लहरे के निविदा को निरस्त किया जाए एवं नियमानुसार एफआईआर किया जाए।

ताकि भविष्य में होने वाले इस तरह के जालसाजी निविदाकारों के उपर अंकुश लगाया जा सके।

स्वच्छता ही स्वस्थ और शांतिपूर्ण जीवन का मूल मंत्र - कलेक्टर

एमसीबी 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। स्वच्छता ही सेवा अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत लेक्टर नरेन्द्र कुमार ने आज जिले के प्रसिद्ध जलप्रपात अमृतधारा परिसर, में साफ सफाई कर श्रमदान किया गया। कलेक्टर ने कहा कि साफ-सफाई एक अच्छी आदत है, स्वच्छ पर्यावरण और आदर्श जीवन शैली के लिये हर एक को यह आदत बनानी चाहिये। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मानसिकता का विकास होता है इसी के मद्देनजर देश में स्वच्छता की महती आवश्यकता को देखते हुए हमारे प्रधानमंत्री ने स्वच्छता अभियान शुरु किया। हमें ये समझना चाहिये कि ये केवल हमारे प्रधानमंत्री का कार्य नहीं है, बल्कि समाज में रहने वाले हर इंसान की जिम्मेदारी है। हम सब के स्वस्थ जीवन के लिये इस अभियान में हमें कंधे से कन्धा मिलकर भाग लेना की जरूरत है।

इसकी शुरुआत घरों, स्कूलों, कॉलेजों, समुदायों, कार्यालयों, संस्थानों से ही किया जाना चाहिए। जिससे कि देश में व्यापक स्तर पर स्वच्छ भारत क्रांति लाया जा सके। हमें खुद को, घर, अपने आसपास, समाज, समुदाय, शहर, उद्यान और पर्यावरण आदि को रोज स्वच्छ रखने की जरुरत है। हमें यह ध्यान देना है कि कहीं पर भी कूड़ा-करकट एकत्रित न होने पाए। हमें कचरे को उसके उचित स्थान पर ही डालना है, अन्य लोगों को भी इसके लिए जागरूक करना है। मानव जीवन को स्वस्थ और खुशहाल बनाने के लिए स्वच्छता को अपनाना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि स्वच्छ वातावरण में स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है।

ज़िले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटकों के लिए सुविधाएँ और अधिक बढ़ाने पर जोर देने कहा। इसके लिए हम सबको मिलकर लगातार प्रयास करना होगा। हमें अमृतधारा क्षेत्र में साफ़-सफ़ाई के साथ एडवेंचर स्पोर्ट्स की व्यवस्था करने की आवश्यकता है। उन्होंने अमृतधारा परिसर में शौचालय का उन्नयन, रनिंग वाटर प्रारम्भ कराने तथा कैन्टीन को प्रारम्भ करने के निर्देश दिये। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की दीदियों को आने वाले पर्यटकों को साफ-सफाई रखने तथा गंदगी करने पर रोकने-टोकने के निर्देश दिये। स्वच्छता अभियान में संयुक्त कलेक्टर सी.एस. पैकरा, एसडीएम श्रीमती अभिलाषा पैकरा, खाद्य अधिकारी संजय कुमार ठाकुर, संजय श्रीवास्तव मण्डल संयोजक सहित, लाई सरपंच सोनसाय पण्डो, नागपुर उपसरपंच कृष्णा राय, हर्रा सचिव सुभाष राय उपस्थित थे।

मिलेट्स फसलों को बढ़ावा देने सरकार तत्पर-डा. महंत

विधानसभा अध्यक्ष ने मिलेट्स कैफे का किया शुभारंभ

जांजगीर, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में महिला स्वरोजगार, उद्यमिता सहित सुपोषण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा मिलेट्स कैफे की शुरुआत की जा रही है। इसी कड़ी में विधानसभा अध्यक्ष डा. चरणदास महंत ने चांपा के स्वामी विवेकानंद उद्यान परिसर में मिलेट्स कैफे का शुभारंभ किया। स्वाद एवं सेहत से भरपूर व्यंजन मिलेट्स कैफे में जिलेवासियों को मिलेगा। डा. महंत ने फीता काटकर चांपा में मिलेट्स कैफ़े का शुभारंभ किया तथा कैफे में मिलेट्स व्यंजनों का स्वाद चखा। उन्होंने मिलेट्स कैफे का अवलोकन कर जिला प्रशासन की सराहना की तथा शुभकामनाएं दी।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह जिले का पहला मिलेट कैफ़े इतने सुंदर स्थान पर शुरू हो रहा है और यह दृश्य बहुत ही सुंदर है।इसे देखने पूरे जिले के लोग आएंगे और मिलेट्स कैफ़े में मिलेट्स से बने पौष्टिक तथा स्वादिष्ट व्यंजन का स्वाद लेंगे। राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर के साथ साथ हमारे छत्तीसगढ़ की सरकार भी मिलेट फसलों को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। इस अवसर पर नगरपालिका चांपा के अध्यक्ष जय थवाईत,जांजगीर नैला नगर पालिका अध्यक्ष भगवान दास गढेवाल, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष राघवेन्द्र प्रताप सिंह ,नगर पालिका उपाध्यक्ष चांपा हरगोविंद देवांगन, नैला मंडी अध्यक्ष व्यास नारायण कश्यप, पूर्व विधायक मोतीलाल देवांगन, रवि पांडेय, राघवेन्द्र कुमार सिंह, दिनेश शर्मा, कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी, अपर कलेक्टर एसपी वैद्य, एएसपी अनिल सोनी सहित जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी तथा आमजन उपस्थित थे।

कोदो कुटकी की खीर व रागी की इडली

यहां मुख्य रूप से मिलेट्स से बने पौष्टिक तथा स्वादिष्ट व्यंजन का स्वाद लोगों को चखने मिलेगा। यहां मिलेट्स रागी पिज्जा, पिज्जा,रागी वेज सैंडविच, रागी गार्लिक ब्रेड, रागी इडली,रागी कुकी, कुटकी खीर, गुलगुला,चैनल खीर, रागी बड़ा,भजिया, रागी चीज डोसा,लेमन ग्रास टी,बस्तरिया कॉफी,बासी भात विथ दही,कुटकी टी, किनवा लस्सी, किनवा स्पाइस बटर मिल्क, बाजरे का पराठा, बाजरा चीला, रागी चीला, ज्वार पकोड़ा, रागी मसाला दोसा, ज्वार मसाला दोसा,मिलेट राइस,मिलेट्स मंचूरियन, मिलेट्स पनीर चिल्ली, कोदो फ्राई चावल, मिलेट्स बिरयानी, बाजरा रोटी, ज्वार रोटी, किनाना की खीर, कुटकी की खीर, ज्वार मुख्य आकर्षण का केंद्र होंगे।

वृद्धजनों का किया गया सम्मान

स्वास्थ्य जागरूकता शिविर व सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

जांजगीर, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। वरिष्ठ नागरिकों के प्रति समाज में सकारात्मक वातावरण विकसित करने हेतु प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 01 अक्टूबर को नया ऑडिटोरियम भवन में अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता शिविर एवं सम्मान समारोह का आयोजन कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में गरिमापूर्ण ढंग से किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश्री महंत डॉ. रामसुन्दर दास, अध्यक्ष छ.ग. राज्य गौ सेवा आयोग, कार्यक्रम की अध्यक्षता भगवान दास गढ़ेवाल, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जांजगीर-नैला, विशिष्ट अतिथि के रूप में राघवेन्द्र प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष, जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा, श्रीमती मंजू सिंह, सदस्य भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल, रमेश पैगवार सदस्य अनुसूचित जाति आयोग, विष्णु विश्वकर्मा उपाध्यक्ष लौह शिल्प विकास बोर्ड, हरप्रसाद साहू सदस्य श्रम कल्याण बोर्ड, रामविलास राठौर सभापति नगर पालिका परिषद जांजगीर-नैला, दिनेश शर्मा, आर.के थवाईत, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रतिशील पेंशनर कल्याण संघ, महेश राठौर, कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रतिशील पेंशनर कल्याण संघ, बीएम चतुर्वेदी, छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ, देवेश सिंह, की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण, जिला चिकित्सालय की टीम द्वारा तथा औषधि वितरण, आयुष विभाग जांजगीर द्वारा किया गया तथा वृद्धजनों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम 2007 पर निहित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी श्रीमती उषा शाडिल्य, विधिक सेवा इनपेनल्ड अधिवक्ता, जांजगीर द्वारा दिया गया। संबोधन की कड़ी में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश्री महंत डॉ रामसुंदर दास ने कहा गया कि मां में सारे तीर्थ बसते हैं और पिता में देव, भारतीय संस्कृति में माता-पिता को ईश्वर तुल्य माना गया है त्रेतायुग में भगवान राम प्रत्येक दिन सुबह उठकर सर्वप्रथम अपने माता-पिता को प्रणाम करते थे इसी तरह सभी युवाओं में ये संस्कार होनी चाहिए। अतएव हमें अपने माता-पिता और वरिष्ठजनों का सदैव सम्मान देना चाहिए। नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि वरिष्ठ नागरिक समाज की धरोहर है उनके हितों की रक्षा करना हम सबका दायित्व है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष राघवेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि वरिष्ठजन ज्ञान एवं अनुभवों के भंडार होते है अत: उनके अनुभवों का लाभ समाज व लोगो का लेनी चाहिए तभी समाज व देश का विकास चरमसीमा में होगा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में उद्बोधन दिया गया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में समस्त वरिष्ठ नागरिकों को शाल, श्रीफल एवं फूलमाला से सम्मानित किया गया तथा उनके अच्छे स्वास्थ्य सुखमय जीवन एवं सदैव सक्रिय बने रहने की शुभकामनाएं दिया गया। कार्यक्रम में युनिसेफ एवं युवोदय के नोडल अधिकारी सुश्री दिव्या राजपूत, एवं उनके टीम के समस्त युवाओं ने उत्साह पूर्वक सहभागिता किया तथा माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करने का संकल्प लिया कार्यक्रम को सफल बनाने में सुनील साहू, ई-डिस्ट्रीक्ट मैनेजर, प्राचार्य बी.के. पटेल, नवीन शासकीय महाविद्यालय नवागढ़ एवं जिला संगठक राष्ट्रीय सेवा योजना, जिला जांजगीर-चाम्पा तथा जिला के समस्त महाविद्यालयों के एन.एस.एस., एन.सी.सी. के कैडेटस् एवं विद्यालय के स्काउड-गाईड का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन श्री सतीश सिंह द्वारा किया गया तथा आभार ज्ञापन टीपी भावे, उप संचालक, समाज कल्याण, द्वारा व्यक्त किया गया।

आत्महत्या के लिए उत्प्रेरित करने वाले दो गिरफ्तार

जांजगीर, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। आत्महत्या के लिए उत्प्रेरित करने वालों पर जांजगीर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए दो आरोपी को गिरफ्तार

किया है। दोनो निवासी ग्राम परसदा थाना हसौद जिला सक्ति के निवासी है। आरोपीयो के विरूद्ध धारा 306,34 भादवि के तहत कार्यवाही की गई है। इन पर आरोप है कि पटवारी का गोपनीय पासवर्ड का गलत उपयोग किए हो कहकर आरोपियों द्वारा मृतक को प्रताड़ित करता था।

मामले पर पुलिस ने बताया कि 29 अगस्त 23 को सूचक ने मर्ग चाक कराया की पटवारी लखन कुर्रे का भांजा प्रमोद बंजारे जो लखन कुर्रे के किराए के मकान दीनदयाल कालोनी में रहता है फांसी लगाकर फौत हो गया है, इसकी रिपोर्ट पर मर्ग कायम कर शव का पंचनामा पीएम कराया गया। मर्ग जांच दौरान मृतक के पिता, मां व नाना का कथन लिया गया बताया कि लखन कुर्रे, सुबेश कुर्रे एवं लखन की पत्नि के द्वारा बार बार पटवारी का गोपनीय पासवर्ड को गलत उपयोग किए हो कहकर मृतक प्रमोद बंजारे को प्रताड़ित करता था। जिस कारण से मृतक के द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किया है बताए जो मर्ग जांच दौरान आरोपीयो के द्वारा धारा 306,34 का अपराध घटित करना पाए जाने से धारा 306,34 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी लखन कुर्रे एवं सुबेश कुर्रे की विरुद्ध अपराध धारा का सबूत पाए जाने से आज गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया है प्रकरण की विवेचना जारी है।

चोरी का माल समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। चोरी के सरिया छड़ के साथ चोरी करने वाले एवं खरीदने वाला सहित तीन आरोपी को नैला चौकी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले पर पुलिस ने बताया कि प्रार्थी संजय सिह राठौर पिता राधेलाल राठौर निवासी सरखो ने पुलिस को बताया कि सुभाष ट्रेडर्स जांजगीर से खरीद कर 8 बंडल सरीया छड लाया था। जिसका वजन 496 कि.लो. था। जिसे ग्राम सरखो के रविन्द्र साहू के घर आंगन मे रखा था जिसमे से 4 बंडल राड कीमती करीबन करीब 13,000 रू को रात्रि मे कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया है की रिपोर्ट पर जांजगीर में धारा 379, 411, 34 भा.द.वि. कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना दौरान संदेही शिवकुमार सूर्यवंशी उम्र 35 वर्ष, साकिन सरखो को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर अपने दोस्त राजकुमार सूर्यवंशी उम्र 40 वर्ष साकिन सरखो के साथ चोरी करना स्वीकार किए तथा उसे अपने गांव के परदेशी सूर्यवंशी उम्र 44 वर्ष साकिन सरखो के पास बेचना बताया उसके मेमोरेण्डम कथन के तहत चोरी किये गये मशरूका 04 बंडल सरीया छड को परदेशी सूर्यवंशी के बाडी से जुमला कीमती 13,000 रूपये को बरामद किया जाकर गवाहों के समक्ष जप्त किया गया है। आरोपी शिवकुमार सूर्यवंशी उम्र 35 वर्ष,राजकुमार सूर्यवंशी उम्र 40 वर्ष , परदेशी सूर्यवंशी उम्र 44 वर्ष साकिनान सरखो चौकी नैला के विरुद्ध अपराध धारा सदर का सबूत पाए जाने से विधिवत दिनांक 30.09.23 को धारा 41 (क) के नोटिस तामील कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने की स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन

अकलतरा, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। अकलतरा एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित रा. कु.सिंह उ.मा.शाला अकलतरा के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन किया गया। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश मे एक साथ प्रात: 10 बजे से एक घंटा श्रम दान के तहत स्वयं सेवकों द्वारा शाला परिसर,आर के ग्राउंड एवं आस पास के क्षेत्र मे स्वच्छता अभियान चला कर डिस्पोज़ल, पन्नी, प्लास्टिक कचरा आदि एकत्रित कर पूरे परिसर को स्वच्छ किया गया। शाला के प्राचार्य आर के विश्वकर्मा द्वारा स्वयं सेवकों को स्वच्छता शपथ दिलाई गयी तथा रासेयो कार्यक्रम अधिकारी आर के पाण्डेय एवं वर्षा यादव के नेतृत्व मे प्रकृति के दुश्मन तीन,पाउच पन्नी पॉलीथिन जैसे नारों के साथ स्वयंसेवको द्वारा स्वच्छता जागरूकता हेतु नगर मे स्वछता रैली निकाली गई। आस पास को स्वच्छ रखने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका सहित रासेयो के स्वयं सेवक दीक्षा तिवारी अभिलाषा टंडन, यामिनी जायसवाल,आयुषी, साक्षी, मुस्कान, हर्ष, वैभव, प्रभात, आदि स्वयं सेवक उपस्थित थे।

दो अक्टूबर गांधी जयंती को कांग्रेस निकालेगी भरोसा यात्रा

जांजगीर, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को एक दिवसीय विधानसभा स्तरीय कांग्रेस भरोसा यात्रा का आयोजन किये जाने का निर्णय लिया है।

इस संबंध में जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता ने बताया कि भरोसा यात्रा अभियान के माध्यम से जिले के जांजगीर-चांपा, अकलतरा एवं पामगढ़ तीनों विधानसभा क्षेत्रों में 25 से 30 किलोमीटर की यात्रा करते हुए अधिक से अधिक ग्राम पंचायत का भ्रमण कर छत्तीसगढ़ सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ भाजपा सरकार द्वारा अपने विगत 15 वर्षों के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ वासियों के साथ किये गये छल से आमजनता को अवगत कराने का प्रयास किया जाएगा. भरोसा यात्रा के दौरान बाईक रैली, नुक्कड़ सभा करते हुए आमसभा के रूप में समापन किया जाएगा।

जिले में चलाया गया सामूहिक स्वच्छता अभियान

जांजगीर, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। स्वच्छता ही सेवा अभियान और स्वच्छता श्रमदान अभियान के अवसर पर आज जिले के सभी नगरीय निकायों के सभी वार्डों में एवं सभी जनपद पंचायतों के ग्राम पंचायतो में सफाई अभियान चलाया गया । जिसमें सफाई कर्मी के साथ-साथ जनप्रतिनिधि ,आम नागरिक,अधिकारी-कर्मचारी, एनएसएस, एनसीसी, हसदेव के हीरो और राजीव युवा मितान क्लब ने स्वच्छता श्रमदान अभियान में शामिल हुए। इस अवसर पर जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सभी नागरिकों ने भी 1 घंटा समय निकाल कर उत्साहपूर्वक श्रमदान किया और अपने गली, मोहल्ले एवं चौक चौराहों में सघन साफ-सफाई की। राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आव्हान पर जिले में जिले भर में सभी शासकीय संस्थाओं, सामाजिक संस्थाओं एवं स्वयं सेवी संस्थाओं की विशेष सहभागिता रही। सभी ने हाथों में झाड़ू लेकर जोश एवं जज्बे के साथ जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं नागरिक स्वच्छता श्रमदान अभियान में शामिल हुए। विदित है कि 1 अक्टूबर 2023 को सुबह 10 बजे, छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त शहरों में स्वच्छता के लिए एक घंटे के श्रमदान का आह्वान किया गया था। जिससे छत्तीसगढ़ राज्य को लगातार स्वच्छतम राज्य का पुरस्कार प्राप्त हुआ है और स्वच्छता का छत्तीसगढ़ मॉडल सफल हो रहा है। इसमें हर नगरीय निकाय ने स्वच्छता अभियान के लिए हर वार्ड में स्थलों का चयन किया था।

सेवानिवृत अधीक्षण अभियंता को दी गई विदाई

जांजगीर, 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा से सितंबर माह में अधीक्षण अभियंता वायके सिंह, कार्यपालन अभियंता वीएस मनियन, कनिष्ठ पर्यवेक्षक बलराम प्रसाद साहू और अश्वनी कुमार साहू सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्ति हो रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पॉवर कंपनी परिवार की ओर से भावपूर्ण विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष कार्यपालक निदेशक एसके बंजारा ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए पॉवर कंपनी की ओर से आभार जताया।

शहीद दिनेश नंदकुमार पटेल के नाम से जाना जाएगा सिविल हॉस्पिटल

शासन से मिली स्वीकृति

खरसिया 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। शासकीय अस्पताल जिसे सिविल हॉस्पिटल भी कहा जाता वो अब शहीद नंदकुमार पटेल के बड़े सुपुत्र एवं मंत्री उमेश पटेल के बड़े भाई शहीद दिनेश नंदकुमार पटेल के नाम से जाना जायेगा जिसके लिए छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने शासकीय हॉस्पिटल को शहीद दिनेश पटेल के नाम से करने की स्वीकृति प्रदान कर दी है।

बता दें की लंबे समय से जनता की मांग थी की सिविल हॉस्पिटल को शहीद दिनेश नंदकुमार पटेल के नाम से किया जाए, जिसके लिए खरसिया विधानसभा के कांग्रेसियों ने जनता की इच्छा को स्वरूप देने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को ज्ञापन देकर सिविल हॉस्पिटल को शहीद दिनेश नंदकुमार पटेल के नाम से करने का आग्रह भी किया था, जिस पर अब शुक्रवार 29 सितम्बर 2023 को मुहर लग गई है। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने शासकीय हॉस्पिटल खरसिया को शहीद दिनेश नंदकुमार पटेल के नाम से करने आदेश जारी कर दिया है।

ज्ञात हो की खरसिया का सिविल हॉस्पिटल एक समय एक छोटे से कस्बे के छोटे हॉस्पिटल के नाम पर जाना व पहचाना जाता था, किंतु 1990 में शहीद नंदकुमार पटेल के युग की शुरुआत होने के बाद से ही खरसिया के शासकीय हॉस्पिटल की काया कल्प बदलने लगी थी एवं 2003 तक खरसिया का शासकीय हॉस्पिटल अपनी एक विशिष्ट पहचान बना चुका था, जिसका श्रेय नि:संदेह शहीद नंदकुमार पटेल को दिया जाता हैं। 2003 में प्रदेश में सरकार परिवर्तन होने के बाद 15 वर्षो तक उक्त शासकीय हॉस्पिटल निरंतर अपनी पहचान खोने लगा था आम जन मानस सिविल अस्पताल को रिफर सेंटर के नाम से संबोधित करने लगे थे,

किंतु 2013 में उमेश पटेल युग की शुरुआत होना एवं 2018 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनना व खरसिया विधायक उमेश पटेल का केबिनेट मंत्री बनने का इंतजार तो खरसिया क्षेत्र की जनता एवं खरसिया के सिविल अस्पताल को भी था 2018 में केबिनेट मंत्री बनने के बाद से ही उमेश पटेल के प्रयासों से खरसिया के सिविल अस्पताल में डॉक्टरों को एक सुसज्जित टीम सहित एक्सरे मशीन, डेंटल चेयर मशीन, ब्लड सेंटर, हमर लैब, 3 नग डायलिसिस मशीन, बल्ड बैंक एवं हॉस्पिटल में रंग रोगन के साथ निरंतर साफ, सफाई व्यवस्था आदि अनेक सुविधाओ की सौगात मिली आज समूचे प्रदेश में खरसिया का शासकीय हॉस्पिटल एकमात्र ऐसा हॉस्पिटल जहां मरीजो को नि:शुल्क दर पर ब्लड दिया जाता हैं।

पटेल परिवार का योगदान

खरसिया के सिविल अस्पताल में 199 से 213 तक शहीद नंदकुमार पटेल एवं उसके बाद उनके सुपुत्र खरसिया विधायक एवं केबिनेट मंत्री उमेश पटेल के विशेष प्रयासों के कारण ही आज खरसिया का सिविल अस्पताल एक आदर्श हॉस्पिटल के रूप में अपनी पहचान बना चुंका हैं एवं डॉक्टर दिलेश्वर पटेल एवं उनकी पूरी टीम 24 घंटे सेवाएं मरीजों को दे रहे है।खरसिया के सिविल अस्पताल में नंदेली हाउस के योगदान को देखते हुए प्रदेश सरकार से खरसिया के सिविल अस्पताल को शहीद दिनेश नंदकुमार पटेल के नाम पर नामकरण करने हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नाम पर ज्ञापन दिया गया था, जिसकी स्वीकृति का आदेश छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है, उक्त आदेश का खरसिया के जनता ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं उप मुख्यमंत्री टी. एस. सिंहदेव का आभार प्रकट कर धन्यवाद ज्ञापित किया है।

सार-संक्षेप

नगर पंचायत के पदाधिकारियों ने चालाया स्वच्छता अभियान

खरसिया 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। देश में इस वर्ष, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से 'स्वच्छता ही सेवा' 15.09.23 से 02.10.23 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है, स्वच्छता ही सेवा अभियान 2023 की थीम 'कचरा मुक्त भारत' है। इसी क्रम में खरसिया नगर को कचरा मुक्त करते हुए बीमारियों से बचाव हेतु लगातार दवा का छिड़काव किया गया। सुबह दस बजे शहरी क्षेत्र अंतर्गत एक तारीख एक घंटा एक साथ व्यापक स्वच्छता अभियान में श्रमदान करते हुए नगर पालिका अध्यक्षा राधा सुनील शर्मा उपाध्यक्ष राजेश सहीस पार्षद गण शकुंतला राठौर, श्वेता विश्वकर्मा, रिया श्रीवास्तव, हेमा अग्रवाल, अनुसुईया मेहर, अमिता राठौर, रेशम गभेल, परदेशी यादव, ज्योति सिदार, तथा एल्डरमैन हरिशंकर दर्शन जमील कुरैशी, गणेश फोटवानी, परीक्षित राठौर एवं सभी कॉंग्रेस कार्यकर्ता तथा गण मान्य नागरिकों सहित नगरपालिका के अधिकारियों तथा कर्मचारीयों एंव सफ़ाई कर्मचारीयों ने श्रमदान कर सफाई अभियान को गति प्रदान की।

किसान कांग्रेस की अहम बैठक सम्पन्न

सारंगढ 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। आज दोपहर बिलाईगढ क्षेत्र के मुनि चुंआ में किसान कांग्रेस की अहम बैठक सम्पन्न हुई जिसमें आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति पर गहन मंथन करते हुए सरकार को पुन: जिताने का संकल्प लिया गया । इस दौरान प्रदेश महासचिव अरूण गुड्डू यादव दया राम साहू, जिला अध्यक्ष पंकज चंद्रा, भागवत साहू, सरधा पटेल, दिलीप अनंत, सुनील रावत शामिल हुए। बैठक में सरधा पटेल का जन्मदिन मनाया गया।

केशरवानी सेवा समिति का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

सारंगढ 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। केशरवानी सेवा समिति सारंगढ के प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण केशरवानी , कोषाध्यक्ष राजेश केशरवानी व संरक्षक विजेंद्र केशर बानी, रामचरण बानी,शिला केशरवानी,कला केशरवानी,राजेश्वरी केशरवानी के मौजूदगी में शपथ ग्रहण संपन्न हुआ। राजेश गुप्ता ने सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। महिला समिति अध्यक्ष आभा केशरवानी सचिव दीपमाला केशरवानी व तरुण समिति के अध्यक्ष राहुल केशरवानी सचिव साहिल केशरवानी आदि सदस्यों का शपथ ग्रहण कराया गया।

कलेक्टर के निर्देश में संपन्न हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

सक्ती 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नूपुर राशि पन्ना के दिशानिर्देशन में आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 को दृष्टिगत रखते हुए मतदान प्रक्रिया एवं ई.व्ही.एम. के संबंध में तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। आचार संहिता लगने तथा नाम-निर्देशन प्रक्रिया से मतदान समाप्ति तक की सभी जानकारियां विस्तार से दी गई। जिसमें सभी रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, मास्टर ट्रेनर्स, नोडल ऑफिसर्स सहित संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। जिला स्तरीय तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस सभी संबंधित अधिकारियों आमसभा, रैली, जुलूस की अनुमति, संपत्ति विरूपण के मामले, वाहन अनुमति, मतदाता सूची मुद्रण एवं नाम निर्देशन के लिए मतदाता सूची तैयार करना, मतदाता सूची की चिन्हांकित प्रति एवं अन्य प्रतियां तैयार करने सहित फेक न्यूज एवं सोशल मीडिया में भ्रामक समाचार के संबंध में आवश्यक जानकारी और आचार संहिता लगने के बाद निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किये गये दिशानिर्देशों के अनुरूप नियमानुसार किये जाने वाले कार्रवाई की जानकारी विस्तार से दी गई।

सामुदायिक भवन के भूमिपूजन में पहुंचे डॉ. महंत का हुआ स्वागत

सक्ती 01 अक्टूबर (देशबन्धु)। ग्राम पंचायत सकरेली कला में लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरण दास महंत का ग्रामीणों ने करमा नृत्य बाजे गाजे के साथ स्वागत करते हुए मंच स्थल तक ले जाया गया । मितानिन भवन एवं साहू समाज सामुदायिक भवन का लोकार्पण एवं प्राथमिक शाला भूमिपूजन कर भक्त माता कर्मा का पूजा अर्चना फीता काटकर लोकार्पण करते हुए चरण दास महंत ने कहा सरकार सभी समाज का ध्यान रख रही है और हर सामुदायिक भवन मंगल भवन की स्वीकृति प्रदान कर रही है, ताकि हर समाज के लोगों को समस्या ना हो आज साहू समाज का सामुदायिक भवन एवं मितानिन भवन का लोकार्पण किया गया।

केन्द्र की मोदी सरकार ने 35 ट्रेन रद्द कर दी गई है, जिसके चलते छत्तीसगढ़ वासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और अडानी को लाभ पहुंचाने के लिए लगातार कोयले की ढुलाई की जा रही है। इस दौरान अर्जुन तिवारी, यशवंत साहू, अध्यक्ष बालेश्वर साहू ,डमरू धर साहू सरपंच,कलेश राम पटेल, खिलावन पटेल, हील साय पटेल, जगदीश पटेल, लोकनाथ पटेल, लीलाधर पटेल, गंगाराम साहू, देवमती साहू, रामानुजन साहू, रामेश्वरी साहू , गुलजार सिंह ठाकुर, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष त्रिलोकचंद जायसवाल, जिला कोषाध्यक्ष नरेश गेवाडीन, महिला जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गीता देवांगन, मंडी अध्यक्ष रूपनारायण साहू, घनश्याम पाण्डे, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दिगम्बर चौबे, अधिवक्ता गिरधर जायसवाल, डभरा नगर पंचायत अध्यक्ष प्रीतम अग्रवाल ,धनीराम मंहत, रामू जासवाल, डी पी यादव, मनोज अधिवक्ता,राजीव जायसवाल, पिंटू ठाकुर, भुरू अग्रवाल, रथराम पटेल, पीयूष शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण युवा मितान सदस्य समूह की महिलाएं एवं ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित थे।

देश विदेश

नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने 25 लोगों को अगवा किया

अबुजा। नाइजीरिया में दक्षिण-पश्चिमी राज्य ओन्डो के ओसे स्थानीय सरकारी क्षेत्र में बंदूकधारियों ने अंतिम संस्कार के लिए जा रहे एक स्थानीय चर्च के गायक मंडल के कम से कम 25 सदस्यों का अपहरण कर लिया है। स्थानीय पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। ओन्डो में पुलिस के प्रवक्ता ओलुफुनमिलायो ओडुनलामी-ओमिसन्या ने शुक्रवार को घटित हुई घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि पीड़ितों को बचाने और अपराध में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस के अपहरण विरोधी दस्ते और अन्य सामरिक टीमों को क्षेत्र में तैनात किया गया है।

हाफिज सईद का करीबी सहयोगी कराची में ढेर

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के हाफिज सईद के करीबी सहयोगी मुफ्ती कैसर फारूक की पाकिस्तान के कराची में अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। भारत में 26/11

■ अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या की

हमले के पीछे हाफिज सइद को मास्टरमाइड माना जाता है। इस महीने की शुरुआत में, लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक अन्य मौलवी मौलाना जिया उर रहमान की भी कराची में दो बाइक सवार हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। हमलावरों ने उस समय वारदात को अंजाम दिया था जब वह नियमित शाम की सैर थे। सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तानी एजेंसियां जिया उर रहमान और मुफ्ती कैसर दोनों को धार्मिक मौलवियों के रूप में दर्शाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास कर रही हैं, जिनका हाफिज सईद और लश्कर से कोई संबंध नहीं है। इससे पहले, आईएसआई से जुड़ा एक अन्य व्यक्ति परमजीत सिंह पंजवार भी मारा गया था। परमजीत सिंह खालिस्तान कमांडो फोर्स का नेता था। फरवरी में, हिजबुल मुजाहिदीन को उस समय झटका लगा जब उसके लॉन्च कमांडर और सैयद सलाहुद्दीन के करीबी सहयोगी बशीर पीर को रावलपिंडी में आईएसआई मुख्यालय और सैन्य चौकी के पास अज्ञात हमलावरों ने मार डाला था। हमलावरों ने उसे नजदीक से गोली मारी थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इन हालिया हत्याओं के बाद, पाकिस्तान की आईएसआई ने अपनी कई संपत्तियों को सुरक्षित स्थानों पर रख दिया है, जिससे देश के सैन्य-औद्योगिक परिसर में बेचैनी पैदा हो गई है। सितंबर में लश्कर गुर्गों क्रमश- रावलकोट में अबू कासिम कश्मीरी और नाज़िमाबाद में कारी खुर्रम शहजाद की हत्याओं के कारण इन संपत्तियों की सुरक्षा में सावधानी की आवश्यकता और भी अधिक स्पष्ट हो गई।

तुर्की में संसद भवन के पास विस्फोट

अंकारा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। तुर्की सरकार ने कहा है कि राजधानी अंकारा में गृह मंत्रालय की इमारतों के सामने दो आतंकवादियों ने बम हमला किया, जिसमें से एक की विस्फोट में मौत हो गई और दूसरे को अधिकारियों द्वारा निष्प्रभावी कर दिया गया। 2016 के बाद तुर्की की राजधानी में यह पहला विस्फोट था जो संसद भवन से एक मील से भी कम की दूरी पर हुआ। गृह मंत्री अली येरलिकाया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक?स पर बताया कि दो आतंकवादी स्थानीय समय के अनुसार रविवार सुबह 9:30 बजे के आसपास एक वाणिज्यिक वाहन में आम सुरक्षा निदेशालय भवन पहुंचे थे। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, येरलिकाया ने बताया कि एक ने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई, जबकि दूसरा इमारत के बाहर तैनात सुरक्षा बलों की गोलीबारी में मारा गया। उन्होंने बताया कि

घटना में दो पुलिस अधिकारी मामूली रूप से घायल हो गये। अधिकारियों ने संसद भवन सहित कई सरकारी संस्थानों के करीब से गुजरने वाले एक मुख्य मार्ग पर यातायात बंद कर दिया। पुलिस ने यह भी घोषणा की कि वह शहर के अन्य हिस्सों में संदिग्ध पैकेजों के लिए नियंत्रित विस्फोट करेगी। राज्य संचालित अनादोलु समाचार एजेंसी के अनुसार, अंकारा में तुर्की की आपराधिक शांति अदालत ने मीडिया की पहुंच और हमले के प्रकाशन पर प्रतिबंध लगा दिया।

■ एक आतंकवादी की मौत, दूसरा भी मार गिराया गया

इस साल 386 पाकिस्तानी सुरक्षा कर्मियों ने अपनी जान गंवाई : मीडिया रिपोर्ट

इस्लामाबाद। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में 2023 के पहले नौ महीनों के दौरान लगभग 386 पाकिस्तानी सुरक्षा कर्मियों ने अपनी जान गंवाई है। इनमें 137 सेना के जवान और 208 पुलिसकर्मी शामिल हैं। यह आंकड़ा आठ साल के उच्चतम स्तर पर है। सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज (सीआरएसएस) की रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष के दौरान अब तक हिंसा से संबंधित 1,087 मौतें दर्ज की गईं, जिनमें से 368 (34 प्रतिशत) अपराधियों को झेलनी पड़ीं, इसके बाद 333 (31 प्रतिशत) मौतें नागरिकों को हुईं। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हिंसा में लगातार और चिंताजनक वृद्धि हुई है। उतनी ही बड़ी चिंता इन दोनों प्रांतों में दर्ज की गई हिंसा से संबंधित मौतों का सामूहिक प्रतिशत है जो पिछले पांच वर्षों में चिंताजनक वृद्धि की प्रवृत्ति का संकेत देता है। कुल मिलाकर, उन्हें 2019 में सभी मौतों में से 72 प्रतिशत का सामना करना पड़ा, और यह अस्थिर आंकड़ा 2023 के पहले नौ महीनों में आश्चर्यजनक रूप से 92 प्रतिशत तक बढ़ गया। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 की तीसरी तिमाही के दौरान 190 आतंकी हमलों और आतंकवाद विरोधी अभियानों में लगभग 445 लोगों की जान चली गई और 440 घायल हो गए।

सुडोकू 6334

		3	2		4			
1				6			5	9
8	6							
2					1	4		
	3						9	
		1	6					8
							2	7
6	2			3				5
			7		9	3		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6334

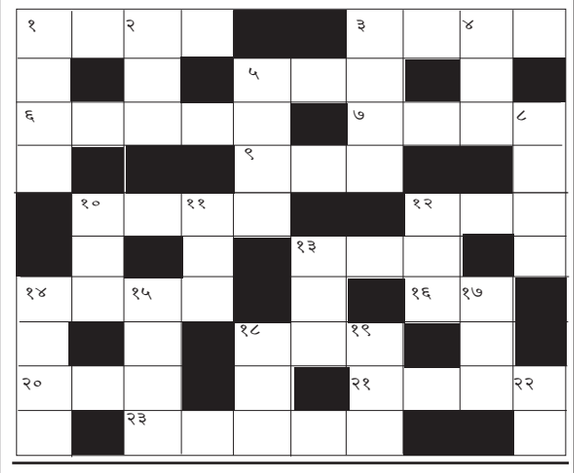

बायें से दायें:-

१. अतृप्त, अप्रसन्न
३. कोषागा, खजाना
५. पागल, विक्षिप्त
६. किसी वस्तु के बनाने में होने वाला खर्च
७. क्षतिपूर्ति, क्षतिपूर्ति की राशि (उर्दू)
९. अंजन
१०. वह कल्पित पर्वत जिसके पीछे सूर्य का डूबना माना जाता है
१२. किसी गीत के मुखड़े के अन्य अतिरिक्त पद,
१३. प्रारब्ध, भाग्य
१४. किसी व्यक्ति या संस्था को दिया जाने वाला राजकीय पत्र (चार्टर)
१६. अंत:करण, चित्त
१८. कांटा
२०. रामचंद्र
२१. पत्र प्रसिद्ध रूसी उपन्यास लेखक तथा समाज सुधारक
२३. सोने का कमरा

ऊपर से नीचे:-

१. मुनाफाखोरी
२. फौरन
३. शोरगुल
४. बोलने का ढंग, बोलचाल (उर्दू)
५. बचपन
८. जिसकी कामनाएं पूरी न हुई हो (उर्दू)
१०. बड़ा भाई
११. आचरण, स्वभाव, शील
१२. आखिरी
१३. बिलकुल, पूरी तरह
१४. जिसका शासनकाल सुखमय और खुशहाली का हो (उपमा)
१५. दूसरे के अधीन, पराधीन
१७. जिसकी नाक कटी हुई हो
१८. स्त्रियों के हाथ में पहनने का एक गहना
१९. व्यंग्य, ताना
२२. अगर

वर्ग पहेली-6333

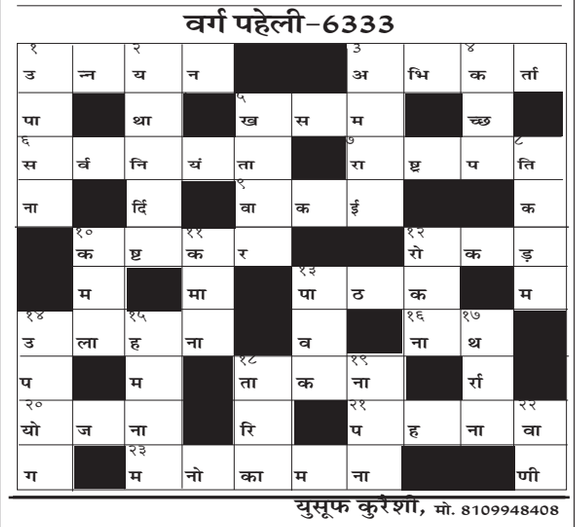

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : सोमवार 2 अक्टूबर , 2023 भाद्र आश्विन पक्ष 4

राशिफल

मेष -आज जो भी काम करेंगे, उसमें उत्साह बना रहेगा। शारीरिक और मानसिक रूप से ताजगी और बनी रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। मित्रों और स्वजनों के साथ खुशी के पल गुजार सकेंगे।

वृषभ -आज का दिन आप के लिए शुभ फलदायी नहीं है। अनेक प्रकार की चिंता आपको हो सकती है। शारीरिक स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहेगा। स्वजनों और स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है।

मिथुन -व्यापारीवर्ग के लिए आज का दिन शुभफलदायी है। व्यापार तथा आय में वृद्धि होगी। मित्रों से लाभ होगा। नौकरी में अधिकारियों की कृपादृष्टि से आपके लिए पदोन्नति भी संभव है।

कर्क -आज का दिन आपके लिए शुभ है। नौकरीपेशा लोगों से अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पदोन्नति का योग है। परिवार में वातावरण अच्छा बना रहेगा। घर की साज-सजावट कर उसे सुंदर बना सकेंगे। माता से भी लाभ मिलेगा।

सिंह -आज का दिन आलस्य तथा थकान में गुजरेगा। स्वभाव में उग्रता के कारण मानसिक रूप से व्यग्रता रहेगी। पेट दर्द के कारण परेशानी होगी। सफलता प्राप्त करने के लिए अधिक मेहनत करनी होगी।

कन्या -आज के दिन नए काम की शुरूआत न करें। बाहरी खाद्य पदार्थों से स्वास्थ्य खराब होने की संभावना रहेगी। गुस्सा अधिक रहेगा, अत: बोलने पर संयम रखें। पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव हो सकता है।

तुला -आपका आज का दिन सफलता और आमोद- प्रमोद से भरा होगा, जिससे पूरे दिन मन में प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। सार्वजनिक जीवन में सफलता और सिद्धि प्राप्त करेंगे। दोस्तों के मौज-मस्ती पर धन खर्च होगा।

वृश्चिक -परिवार में सुख- शांति का माहौल रहेगा। शारीरिक-मानसिक स्वस्थता बनी रहेगी। खर्च पर नियंत्रण होगा। बीमार व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होता हुआ प्रतीत होगा। विरोधियों और दुश्मनों को पराजित कर सकेंगे।

धनु -आज कार्य सिद्धि और सफलता न मिले तो हताश न हो। आप अपने काम करते रहें। क्रोध पर संयम रखें। संतान से सम्बंधित विषय से मन चिंताग्रस्त रहेगा। आज कोई यात्रा न करें। हो सकें तो आज ज्यादातर समय मौन रहकर गुजारें।

मकर -आज आपकी मन:स्थिति और स्वास्थ्य कुछ अच्छा नहीं रहेगा। परिवार में क्लेशमय वातावरण से मन खिन्न रहेगा। शरीर में ताजगी एवं प्रफुल्लता का अभाव रहेगा। अपनों से मनमुटाव का प्रसंग हो सकता है।

कुंभ -मानसिक रूप से आज आप बहुत हल्कापन महसूस करेंगे। आपके मन पर छाए हुए चिंता के बादल हटने से आपके उत्साह में वृद्धि होगी। घर में भाई-बहनों के साथ आपके संबंध अच्छे बने रहेंगे।

मीन -अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें। किसी के साथ संघर्ष हो सकता है। वित्तीय मामले और लेन-देन में सावधानी रखनी पड़ेगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ मतभेद हो सकता है। मन पर नकारात्मकता हावी होगी।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

वियतनाम में बाढ़ के कारण नौ लोगों की मौत

हनोई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। वियतनाम के उत्तरी और मध्य क्षेत्रों में 26 सितंबर से 28 सितंबर तक आई बाढ़ में नौ लोगों की मौत हो गई,जबकि एक व्यक्ति लापता है और 10 अन्य घायल हुए हैं। प्राकृतिक आपदा रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति ने शनिवार को यह जानकारी दी। समिति ने बताया कि भारी बारिश के कारण आई बाढ़ ने घरों, सड़कों, धान और अन्य फसलों को भी नुकसान पहुंचाया है। साथ ही मुर्गियां और मवेशी भी मारे गए। सामान्य सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार इस वर्ष के पहले नौ महीनों में देश में प्राकृतिक आपदाओं (मुख्य रूप से बाढ़ और भूस्खलन) में 98 लोग मारे गए या लापता हो गए और 103 अन्य घायल हुए हैं।

दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा 'उत्तर कोरिया को कभी भी परमाणु हथियार संपन्न देश की मान्यता नहीं मिलेगी'

सियोल, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उत्तर कोरिया को कभी भी परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में मान्यता नहीं दी जाएगी। साथ ही कहा, परमाणु हथियारों के चलते वहां की सरकार के खिलाफ और अधिक प्रतिबंध लगेंगे। मंत्रालय ने यह टिप्पणी उत्तर कोरिया के विदेश मंत्री चोए सोन-हुई द्वारा शनिवार को जारी एक बयान के जवाब में की, जिसमें दावा किया गया कि उत्तर कोरिया के पास परमाणु हथियार होना वैध है।

दक्षिण कोरियाई मंत्रालय ने एक बयान में कहा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय स्पष्ट रूप से उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल विकास और उकसावे पर प्रतिबंध लगाता है। उत्तर कोरिया के कार्यों और दावों के बावजूद, उसके परमाणु हथियारों को कभी मान्यता नहीं दी जाएगी, और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के प्रतिबंध और भी गहरे हो जाएंगे। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, चोए ने अपने बयान में प्योंगयांग द्वारा अपने

संविधान में परमाणु बल नीति को मजबूत करने के नवीनतम उपाय के जवाब में पिछले सप्ताह बुलाई गई यूएनएससी बैठक की आलोचना की।

पिछले सप्ताह नेता किम जोंग-उन की उपस्थिति में, उत्तर कोरिया ने 14वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली (एसपीए) का एक सत्र आयोजित किया। सत्र में सर्वसम्मति से देश के अस्तित्व और विकास के अधिकार को सुनिश्चित करने, युद्ध को रोकने और उच्च स्तर पर परमाणु हथियारों को तेजी से विकसित करने का निर्णय लिया गया।

मालदीव में मुइज्जू ने जीता राष्ट्रपति पद का चुनाव'

माले, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मालदीव में प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) और पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) गठबंधन के उम्मीदवार मोहम्मद मुइज्जू ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में जीत दर्ज की है। स्थानीय मीडिया द्वारा संकलित प्रारंभिक परिणाम में यह जानकारी दी गई है।

राष्ट्रपति पद के चुनाव में निवर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह और मुइज्जू के बीच आमने-सामने की प्रतिस्पर्धा थी। गौरतलब है कि श्री मुइज्जू , राजधानी शहर माले के मेयर भी हैं। प्रारंभिक परिणाम के अनुसार श्री मुइज्जू ने मतगणना प्रक्रिया के दौरान बढ़त बना ली और अंत में 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किए। प्रारंभिक परिणाम के आधार पर श्री

मुइज्जू पांच साल के लिए मालदीव के नए राष्ट्रपति के रूप में काम करेंगे। उल्लेखनीय है कि नौ सितंबर को राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर में किसी भी उम्मीदवार ने 50 प्रतिशत से अधिक वोट नहीं मिले थे। उस दौरान श्री मुइज्जू ने 46 प्रतिशत से अधिक और श्री सोलिह 39 फीसदी मत हासिल किया था।

■ चुनाव में राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह और मुइज्जू के बीच थी प्रतिस्पर्धा

कंबोडिया में 14 हजार से अधिक ड्रग संदिग्ध गिरफ्तार

फोनों पेन्ह, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। कंबोडियाई अधिकारियों ने 2023 के पहले नौ महीनों के दौरान 331 विदेशियों सहित कुल 14 हजार 722 संदिग्धों को नशीली दवाओं से संबंधित मामलों में गिरफ्तार किया है। देश के नशीली दवाओं के विरोधी विभाग ने रविवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 51 प्रतिशत संदिग्ध ड्रग तस्कर, निर्माता और ट्रांसपोर्टर थे, जबकि बाकी इनके उपयोगकर्ता थे। रिपोर्ट में कहा गया है, 2023 की जनवरी-सितंबर अवधि के दौरान संदिग्धों के कब्जे से कुल 2.68 टन अवैध दवाएं और लगभग 911 किलोग्राम सामग्रियां जब्त की गईं। जब्त की गई अधिकांश दवाएं केटामाइन, हेरोइन, एक्स्टसी, कोकीन, क्रिस्टल मेथमफेटामाइन, मेथमफेटामाइन गोलियां और कैथिनोन थीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल की समान अवधि की तुलना में कंबोडिया में नशीली दवाओं की गिरफ्तारियों में वृद्धि देखी गई, लेकिन नशीली दवाओं की बरामदगी में गिरावट आई है, रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य ने 2022 के पहले नौ महीनों के दौरान 11,431 नशीली दवाओं के संदिग्धों को गिरफ्तार किया, 6.25 टन नशीले पदार्थों को जब्त किया। दक्षिण पूर्व एशियाई देश में मादक पदार्थों के तस्करों के लिए मौत की सजा का प्रावधान नहीं है। इसके कानून के तहत 80 ग्राम से अधिक अवैध दवाओं की तस्करी का दोषी पाए जाने पर किसी को आजीवन कारावास की सजा हो सकती है।

सुडोकू 6334 का हल

9	5	3	2	7	4	6	8	1
1	7	4	8	6	3	2	5	9
8	6	2	9	1	5	7	4	3
2	8	5	3	9	1	4	7	6
4	3	6	5	8	7	1	9	2
7	9	1	6	4	2	5	3	8
3	4	9	1	5	6	8	2	7
6	2	7	4	3	8	9	1	5
5	1	8	7	2	9	3	6	4

आज का इतिहास

1869- महात्मा गांधी का गुजरात के पोरबंदर में जन्म।
1904- भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म हुआ।
1929- गांधी जी ने नवजीवन कार्यालय को एक सार्वजनिक न्यास बनाया।
1951- श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जन संघ की स्थापना की।
1952- भारत में सामुदायिक विकास कार्यक्रम की शुरूआत 1952 में हुई।
1961- बम्बई (अब मुंबई) में शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया का गठन 1961 में हुआ।
1968- मेक्सिको सिटी में ओलंपिक खेल शुरू होने से पहले छात्रों के खूनी आंदोलन के दौरान पुलिस के साथ संघर्ष में 25 लोगों की मौत।
1971- राष्ट्रपति ने बिरला सदन को देश को समर्पित किया।
1982- ईरान की राजधानी तेहरान में बम विस्फोट से 60 मरे, 700 घायल।
1985- दहेज निषेधाज्ञा संशोधन कानून अस्तित्व में आया।
1988- मंडपम और पंबन को जोड़ने वाले समुद्र के ऊपर बने उस समय के सबसे बड़े सड़क पुल को यातायात के लिए खोला गया।
1989- तमिलनाडु में मंडपम और पम्बन के बीच समुद्र के ऊपर सबसे लंबा पुल खुला।
2001- 19 देशों के संगठन नाटो ने अफगानिस्तान पर हमले के लिए हरी झंडी दी।
2004- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने कांगों में 5900 सैनिक भेजने का प्रस्ताव मंजूर किया।
2006- दक्षिण अफ्रीका ने परमाणु ईंधन आपूर्ति मामले पर भारत को समर्थन देने का फैसला किया।
2007- उत्तर कोरिया तथा दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरी शिखर बैठक सम्पन्न हुई।
2012- नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने 20 छात्रों की हत्या की।
2014- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर में एक राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में 'स्वच्छ भारत मिशन' की शुरुआत की।

प्रक्रिया अमेरिकी सीनेट ने स्टॉपगैप फंडिंग विधेयक को दी मंजूरी

अमेरिकी कांग्रेस ने अंतिम क्षणों में सरकार को शटडाउन से बचाया

वाशिंगटन, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी सीनेट ने संघीय सरकार के शटडाउन को रोकने के आखिरी मिनट के प्रयास में, शनिवार रात को सदन द्वारा पारित 45-दिवसीय स्टॉपगैप फंडिंग विधेयक को मंजूरी दे दी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार को नवंबर के मध्य तक वित्त पोषित रखने वाले विधेयक को सीनेट में नौ के मुकाबले 88 वोटों से मंजूरी दे दी गई। सदन को नियंत्रित करने वाले कट्टरपंथी साथी रिपब्लिकन के विद्रोह के बाद हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी द्वारा 45-दिवसीय प्रस्ताव प्रस्तावित किया गया था।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया, इसके पारित होने से कैपिटल हिल पर एक नाटकीय दिन समाप्त हो गया, जिसकी शुरुआत सरकार के लगभग निश्चित शटडाउन की ओर बढ़ती दिखाई दे रही थी। खर्च समाधान पर डेमोक्रेट के साथ काम करने की मांगों को हफ्तों तक खारिज करने वाले हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी एक अस्थायी पैच सामने लाए, जो केवल पर्याप्त डेमोक्रेटिक मदद से ही पारित हो सकता था। रविवार से शुरू होने

वाले शटडाउन से हजारों संघीय कर्मचारियों को बिना वेतन के रहना पड़ता विभिन्न सरकारी सेवाएं निलंबित हो जाती। सीनेट की मंजूरी के बाद जारी एक बयान में, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा, आज रात, सदन और सीनेट में द्विदलीय बहुमत ने सरकार को खुला रखने के लिए मतदान किया, इसस एक अनावश्यक संकट को रोका जा सकाा, जिससे लाखों मेहनती अमेरिकियों को अनावश्यक पीड़ा हो सकती थी। उन्होंने कहा, यह बिल सुनिश्चित करता है कि सैनिकों को भुगतान मिलता रहेगा, यात्रियों को हवाई अड्डे पर देरी से बचाया जाएगा, लाखों महिलाओं और बच्चों को पोषण सहायता मिलती रहेगी।

बिडेन ने स्टॉपगैप फंडिंग बिल पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने शनिवार देर रात इस वित्तीय वर्ष के लिए संघीय सरकार की फंडिंग समाप्त होने से कुछ मिनट पहले 45-दिवसीय स्टॉपगैप फंडिंग विधेयक पर हस्ताक्षर किए। सरकारी शटडाउन को टालने के आखिरी मिनट के प्रयास में, हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने शनिवार सुबह नया बिल जारी किया, जो नवंबर के मध्य तक संघीय एजेंसियों को मौजूदा स्तर पर वित्त पोषित रखेगा और इसमें 16 अरब अमेरिकी डॉलर शामिल हैं जो आपदा राहत के लिए राष्ट्रपति द्वारा अनुरोधित डॉलर की धनराशि है। नए विधेयक में रूढ़िवादी रिपब्लिकन द्वारा मांगे गए भारी खर्च कटौती और सीमा सुरक्षा प्रावधानों को हटा दिया गया है। साथ ही इसमें यूक्रेन के लिए डेमोक्रेट द्वारा मांगी गई अतिरिक्त सहायता शामिल नहीं है।

दुनिया को जानें

चैटजीपीटी हो सकता है ज्यादा असरदार साइकोथेरेपी : शोध

न्यूयॉर्क, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाल ही में किए गए दो शोधों में खुलासा किया गया है कि ओपनएआई के चैटजीपीटी-4 किसी व्यक्ति की सोच, उसकी डेमोग्राफी के अनुसार उसके लिए उसकी शैली के अनुसार नैरेटिव बना सकता है। पिछले रिसर्च से पता चला है कि पर्सनल नैरेटिव्स आइडेंटिटी में महत्वपूर्ण रोल निभा सकते हैं और हमें अतीत और वर्तमान को समझने में मदद कर सकते हैं। यह लोगों की नैरेटिव को रिइन्टरप्रेट करने में मदद करके, थेरेपिस्ट्स मरीजों को स्वस्थ विचारों और व्यवहारों की ओर मार्गदर्शन कर सकते हैं। पेंसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी के पॉजिटिव साइकोलॉजी सेंटर के शोधकर्ताओं ने इंडिविजुअल पर्सनल नैरेटिव्स जनरेट करने के लिए चैटजीपीटी-4 की क्षमता का टेस्ट किया। जर्नल ऑफ पॉजिटिव साइकोलॉजी में प्रकाशित स्टडी के निष्कर्षों से पता चला है कि 26 में से 25 प्रतिभागियों ने एआई-जनरेटेड प्रतिक्रियाओं को पूरी तरह या अधिकतर सटीक बताया, 19 ने नैरेटिव को बहुत या कुछ हद तक आश्चर्यजनक बताया, और 19 ने संकेत दिया कि उन्होंने अपने बारे में कुछ नया सीखा है।

खेल जगत

अदिति ने गोल्फ व्यक्तिगत स्पर्धा में जीता रजत, पुरुष टीम हारी

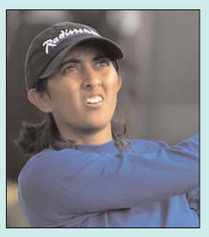

हांगझोउ 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की शीर्ष गोल्फर अदिति अशोक ने रविवार को एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 17 अंडर पार के स्कोर के साथ व्यक्तिगत महिला गोल्फ स्पर्धा में रजत पदक जीत लिया वहीं अनिर्बान लाहिरी और उनकी पुरुष टीम अपने मुकाबले हार गई। चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में आज हुए महिला गोल्फ व्यक्तिगत मुकाबले में अदिति अशोक ने अंतिम राउंड से पहले सात शॉट की बढ़त बना ली थी। हालांकि अदिति ने आज चार बोगी और एक डबल बोगी लगाई, जिससे थाईलैंड की अर्पिचया युबोल ने दो शॉट की बढ़त बना ली और स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया की ह्युनजो ने छह स्थान की बढ़त बनाते हुए कांस्य पदक जीता। प्रणवी उर्स चार अंडर पार के साथ 13वें स्थान पर रहीं, जबकि अवनि प्रशांत तीन ओवर पार के साथ संयुक्त रूप से 18वें स्थान पर रहीं। वहीं पुरुष गोल्फ मुकाबले में अनिर्बान लाहिरी और पुरुष टीम पदक जीतने में असफल रही।

एशियाड में स्वर्ण, रजत व कांस्य के साथ निशानेबाजी अभियान समाप्त

हांगझोउ 01 अक्टूबर (वार्ता) भारतीय निशानेबाजों का रविवार को टीम स्पर्धाओं में स्वर्ण, रजत और व्यक्ति मुकाबले में कांस्य पदक जीतने के साथ एशियाई खेलों में उनका अभियान समाप्त हो गया। चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में आज पृथ्वीराज टोंडिमन, जोरावर सिंह संधू और किनान डेरियस चेनाई ने पुरुषों की निशानेबाजी टीम ने शानदान प्रदर्शन कर 361 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

इसके अलावा किनान चेनाई ने पुरुषों के व्यक्तिगत ट्रैप में कांस्य पदक भी जीता। दूसरी ओर राजेश्वरी कुमारी, कीर मनीषा और रजक प्रीति की महिला निशानेबाजी टीम ने स्पर्धा में रजत पदक जीता। भारतीय टीम को 337 के स्कोर के साथ रजत पदक मिला। क्वालीफाइंग राउंड में किनान चेनाई सिर्फ तीन शॉट से चूके और 122/125 के साथ शीर्ष पर रहे। 46 वर्षीय जोरावर सिंह संधू क्वालीफाइंग राउंड में 120 के साथ दूसरे स्थान पर रहे। पृथ्वीराज टोंडाइमान ने 119 अंकों के साथ 11वां स्थान हासिल किया। किनान चेनाई ने फाइनल में 32/40 का स्कोर बनाकर व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता, जबकि जोरावर सिंह संधू 23/30 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहे। क्वालीफाइंग राउंड में सिर्फ शीर्ष छह निशानेबाजों ने ही व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई। चीन के यिंग की ने अपने 50 में से 46 शॉट निशाने पर लगाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि कुवैत के तलाल अल-रशीदी ने 45/50 के साथ रजत पदक जीता। मनीषा कीर ने चौथे सेट में परफेक्ट 25 का स्कोर किया और 114/125 के स्कोर के साथ महिला ट्रैप में व्यक्तिगत फाइनल में पहुंचने वाली एकमात्र भारतीय निशानेबाज रहीं। हालांकि, वह छह निशानेबाजों के बीच बाहर होने वाली पहली महिला थीं। उनके 20 में से चार शॉट निशाने से चूक गए। इस साल की शुरुआत में आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिए ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली राजेश्वरी कुमारी ने क्वालीफाइंग राउंड में 111 स्कोर करने के बाद 11वें स्थान पर रहीं। प्रीति रजक 112 के साथ नौवें स्थान पर रहीं। इस बार एशियाई खेलों में भारत ने सात स्वर्ण, नौ रजत और छह कांस्य पदक सहित कुल 22 पदक जीते।

एथलेटिक्स में अविनाश साबले ने जीता स्वर्ण पदक

चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में रविवार को भारतीय एथलीट अविनाश साबले ने पुरुषों की 3 मीटर स्टीपलचेज दौड़ स्पर्धा में रिकार्ड समय के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

अविनाश साबले ने आज एथलेटिक्स में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने पुरुषों की 3, मीटर स्टीपलचेज दौड़ में 8:19:53 के समय के साथ पहला स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता।

इस जीत के साथ अविनाश साबले एशियाई खेलों के इतिहास में 3 मीटर स्टीपलचेज में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी भी बन गए हैं।

एशियाई खेलों यह भारत का 12वां स्वण पदक है तथा एथलेटिक्स के स्पर्धा में तीसरा पदक है।

गोला फेंक स्पर्धा में तेजिंदारपाल सिंह तूर ने जीता स्वर्ण पदक

भारत के तेजिंदारपाल सिंह तूर ने रविवार को एशियाई खेलों के गोला फेंक (शॉटपुट) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में तेजिंदारपाल तूर ने 2.36 मीटर के थ्रो में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। एशियाई खेलों का उनका यह लगातार दूसरा स्वर्ण पदक है। आज हुए मुकाबले में तेजिंदारपाल ने पहले दो प्रयास में फाउल करने के बाद तीसरे प्रयास में 19.51 मीटर का थ्रो लगाया। उनका चौथा थ्रो 2.6 मीटर का रहा लेकिन पांचवां थ्रो फिर फाउल हो गया। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास आखिरी थ्रो पर 2.36 मीटर था जिसने उन्हें स्वर्ण पदक दिलाया। स्पर्धा में सउदी अरब के मोहम्मद डोडा टोलो ने 2.18 मीटर के साथ रजत पदक जीता जबकि चीन के लियू यांग को 19.97 मीटर के साथ कांस्य पदक मिला।

भारतीय तीरंदाजी टीम और ज्योति सुरेखा वेन्नम क्वालिफिकेशन राउंड में शीर्ष पर

हांगझोउ 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की ज्योति सुरेखा वेन्नम ने रविवार को हुए मुकाबलों में व्यक्तिगत महिला कंपाउंड तीरंदाजी के क्वालिफिकेशन राउंड में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय महिला कंपाउंड टीम भी पहले स्थान पर रही।

चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में आज फुयांग यिनहु स्पोर्ट्स सेंटर में प्रतिस्पर्धा करते हुए ज्योति सुरेखा वेन्नम (704 अंक) ने दक्षिण कोरियाई जोड़ी चैवोन सो (699 अंक) और योह्युन ओह (697 अंक) को हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। महिला कंपाउं की मौजूदा विश्व चैंपियन भारत की अदिति गोपीचंद स्वामी चौथे (696 अंक) स्थान पर रहीं जबकि परनीत कौर (687 अंक) और अवनीत कौर (685 अंक) ने क्रमश: 12वां और 15वां स्थान हासिल किया।

इस बीच, भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने एलिमिनेशन राउंड का कट हासिल करने के लिए 2087 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। पुरुषों की कंपाउंड क्वालिफिकेशन में, भारत के ओजस प्रवीण देवताले (709 अंक) और अभिषेक वर्मा (708 अंक) व्यक्तिगत रैंकिंग में क्रमश: तीसरे और चौथे स्थान पर रहे। भारतीय कंपाउंड तीरंदाज प्रथमेश जावकर (700 अंक) और रजत चौहान (698 अंक) ने क्रमश: 10वां और 16वां स्थान हासिल किया। भारत की पुरुष कंपाउंड टीम 2117 अंकों के साथ दक्षिण कोरिया के बाद दूसरे स्थान पर रही।

कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में, ज्योति सुरेखा वेन्नम और ओजस प्रवीण देवताले की भारतीय जोड़ी ने 1413 के कुल स्कोर के साथ टॉप-सीडिंग हासिल की।

इस बीच, पुरुष रिकर्व क्वालिफिकेशन स्पर्धा में, अतानु दास की अगुवाई वाली भारतीय टीम 2022 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही और एलिमिनेशन राउंड तक पहुंचने में सफल रही।

व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन में ओलंपियन अतानु दास (678 अंक) चौथे स्थान पर रहे, जबकि धीरज बोम्मदेवरा (675 अंक), तुषार शेल्के (669 अंक) और मृणाल चौहान (667 अंक) क्रमश: 7वें और 15वें और 17वें स्थान पर रहे।

महिलाओं की रिकर्व व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन में, सभी चार भारतीय तीरंदाज शीर्ष दस से बाहर रहे। 14वें स्थान के स्थान अंकिता भक्त (649 अंक) सर्वश्रेष्ठ भारतीय तीरंदाज रहीं। भजन कौर (640 अंक), सिमरनजीत कौर (640 अंक) और प्राची सिंह (593 अंक) क्रमश: 18वें, 19वें और 55वें स्थान पर रहीं। रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में, अंकिता भक्त और अतानु दास की भारतीय जोड़ी 1327 के कुल अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रही। उल्लेखनीय है कि भारत ने इस बार एशियाई खेलों में 16 सदस्यीय भारतीय तीरंदाजी टीम भेजी है। एशियाई खेल में तीरंदाजी स्पर्धाएं सात अक्टूबर तक आयोजित होंगी।

भारत ने चारों पूल मैच जीत सेमीफाइनल में स्थान बना स्वर्ण का दावा और मजबूत किया

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 30 सितंबर (देशबन्धु)। कप्तान अनुभवी ड्रैग फ्लिकर कप्तान हरमनप्रीत, वरुण कुमार और स्ट्राइकर मनदीप सिंह के अब तक आठ-आठ तथा अभिषेक और ललित उपाध्याय के पांच-पांच गोल की बदौलत दुनिया की तीसरी वरीयता प्राप्त भारत की पुरुष हॉकी टीम ने अब तक दे दनादन कुल 46 गोल (27 मैदानी, 16 पेनल्टी कॉर्नर, तीन मैदानी) कर हंगजू(चीन)में 19 वें एशियाई खेलों में पूल ए में अपने शुरू के चारों मैच जीत कुल 12 अंकों के साथ सबसे पहले सेमीफाइनल में स्थान बना अपना इस बार स्वर्ण पदक जीतने का दावा और मजूबत किया है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ इतिहास की शनिवार को 10-1 से सबसे बड़ी जीत के साथ अपने घर में 1982 में नई दिल्ली में एशियाई खेलों में राष्ट्रीय स्टेडियम में अपनी जफर इकबाल की अगुआई वाली टीम को मिली 1-7 की हार की कसक बहुत हद तक मिटा दी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम की ताकत मौजूदा एशियाई खेलों में तेज आगाज, अग्रिम पंक्ति का बेहतरीन तालमेल और आखिरी मिनट तक गोल करने की ललक है। ऐसे में पूरे रंग में चल रही विजयरथ पर सवाल भारत की पुरुष हॉकी टीम को अब सोमवार को पूल ए में अंतिम मैच में बांग्लादेश के लिए रोकना लगभग नामुमकिन है। बांग्लादेश अब तक चार में से दो ही मैच जीत पाई है। भारत के लिए सबसे सुखद यह है कि उसके लिए उसके दोनों गोलरक्षकों पीआर श्रीजेश और कृष्ण बहादुर पाठक तथा जर्मनप्रीत सिंह व नीलकांत शर्मा को छोड़ उसके लिए 14 अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए हैं। भारत ने मौजूदा चैंपियन जापान के खिलाफ पूल मैच में 4-0 की बढ़त लेने के बाद अंतिम समय की जरा सी ढील सहित दो गोल खाने सहित चार मैचों में मात्र पांच गोल ही खाए हैं। भारत ने अब तक जो पांच में से चार गोल पेनल्टी कॉर्नर पर खाए हैं और उसके खिलाफ मात्र एक मैदानी गोल हुआ।

भारत के पूल ए में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम के लिए उससे अपना अपना मैच हारने वाली मौजूदा चैंपियन जापान और पाकिस्तान अंतिम पूल मैच से फैसला होगा। जापान और पाकिस्तान ने तीन तीन मैच जीते हैं और दोनों के समान रूप से नौ नौ अंक हैं लेकिन अपने बेहतर गोल अंतर के कारण जापान फिलहाल दूसरे स्थान पर है। जापान के लिए ऐसें ड्रॉ ही काफी जबकि पाकिस्तान के लिए हर हाल में जीत जरूरी है। भारत का ऐसे में सेमीफाइनल में पिछली बार की तरह एक फिर मलयेशिया से मुकाबला संभव है। मलयेशिया को पूल बी में शीर्ष पर रहने के लिए अपने अब तक चारों मैच जीतने वाली मेजबान चीन को पीछे छोड़ने के लिए उससे अंतिम मैच कितने गोल अंतर से जीतना है यह उसके खिलाफ उतरने से पहले ही मालूम हो जाएगा क्योंकि तब तक दक्षिण कोरिया भी ओमान के खिलाफ पूल बी में अपना अंतिम मैच खेल चुकी होगी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह, अनुभवी मनप्रीत सिंह और विवेक सागर प्रसाद के लंबे स्कूप पर भारतीय लिंकमैन शमशेर, स्ट्राइकर मनदीप, ललित उपाध्याय, गुरजंट व अभिषेक के लिए डी में गेंद पहुंचाने का जवाब अब तक तो इन खेलों में किसी भी प्रतिद्वंद्वी टीम के पास फिलहाल दिखाई नहीं दे रहा है। भारत की मध्यपंक्ति में हमेशा की तरह आक्रामक सेंटर हाफ हार्दिक सिंह, अनुभवी मनप्रीत सिंह व विवेक सागर प्रसाद के साथ शमशेर सिंह लिंकमैन के रूप में खेलते हुए बराबर आगे अषिभेक ,मनदीप, गुरजंट व सुखजीत सिंह के लिए गेंद आगे बढ़ा दबाव बनाने की रणनीति अपनाई है वह उसका बतौर टीम मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ है।

लगातार तीसरे वर्ल्ड कप से बाहर युजवेंद्र चहल का छलका दर्द

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने विश्व कप के लिए भारतीय टीम में नहीं चुने जाने को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि अब ड्रॉप होने की आदत सी हो गई है। ये उनकी जिंदगी का हिस्सा हो चुका है। ये पहला मौका नहीं है जब चहल को टीम मैनेजमेंट ने नजरअंदाद किया है। इससे पहले भी कई बार ऐसा हो चुका है।

हालांकि, कोच और कप्तान ने इस फैसले के पीछे वजह बल्लेबाजी में गहराई लाना बताया है, लेकिन घरेलू सरजमीं पर युजवेंद्र चहल जैसे शानदार स्पिन गेंदबाज को बाहर रखने के फैसले पर कई क्रिकेट दिग्गज ने भी हैरानी जताई है। अब, इस मुद्दे पर चहल ने खुलकर अपनी बात रखी है। चहल को 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक घरेलू धरती पर होने वाले विश्व कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली।

विजडन इंडिया ने चहल के हवाले से कहा, मैं समझता हूं कि केवल 15 खिलाड़ी ही इसका हिस्सा हो सकते हैं, क्योंकि यह एक विश्व कप है। जहां आप 17 या 18 को नहीं ले सकते। मुझे थोड़ा बुरा लगता है, लेकिन जीवन में मेरा उद्देश्य आगे बढ़ना है। उन्होंने हंसते हुए कहा, मुझे अब इसकी आदत हो गई है...तीन विश्व कप हो गए हैं।

2019 के बाद से चहल आईसीसी टूर्नामेंट में भाग लेने में कामयाब नहीं हुए हैं। 2016 में अपने डेब्यू के बाद से भारत की सफेद गेंद वाली टीम में नियमित रूप से चहल ने खेला था। उन्हें इंग्लैंड में 2019 विश्व कप में 12 विकेट लिए थे। विश्व कप से उनका बाहर होना एक बड़ी चर्चा का विषय था। महान ऑफ-स्पिनर हरभजन सिंह जैसे कई पूर्व खिलाड़ियों ने कहा कि चहल को टीम में लिया जाना चाहिए था। इस बीच, चहल केंट के साथ तीन मैचों की काउंटी चैंपियनशिप के लिए इंग्लैंड चले गए और अब उनका ध्यान भारत के लिए टेस्ट खेलने का मौका पाने पर है।

चहल ने कहा, मैं यहां (केंट में) खेलने आया हूं क्योंकि मैं किसी भी तरह कहीं न कहीं क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मुझे यहां लाल गेंद से मौका मिल रहा है और मैं गंभीरता से भारत के लिए लाल गेंद से खेलना चाहता हूं। इसलिए यह मेरे लिए एक अच्छा अनुभव था। टीम में अन्य स्पिन गेंदबाजों और भारत के वर्ल्ड कप सफर पर चहल ने कहा, निश्चित रूप से वे अच्छा कर रहे हैं और मैं इसकी सराहना करता हूं। मुख्य लक्ष्य यह है कि भारत जीते, क्योंकि यह कोई व्यक्तिगत खेल नहीं है। मैं टीम का हिस्सा हूं या नहीं, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे चुनौती पसंद है और यह मुझे बताती है कि मुझे कड़ी मेहनत करने की ज़रूरत है ताकि मैं टीम में वापसी कर सकूं।

लुइस सुआरेज ने फोर्टलेज़ा के खिलाफ ग्रेमियो के लिए अंक हासिल किया

रियो डी जनेरियो, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। लुइस सुआरेज के गोल की मदद से ग्रेमियो ने ब्राजील की सीरी ए चैंपियनशिप में फोर्टालेजा को 1-1 से बराबरी पर रोका और एक अंक हासिल किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, अनुभवी थियागो गैलार्डो ने हाफटाइम से ठीक पहले पेनल्टी स्पॉट से फोर्टलेज़ा को बढ़त दिला दी, लेकिन जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा ग्रेमियो अधिक एकजुट दिखे और दूसरे हाफ में कई मौकों के साथ गोल करने के करीब पहुंच गए। फिर, सुआरेज़ ने अंतिम क्षणों में मेजबान टीम के डिफेंस को तोड़ते हुए गोल दागा। ग्रेमियो ब्राज़ील की 20-टीम सीरी ए तालिका में 25 खेलों में 44 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, वह शीर्ष पर चल रहे बोटाफोगो से सात अंक पीछे है।

निकहत जरीन को मुक्केबाजी में मिला कांस्य

हांगझोउ 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन को रविवार को एशियाई खेलों के मुक्केबाजी मुकाबले के सेमीफाइनल में हार के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में भारत की स्टार महिला मुक्केबाज निकहत को महिलाओं की 50 किलोग्राम मुक्केबाजी के सेमीफाइनल मुकाबले में थाईलैंड की चुथामात रक्सत के खिलाफ 3-2 से हार के साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष की शुरुआत में विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जरीन और रक्सत का आमना- सामना हुआ था और तब भारतीय मुक्केबाज शीर्ष पर रहीं थी।

निकहत जरीन और थाईलैंड की मुक्केबाज के बीच काफी रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। दोनों मुक्केबाज शुरुआत से ही एक दूसरे पर हावी रहे। निकहत ने अपने फुटवर्क का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए अपने हमले और बचाव पर खासा ध्यान दिया और बीच-बीच में उन्होंने कई पंच भी जड़े, लेकिन अंत में भारतीय मुक्केबाज को इस मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। दिन के अन्य मुकाबले में भारत की परवीन हुड्डा ने उज्बेकिस्तान की सितोरा टर्डिबेकोवा को सर्वसम्मत निर्णय (5-0) से हराकर महिलाओं के 57 किग्रा सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस 23 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने सेमीफाइनल में जगह बनाकर पहले एशियाई खेलों के पदक के साथ-साथ अगले साल होने वाले पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए भारत के लिए कोटा भी हासिल कर लिया है।

सार संक्षेप

हमें विश्वास है कि टीम वर्ल्ड कप में कुछ खास कर सकती है : मिलर

नई दिल्ली। मिडिल ऑर्डर द.अफ्रीकी बल्लेबाज डेविड मिलर का मानना है कि मौजूदा टीम भारत में 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक होने वाले विश्व कप में कुछ खास करने में सक्षम है। दक्षिण अफ्रीका अपने घर में ऑस्ट्रेलिया पर 3-2 से सीरीज जीतकर वर्ल्ड कप के लिए आई है। वनडे क्रिकेट में अब तक सबसे प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने से चूकने वाली प्रोटियाज टीम 7 अक्टूबर को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में 1996 के चैंपियन श्रीलंका के खिलाफ अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी। मिलर ने बीबीसी से कहा, हम वास्तव में विश्वास करते हैं कि हम कुछ विशेष कर सकते हैं। वास्तविकता यह है कि हमने विश्व कप नहीं जीता है। इसलिए, इस सच्चाई को नजरअंदाज करने का कोई मतलब नहीं है। हालांकि, इससे हमारे खेल पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह इस बारे में है कि आपके सामने क्या है...अगली गेंद, आपका अगला पल। मैं जानता हूं कि बाकी लोग भी इसी मानसिकता के हैं। हम इसे इतिहास रचने के मौके के तौर पर देख रहे हैं। यह कितना शानदार मौका है। अगर हम अच्छा खेलते हैं, तो हम जानते हैं कि हमारे पास शानदार मौका है। दक्षिण अफ्रीका पुरुषों की वनडे रैंकिंग में चौथी सर्वश्रेष्ठ टीम के रूप में मेगा इवेंट में प्रवेश करेगा और शीर्ष 15 व्यक्तिगत रैंकिंग सूची में मिलर सहित पांच बल्लेबाज हैं। पिछले विश्व कप चक्र में मिलर का औसत 6.7 और स्ट्राइक रेट 114.15 है। वह भारतीय परिस्थितियों में अपने बल्लेबाजी समूह को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए समर्थन दे रहे हैं।

हांगझोऊ एशियाड में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से माहौल रोमांचक : प्रवक्ता

हांगझोऊ। एशियाई खेलों के खेल संचालन केंद्र के प्रवक्ता झू किनान ने रविवार को कहा कि हांगझोऊ एशियाई खेलों में आधा सफर पूरा हो चुका है और सभी खिलाड़ियों ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ से पूर्व ओलंपिक शूटिंग चैंपियन ने कहा, मैचों की प्रगति सभी पहलुओं में सुचारू रही है। जब से प्रतियोगिताएं शुरू हुई हमें वास्तव में कुछ छोटी समस्याओं और मुद्दों का सामना करना पड़ा लेकिन समय पर कार्रवाई और प्रतिक्रिया के साथ हमने उन्हें तुरंत हल भी कर लिया। प्रतियोगिताएं उच्च स्तर की होती हैं, चाहे वह ओलंपिक प्रतियोगिताएं हों या गैर-ओलंपिक। कुल 3 प्रतियोगिता स्थलों ने शनिवार को 28 कार्यक्रमों की मेजबानी की। जिसके परिणामस्वरूप 25 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। शनिवार रात 1 बजे तक, 22 देशों और क्षेत्रों में 24 स्वर्ण पदक गए हैं। वर्तमान पदक तालिका में चीन शीर्ष पर है। उसके बाद जापान और दक्षिण कोरिया हैं। झू किनान ने कहा, अब तक कुल 34 देशों और क्षेत्रों ने पदक जीते हैं, जो प्रतिनिधिमंडलों की कुल संख्या का 76 प्रतिशत है।

नवनीत कौर के गोल से भारत की महिला टीम ने पिछड़ने के बाद द. कोरिया को बराबरी पर रोका

■ भारत का शीर्ष रह सेमीफाइनल में पहुंचना लगभग तय

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। अनुभवी आक्रामक मिडफील्डर नवनीत कौर के तीसरे क्वॉर्टर में पेनल्टी कॉर्नर पर दागे एकमात्र गोल की बदौलत पिछले उपविजेता भारत की महिला हॉकी टीम ने पिछड़ने के बाद पांच बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया को हंगजू(चीन) में 19 वें एशियाई खेलों के पूल ए के अहम तीसरे मैच में रविवार को एक एक गोल की बराबरी पर रोक कर अंक बांटे। हाईजिन चू ने 11 वें मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदल कर दक्षिण कोरिया को 1-0 से आगे कर भारत को चौंका दिया था। भारत और दक्षिण कोरिया ,दोनों के तीन तीन मैचों में दो-दो जीत और एक एक ड्रॉ के साथ समान रूप से साथ सात सात अंक हैं। भारत अपने बेहतर गोल अंतर के कारण पूल ए में अभी भी शीर्ष पर है। दुनिया के सातवें नंबर की टीम भारत को अपना अंतिम पूल मैच मंगलवार को कमजोर हांगकांग के कारण खेलना और इसमें जीत के साथ उसके पूल ए में शीर्ष पर रहकर सेमीफाइनल में पहुंचना लगभग तय है। वहीं दक्षिण कोरिया और मलयेशिया के बीच अंतिम पूल ए के मैच से इसमें दूसरे स्थान पर रहने वाली दूसरी टीम का फैसला होगा।

दक्षिण कोरिया ने रणनीति के तहत यह जानते हुए कि भारत की बड़ी ताकत दीपिका, वंदना कटारिया, ललरेमसियामी , संगीता के रूप में उसकी अग्रिम पंक्ति है रविवार को उसके हमले नाकाम बीच में नाकाम करने लगाया। भारत को रविवार को रफ खेल खेलने वाले दक्षिण कोरिया के खिलाफ जो चार पेनल्टी कॉर्नर मिले भी उनका उपकप्तान दीप ग्रेस एक्का ठीक से लाभ नहीं उठा पाई। हाईजून चू ने पहला क्वॉर्टर खत्म होने से चार मिनट पहले मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर बहुत ही चतुराई से गेंद को गोल में डाल दक्षिण कोरिया को 1-0 से आगे कर भारत को चौंकाने के साथ उस पर दबाव बढ़ा दिया। रविवार के मैच में भारत की नवनीत कौर को मैच के 47 वें गलत ढंग से दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी को अपनी डी में बढने पर पीला कार्ड दखा मैदान से बाहर भेज दिया। नवनीत कौर ने तीसरे पेनल्टी कॉर्नर खेल पर तीसरा क्वॉर्टर पर उपकप्तान दीप ग्रेस एक्का के पुश पर गेंद को संभाल कर भारत को एक-एक की बराबरी दिला दी। नवनीत कौर को गोल कर भारत को बराबरी दिलाने के तीन मिनट बाद रफ टैकल पर पीला कार्ड दिखा पांच मिनट के लिए मैदान से बाहर भेज दिया। जब वह पांच मैदान पर वापस लौटी तो बराबरी पाने के लिए विजयदाई गोल के लिए अपनशे हमले तेज कर देने वाली भारतीय टीम की स्ट्राइकर को गलत ढंग से रोकने पर दक्षिण कोरिया के लिए एकमात्र गोल करने वाली हाईजून चू को पीला कार्ड दिखा कर नाजुक वक्त पर पांच मिनट के लिए मैदान भेज दिया। भारत ने आखिरी क्वॉर्टर में दो और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन इनमें वह किसी को गोल में बदलने और विजयदाई गोल करने में नाकाम रहा और मैच एक एक गोल की बराबरी पर खत्म हुआ।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

नेस्ले इंडिया	1.45 प्रतिशत
टाटा स्टील	1.18 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	0.67 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	0.52 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	0.39 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

टेक महिंद्रा	1.30 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	1.29 प्रतिशत
इंफोसिस	1.00 प्रतिशत
एशियन पेंट	0.89 प्रतिशत
कोटक बैंक	0.83 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	59900
बिटुर	59275
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	30,345
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74,700
वायदा	72,285
चांदी सिक्का लिवाली	825
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	83.143	83.775
पौंड स्टर्लिंग	103.09	105.45
यूरो	88.51	88.80
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम रविवार को भी स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

झारखंड में लिथियम का भंडार, देश के ईवी उद्योग को मिलेगा मजबूत आधार

रांची, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के कोडरमा और गिरिडीह की धरती से निकलने वाले अभ्रक की चमक कभी पूरी दुनिया तक पहुंचती थी। अब इंटरनेशनल मार्केट में न तो अभ्रक की डिमांड रही और न ही उसकी खदानें बचीं। लेकिन इसी धरती के भीतर खोजे गए बेशकीमती खनिज लिथियम के बड़े भंडार ने देश में बैटरी आधारित इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के लिए अपार संभावनाएं जगाई हैं। नेशनल मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट (एनएमईटी) ने भू-तात्विक सर्वेक्षण में पाया है कि कोडरमा और गिरिडीह में लिथियम के अलावा कई दुर्लभ खनिजों का बड़ा भंडार है। पूरी दुनिया में आने वाले वर्षों में जीरो कार्बन ग्रीन एनर्जी के जिन लक्ष्यों पर काम चल रहा है, उसमें लिथियम को गेमचेंजर मिनरल के तौर पर देखा जा रहा है। लिथियम का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों के अलावा मेडिकल टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री, मोबाइल फोन, सौर पैनल, पवन टरबाइन और अन्य रिन्यूएबल टेक्नोलॉजी में किया जाता है। जियोलाजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने हाल में कर्नाटक में 1600 टन और इसके बाद जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में 59 लाख टन लिथियम का भंडार खोजा था। अब झारखंड के कोडरमा, गिरिडीह के अलावा पूर्वी सिंहभूम और हजारीबाग में इस बेशकीमती धातु के उत्खनन की संभावनाओं पर काम चल रहा है।

खोजे गए बेशकीमती खनिज लिथियम के बड़े भंडार ने देश में बैटरी आधारित इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के लिए अपार संभावनाएं जगाई

झारखंड के कोडरमा जिले के तिलैया ब्लॉक और उसके आसपास जियोकेमिकल मैपिंग में यहां उपलब्ध लिथियम, सीज़ियम और अन्य तत्वों में हाई कन्स्ट्रेशन (उच्च सांद्रता) पाया गया है। फिलहाल देश का इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग अभी भी अपनी लिथियम आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह से आयात पर निर्भर है। अभी हम लिथियम का आयात मुख्य तौर पर चीन से करते हैं। भारत सरकार ने 2030 तक ईवी को 30 फीसदी तक बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है। इस लक्ष्य को हासिल करने में लिथियम सबसे आवश्यक धातु है। इसलिए लिथियम के उत्खनन की संभावनाओं पर सरकार का खास तौर पर फोकस है। ऐसे में कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर के बाद झारखंड में लिथियम के भंडार की खोज को भविष्य की दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। जीएसआई के सर्वे के अनुसार झारखंड के कोडरमा के तिलैया ब्लॉक और ढोढ़ाकोला-कुसुमा बेल्ट में लिथियम के अलावा सिजियम, गिरिडीह के गांवा ब्लॉक और कोडरमा के पिहरा बेल्ट में एलआई (ली), सिजियम, आरईई और आरएम जैसे धातुओं का भंडार होने की संभावनाएं हैं। विगत 29 सितंबर को झारखंड सरकार के भूतात्विक पर्षद की उच्चस्तरीय बैठक में राज्य में लिथियम की खोज के परिणामों पर चर्चा की गई। सरकार ने राज्य में लिथियम खनन की संभावनाओं पर काम करना शुरू कर दिया है। निवेशकों ने भी इसे लेकर अपनी रुचि प्रदर्शित की है।

बीते जून महीने में पैन एशिया मेटल्स लि0 के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक पॉल लॉक ने सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की थी और झारखंड में लिथियम खनन के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की थी। सीएम ने कहा था कि झारखंड सरकार नियमों के अनुसार लिथियम प्रोडक्शन की संभावनाओं पर योजनाबद्ध तरीके से काम करेगी।

फ्रीलांसरों व स्टार्टअप्स ने बेंगलुरु में बढ़ाई सह-कार्यशील स्थानों की मांग

बेंगलुरु, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्टार्टअप्स के गढ़ आईटी सिटी बेंगलुरु में स्टार्टअप्स द्वारा अधिक लचीले कार्यालयों को चुनने का चलन देखा जा रहा है, जिन्हें को-वर्किंग स्पेस के रूप में जाना जाता है। शहर में को-वर्किंग स्पेस की मांग बढ़ रही है। बेंगलुरु में एचएसआर लेआउट में दुनिया का सबसे बड़ा सह-कार्यशील परिसर है। सह-कार्यशील स्थान स्टार्टअप के लिए काम आ रहे हैं क्योंकि वे कार्यालय स्थान को किराए पर लेने, पट्टे पर देने या खरीदने में होने वाले भारी निवेश को बचाते हैं। वे आवश्यकता, बजट और समय के अनुसार कार्यालय स्थान उपलब्ध कराते हैं।

स्टार्टअप्स के गढ़ आईटी सिटी बेंगलुरु में स्टार्टअप्स द्वारा अधिक लचीले कार्यालयों को चुनने का चलन देखा जा रहा है, जिन्हें को-वर्किंग स्पेस के रूप में जाना जाता है

जैसे-जैसे यह चलन जोर पकड़ रहा है, उद्यमी यह भी समझ रहे हैं कि सह-कार्यशील स्थान भी महत्वपूर्ण नेटवर्किंग में मदद कर रहे हैं। सह-कार्य पट्टे के अनुबंधों और विभिन्न विकल्पों के संदर्भ में लचीलापन प्रस्तुत करता है। भौगोलिक लचीलापन भी एक महत्वपूर्ण संपत्ति है, क्योंकि सह-कार्यस्थल प्रीमियम और आसानी से सुलभ स्थानों में उपलब्ध हैं। स्टार्टअप ऐसे प्रशासनिक और परिचालन कार्यों से मुक्त हो सकते हैं और व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इसलिए, सह-कार्य उनके इच्छित लचीलेपन को पूरा कर सकता है। न केवल प्रक्रियाएं, बल्कि सह-कार्य पारंपरिक कार्यालय पट्टों, किराया, उपयोगिताओं, रखरखाव और कार्यालय साज-सज्जा से जुड़ी प्रारंभिक लागत को भी काफी हद तक कम कर सकता है। एंजाइम ऑफिस स्पेस के सह-संस्थापक और सीईओ आशीष अग्रवाल ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'भारत में लचीले कार्यालयों की बढ़ती मांग, काम की बदलती आदतों और स्टार्टअप और फ्रीलांसरों की वृद्धि ने बेंगलुरु को 39 प्रतिशत के साथ शीर्ष शहर बना दिया है।. इसके बाद दिल्ली एनसीआर का स्थान आता है।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.34 डॉलर घटकर 590.7 अरब डॉलर पर

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में कमी आने से 22 सितंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.34 डॉलर घटकर लगातार तीसरे सप्ताह गिरता हुआ 590.7 अरब डॉलर पर आ गया वहीं इसके पिछले सप्ताह यह 86.7 करोड़ डॉलर कम होकर 593.04 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 22 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.6 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 523.4 अरब डॉलर रह गयी। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 30.7 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 44.3 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 7.9 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह घटकर 18 अरब डॉलर रह गया। इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.1 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ पांच अरब डॉलर रह गई।

ऋण डिफॉल्टर हीरा व्यापारी गुजरात में बनवा रहा अस्पताल, एचडीएफसी बैंक ने भेजा नोटिस

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक विचित्र घटनाक्रम में, मुंबई का एक प्रमुख ऋण डिफॉल्टर हीरा व्यापारी - गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक (गिफ्ट) सिटी, गांधीनगर में एक मेगा-अस्पताल का निर्माण कर रहा है। व्यापारी को ऋण प्रदान करने वाले एचडीएफसी बैंक ने मामले में लीलावती कीर्तिलाल मेहता एंड फैमिली मेडिकल ट्रस्ट (एलकेएमएफएम ट्रस्ट) के ट्रस्टियों को नोटिस भेजा है, जो बांद्रा के प्रसिद्ध लीलावती अस्पताल का संचालन करता है। एचडीएफसी बैंक ने 2002 में ट्रस्टी किशोर के. मेहता, उनके बेटे राजेश के. मेहता से 14.75 करोड़ रुपए का बकाया व उनके दूसरे बेटे और ट्रस्टी राजीव के. मेहता से 23.50 करोड़ रुपए से अधिक की राशि के साथ ब्याज

और जुर्माना वसूलने के लिए स्प्लेंडर जेम्स लिमिटेड (पहले ब्यूटीफुल डायमंड्स लिमिटेड) के खिलाफ डीआरटी-2 में कार्यवाही दायर की थी। राजीव के. मेहता एक अन्य प्रमुख हीरा कारोबारी भरत शाह के दामाद हैं, जो कभी बॉलीवुड के शीर्ष फाइनेंसर थे।

21 वर्षों से, एचडीएफसी बैंक लीलावती अस्पताल के इन तीन ट्रस्टियों से अपना कुल बकाया वसूलने के लिए संघर्ष कर रहा है, जो डीआरटी-2 के समक्ष स्प्लेंडर जेम्स लिमिटेड मामले में डिफॉल्टर हैं, साथ ही सुप्रीम कोर्ट में कार्यवाही और मुंबई में चेक बाउंस मामले का गिरगांव कोर्ट में सामना कर रहे हैं। फरवरी 2020 में, रिकवरी ऑफिसर ने एंटवर्प, बेल्जियम में रहने वाले राजेश के. मेहता सहित मेहता तिकड़ी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट, उनके शेयरों, बैंक खातों और लॉकरों की कुर्की, उनकी विदेश यात्राओं पर प्रतिबंध, उनके खातों के फोरेंसिक ऑडिट का आदेश दिया था। वसूली अधिकारी के आदेश को किशोर के मेहता और राजेश के मेहता ने अदालत में चुनौती दी और किशोर के मेहता ने गिफ्ट सिटी (गुजरात) स्थित लीलावती अस्पताल पर एक हलफनामा दायर किया।

हलफनामे में, किशोर के. मेहता ने कहा कि गुजरात का लीलावती अस्पताल, जिसकी लागत लगभग 300 करोड़ रुपये है, पूरी तरह से व्यक्तियों के दान पर बनाया जाएगा, और दावा किया कि वह उस परियोजना में किसी भी तरह से शामिल नहीं हैं, न ही धन का निवेश कर रहे हैं। इसमें हालांकि उन्हें इसमें 'प्रमोटरों' में से एक के रूप में दिखाया गया है। एचडीएफसी बैंक के नोटिस में कहा है कि एलकेएमएफएम ट्रस्ट के ट्रस्टी किशोर के. मेहता और उनकी पत्नी चारू मेहता और लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट (एलकेएमएम ट्रस्ट) के ट्रस्टी किशोर के. मेहता, उनकी पत्नी चारू मेहता और उनके ट्रस्टी हैं। बेटे प्रशांत और राजेश, गिफ्ट सिटी में अत्याधुनिक लीलावती अस्पताल बनाने की योजना बना रहे हैं।

सार संक्षेप

एयर इंडिया 23 अक्टूबर से कोच्चि से दोहा के लिए दैनिक फ्लाइट्स शुरू करेगी

नई दिल्ली। एयरलाइन अधिकारियों ने रविवार को बताया कि एयर इंडिया 23 अक्टूबर से कोच्चि को कतर की राजधानी दोहा से दैनिक नॉन-स्टॉप सेवा के साथ जोड़ने के लिए तैयार है। फ्लाइट एआई953 दोपहर 1:3 बजे (आईएसटी) प्रस्थान करेगी और 3:45 बजे दोहा पहुंचेगी। वापसी फ्लाइट एआई954 दोहा से शाम 4:45 बजे उड़ान भरेगी और रात 11:35 बजे (ऑल लोकल टाइम पर) कोच्चि में उतरेगी। अधिकारी ने कहा, 'ए32नियो एयरक्रॉफ्ट से संचालित इस फ्लाइट में 162 सीटें होंगी, जिसमें 15 इकोनॉमी और बिजनेस क्लास में 12 हैं।' एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, 'नया लॉन्च घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में कनेक्टिविटी का विस्तार करने और फ्रीक्वेंसी बढ़ाने की एयर इंडिया की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।' यह सर्विस मध्य पूर्व में हमारे परिचालन को और सघन और मजबूत करेगी। सभी चैनलों पर उड़ानों के लिए बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी है।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से भारतीय बाजार में रहेगा उथल पुथल

नई दिल्ली। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण घरेलू मुद्रास्फीति के बढ़ने के जोखिम को देखते हुए आने वाले समय में अस्थिरता बनी रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि निवेशक अन्य संकेतकों के अलावा घरेलू, अमेरिकी और चीनी पीएमआई डेटा की रिलीज पर बारीकी से नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मुद्रास्फीति के दबाव के कारण बढ़ती चिंताओं के बीच, जो फेड द्वारा दरों में एक और बढ़ोतरी की आशंकाओं से बढ़ी है, घरेलू बाजार में पूरे सप्ताह उथल पुथल जारी रहेगा। अमेरिकी बांड यील्ड में वृद्धि और भारतीय रुपये में अस्थिरता ने विदेशी निवेशकों के लिए घरेलू सूचकांकों के आकर्षण को और कम कर दिया है। इसके अलावा, कम तरलता और खरीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए उत्प्रेरकों की कमी के कारण, बाजार को उच्च स्तर पर मजबूत प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। पूरे सप्ताह, आईटी शेयरों ने प्रतिकूल वैश्विक संकेतों के कारण कमजोर प्रदर्शन किया, जबकि फार्मा क्षेत्र में मजबूत खरीददारी देखी गई। निवेशकों ने वैश्विक अनिश्चितताओं के जवाब में रक्षात्मक रणनीति अपनाई है। उन्होंने कहा, फिर भी बाजार ने औद्योगिक विकास की स्वस्थ गति के कारण सकारात्मक रुख के साथ सप्ताह का समापन किया। कोर सेक्टर में सालाना आधार पर 12 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, सोमवार को गांधी जयंती के अवसर पर भारतीय बाजार बंद रहेंगे। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर हम उम्मीद करते हैं कि आगे बाजार व्यापक दायरे में कारोबार करेगा क्योंकि तेल की ऊंची कीमत ने मुद्रास्फीति पर चिंता को फिर से बढ़ा दिया है और इसके चलते लंबे समय तक उच्च ब्याज दर का माहौल बना रह सकता है।

आरबीआई बैठक का बाजार पर रहेगा असर

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व बाजार के कमजोर रुख से हुई बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह मामूली गिरावट पर रहे घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह वैश्विक रुझान के साथ ही रिजर्व बैंक (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के निर्णय का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 180.74 अंक टूटकर सप्ताहांत पर 65828.41 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 35.95 अंक गिरकर 19638.30 अंक पर रहा। वहीं, समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में हुई लिवाली की बदौलत बाजार को समर्थन मिला। इस दौरान मिडकैप 391.95 अंक की तेजी के साथ सप्ताहांत पर 32340.71 अंक और स्मॉलकैप 504.75 अंक उछलकर 37562.23 अंक पर पहुंच गया।

विश्लेषकों के अनुसार, आरबीआई की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक 04 से 06 अक्टूबर को होना प्रस्तावित है। अगस्त की बैठक में केंद्रीय बैंक ने नीतिगत दरों को यथावत रखा था लेकिन अगले सप्ताह होने वाली बैठक में रेपो दर में चौथाई प्रतिशत की कटौती किये जाने की उम्मीद जताई जा रही है। इसका असर बाजार पर अगले सप्ताह देखा जा सकेगा।

इसके अलावा दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति और विश्व बाजार में कच्चे तेल की कीमतों की अगले सप्ताह शेयर बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश रुख का भी बाजार पर असर रहेगा। एफआईआई ने सितंबर में 26,692.16 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। वहीं, आलोच्य अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशक 20,312.65 करोड़ रुपये के लिवाल रहे हैं, जिससे बाजार को बल मिला है।विश्व बाजार की गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और कोटक बैंक समेत पंद्रह दिग्गज कंपनियों में साढ़े चार प्रतिशत से अधिक तक की तेजी के बावजूद इंफोसिस, एसबीआई, रिलायंस और टाटा मोटर्स समेत 15 अन्य कंपनियों में करीब डेढ़ प्रतिशत तक की गिरावट से सोमवार को सेंसेक्स 14.54 अंक बढ़कर 66023.69 अंक और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ 19674.55 अंक पर सपाट रहा। वैश्विक बाजार की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर टेक महिंद्रा, इंफोसिस, मारुति और एसबीआई समेत पंद्रह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से मंगलवार को सेंसेक्स 78.22 अंक की गिरावट लेकर 65945.47 अंक और निफ्टी 9.85 अंक फिसलकर 19664.70 अंक रह गया। एशियाई बाजारों की तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हेल्थकेयर, इंडस्ट्रियल्स, कैपिटल गुड्स और रियल्टी समेत सोलह समूहों में हुई लिवाली से बुधवार को सेंसेक्स 173.22 अंक की तेजी लेकर 66118.69 अंक और निफ्टी 51.75 अंक की बढ़त के साथ 19716.45 अंक पर पहुंच गया। विश्व बाजार के कमजोर रुझान और कच्चे तेल की कीमतों में आए उबाल के बीच स्थानीय स्तर पर सितंबर के मासिक वायदा सौदा निपटान को लेकर हुई चौतरफा बिकवाली के दबाव में गुरूवार को सेंसेक्स 610.37 अंक का गोता लगाकर 65508.32 अंक और निफ्टी 192.90 अंक की गिरावट लेकर 19523.55 अंक पर आ गया। विश्व बाजार की तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हेल्थकेयर, धातु, कमोडिटीज, ऊर्जा, तेल एवं गैस और पावर समेत 18 समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शुक्रवार को सेंसेक्स 320.09 अंक की तेजी के साथ 65828.41 अंक और निफ्टी 114.75 अंक उछलकर 19638.30 अंक पर पहुंच गया।

एशियाई बाजारों की तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हेल्थकेयर, इंडस्ट्रियल्स, कैपिटल गुड्स और रियल्टी समेत सोलह समूहों में हुई लिवाली से बुधवार को सेंसेक्स 173.22 अंक की तेजी लेकर 66118.69 अंक और निफ्टी 51.75 अंक की बढ़त के साथ 19716.45 अंक पर पहुंच गया। विश्व बाजार के कमजोर रुझान और कच्चे तेल की कीमतों में आए उबाल के बीच स्थानीय स्तर पर सितंबर के मासिक वायदा सौदा निपटान को लेकर हुई चौतरफा बिकवाली के दबाव में गुरूवार को सेंसेक्स 610.37 अंक का गोता लगाकर 65508.32 अंक और निफ्टी 192.90 अंक की गिरावट लेकर 19523.55 अंक पर आ गया।

एयरटेल के यूनीक 5जी ग्राहकों की संख्या पांच करोड़ के पार

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल ने शनिवार को घोषणा की कि देश में उसके नेटवर्क पर पांच करोड़ से अधिक यूनीक 5जी ग्राहक हैं। कंपनी ने यह भी घोषणा की कि एयरटेल 5जी प्लस सेवाएं देश के सभी जिलों में उपलब्ध हैं। कंपनी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के बलिया से लेकर ओडिशा के ऐतिहासिक कटक तक, झारखंड के सबसे छोटे जिले रामगढ़ से राजस्थान के वन्यजीव प्रेमियों के लिए बिश्नोई भूमि तक, केरल के शांत सराय से कश्मीर के गांवों तक, एयरटेल के ग्राहक अब डिजिटल सुपरहाइवे पर हैं और तेज गति का आनंद ले रहे हैं। भारती एयरटेल के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, रणदीप सेखों ने एक बयान में कहा, यह एयरटेल के 5जी कवरेज के एक बड़े विस्तार का प्रतीक है, जो 2022 के अक्टूबर में 10 लाख से लॉन्च के केवल 12 महीनों में पांच करोड़ तक पहुंच गया है। विस्तार पूरी गति से जारी है और मुझे यकीन है कि हम हमारे सभी ग्राहकों को 5जी युग में प्रवेश करने में सक्षम बनाने के लिए राष्ट्रव्यापी कवरेज की दिशा में काम करते हुए तेजी से बढ़ना जारी रखेंगे।' देश में 5जी सेवाएं पिछले साल अक्टूबर में लॉन्च की गई थीं। शुरुआत में एयरटेल ने दिल्ली, मुंबई, वाराणसी और बेंगलुरु सहित आठ शहरों में यह सेवा शुरू की थी।

एयरटेल एक वैश्विक संचार समाधान प्रदाता है जिसके दक्षिण एशिया और अफ्रीका के 17 देशों में 50 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। कंपनी वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन मोबाइल ऑपरेटरों में शुमार है, और इसका नेटवर्क दो अरब से अधिक लोगों को कवर करता है।

खाद्य तेल और दालों में मिलाजुला रुख

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान के प्रभाव से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के अलावा दाल-दलहन में भी मिलाजुला रुख रहा वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अक्टूबर वायदा सप्ताहांत पर 63 रिंगिट उबलकर 3705 रिंगिट प्रति टन हो गया। वहीं, अक्टूबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.63 सेंट की गिरावट लेकर 56.86 सेंट प्रति पौंड रह गया।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 147 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि मूंगफली तेल 220 रुपए, सोया रिफाइंड 146 रुपए और वनस्पति तेल 133 रुपए प्रति क्विंटल उतर गया। वहीं, सूरजमुखी तेल और पाम ऑयल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 13187 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 20292 रुपए प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 12820 रुपए प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 11575 रुपए प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 8866 रुपए प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 10533 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा।

प्रोडक्शन में कटौती के कारण सैमसंग को तीसरी तिमाही में चिप घाटा कम होने की संभावना

सोल, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स को तीसरी तिमाही में अपने चिप घाटे को कम करने की उम्मीद है, जिसका मुख्य कारण इसके चिप आउटपुट में निरंतर कटौती है। दुनिया की सबसे बड़ी मेमोरी चिप निर्माता कंपनी सैमसंग ने इस साल की शुरुआत में अपने चिप उत्पादन में कटौती की और देर से ही सही, एसके हाइनिक्स इंक और माइक्रोन टेक्नोलॉजी इंक जैसे अपने साथियों के साथ शामिल हो गई, जिन्होंने लगातार आपूर्ति की समस्या को हल करने के लिए पिछले साल के अंत में उत्पादन में कटौती शुरू कर दी थी। समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, केबी सिक्योरिटीज के विश्लेषक किम डोंग-वॉन ने अनुमान लगाया है कि सैमसंग के डिवाइस सॉल्यूशंस (डीएस) डिवीजन को तीसरी तिमाही में लगभग 4 ट्रिलियन वॉन (2.96 बिलियन) का घाटा होगा, जो दूसरी तिमाही के 4.35 ट्रिलियन वॉन से कम है। उन्होंने कहा कि सैमसंग ने दूसरी छमाही से अपने उत्पादन में कटौती को पहली छमाही के क्रमशः 20 प्रतिशत और 30 प्रतिशत से

बढ़ाकर डीआरएएम के लिए 30 प्रतिशत और एनएएनडी फ्लैश के लिए 40 प्रतिशत कर दिया है।

सैमसंग के डीएस डिवीजन ने पहली तिमाही में 4.6 ट्रिलियन वॉन का परिचालन घाटा दर्ज किया, जो 14 सालों में इसका पहला वित्तीय घाटा था, क्योंकि वैश्विक मांग में कमी के बीच चिप इन्वेंट्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इससे पहले, डिवीजन ने 2009 की पहली तिमाही में घाटा दर्ज किया था। क्योबो सिक्योरिटीज के एक विश्लेषक चोई बो-यंग ने कहा कि उत्पादन में कटौती, और अधिक संतुलित आपूर्ति और मांग की गतिशीलता ने मेमोरी चिप की कीमतों को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है, निष्क्रिय पड़ी विनिर्माण सुविधाओं से निपटने के लिए बढ़ी हुई निश्चित कीमतों ने भी मुनाफे पर असर डाला है। हनवा इन्वेस्टमेंट एंड सिक्योरिटीज के विश्लेषक किम क्वांग-जिन ने सैमसंग के चिप प्रदर्शन को बाजार की उम्मीदों से कम रहने का अनुमान लगाया है, क्योंकि कंपनी को अपने चिप व्यवसाय को पूरी तरह से ठीक करने में पहले की अपेक्षा अधिक समय लग रहा है। किम ने अनुमान लगाया कि तीसरी तिमाही में डीएस डिवीजन को 3.7 ट्रिलियन वॉन का नुकसान होगा। हुंडई मोटर सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख ग्रेग रोह ने कहा कि सैमसंग के उत्पादन में कटौती का अब तक 'न्यूनतम' प्रभाव पड़ा है, और इसके प्योंगटेक कैंपस में एक नई चिप उत्पादन लाइन के रैंप-अप से उत्पन्न मूल्यह्रास लागत में वृद्धि ने मुनाफा कम कर दिया है। उन्होंने डीएस डिवीजन के नुकसान का अनुमान इसी तरह 3.6 ट्रिलियन वॉन पर लगाया। मार्केट ट्रैकर ट्रेंडफोर्स ने कहा कि सैमसंग ओवरसप्लाई की समस्या से निपटने के लिए पहले की अपेक्षा कहीं अधिक आगे बढ़ गया है।

शहर को साफ रखने उठें हजारों हाथ,श्रमदान कर सफाई अभियान में हुए शामिल शहरवासी

स्वच्छता दिवस के पूर्व सुबह एक घंटा हर कोने में चला अभियान

एक तारीख,एक घंटा,एक साथ छत्तीसगढ़ इस थीम पर हुआ स्वच्छता के लिए श्रमदान

महापौर,निगम कमिश्नर ने लगाए झाड़ू,सामाजिक संगठन और नागरिकों ने लिया हिस्सा

बिलासपुर, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती और स्वच्छता दिवस के पहले 1 अक्टूबर को पूरे देश में स्वच्छता के लिए श्रमदान का अभियान चलाया गया। जिसमें बिलासपुर नगर पालिक निगम द्वारा भी पूरे शहर में अलग-अलग स्थानों में स्वच्छता के लिए श्रमदान का कार्यक्रम आयोजित कर साफ-सफाई का विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधी,अधिकारी,सामाजिक संगठन और नागरिकों ने भाग लिया। सरंकडा मुक्तिधाम और समृद्धि बाजार में महापौर श्री रामशरण यादव और निगम कमिश्नर श्री कुणाल दुदावत ने हाथ में झाड़ू थामकर सफाई किए।

सफाई के इस महाअभियान में बिलासपुर भी आज एक तारीख एक घंटा,एक साथ छत्तीसगढ़ के ध्येय वाक्य को लेकर श्रमदान के ज़रिए सामूहिक रूप से सफाई में जुट गया। नगर पालिक निगम के सभी जोन क्षेत्रों के अलग-अलग वार्डों में और सार्वजनिक स्थानों में में ठीक सुबह 10 बजे निगम की टीम आम नागिरकों और अलग-अलग संगठनों के साथ मिलकर इन स्थानों की सफाई की। निगम द्वारा सार्वजनिक स्थान जिसमें रिवर व्यू अरपा नदी के विसर्जन घाट,सरकंडा मुक्तिधाम,समृद्धि बाजार, डीपूपारा तालाब,धूरीपारा तालाब,राजकिशोर नगर,अमेरी के जय स्तंभ,सकरी बाजार,स्मृति वन जैसे सार्वजनिक स्थान,गली और मोहल्लों में सामूहिक सफाई की गई। इस दौरान महापौर श्री रामशरण यादव और निगम कमिश्नर श्री कुणाल दुदावत ने सभी को स्वच्छता का शपथ भी दिलाया। आज के स्वच्छता के लिए श्रमदान कार्यक्रम में शहर के विभिन्न सामाजिक संगठन जनप्रतिनिधि और नागरिकों ने अपनी सहभागिता दी।

15 दिन चला स्वच्छता पखवाड़ा

15 सितंबर से स्वच्छता ही सेवा और स्वच्छता लीग 2.0 अभियान की शुरूआत की गई थी,जिसका समापन आज श्रमदान कार्यक्रम के साथ किया गया। इस दौरान नगर पालिक निगम बिलासपुर द्वारा शहर के अलग-अलग स्थानों में विशेष सफाई अभियान,जागरूकता रैली,स्कूली बच्चों के द्वारा ड्राइंग पेटिंग प्रतियोगिता और सफाई कर्मियों के लिए सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया।

आज लखीराम अग्रवाल आडिटोरियम में होगा कार्यक्रम

2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती और स्वच्छता दिवस के अवसर पर सुबह 11 बजे स्व.लखीराम आडिटोरियम में नगर पालिक निगम द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है,जिसमें स्वच्छता ही सेवा और स्वच्छता लीग 2.0 अभियान के तहत ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता में शामिल बच्चों और सफाई कर्मियों को प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

डीजे बजाकर हुड़दंग मचा रहे युवकों को मना करने पर पुलिस से की हाथापाई

आरक्षक की वर्दी फाड़ा, हाथ भी काटा

बिलासपुर । जिले के कोनी थाना क्षेत्र में बीती रात 11बजे तक डीजे बजाकर गणेश विसर्जन कर रहे युवकों को जब पुलिस मना करने पहुँची तो उल्टे युवक पुलिस जवानों से ही उलझ गए और गाली गलौच करते हुए आरक्षक की वर्दी फाड़ डाली और दांत से काट भी लिया।

हाईकोर्ट से पड़ी फटकार के बाद शनिवार को पुरे प्रदेश के साथ ही जिले में भी पुलिस व प्रशासन हरकत में आया और निर्धारित मापदंड का उल्लंघन कर तेज आवाज में साउंड सिस्टम बजाने वाले डीजे संचालकों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की जिसके तहत शनिवार को पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्र में कार्रवाई की है,तो वही कोनी क्षेत्र में गणेश विसर्जन करने जा रही टोली का डीजे बंद करवाने जब मौके पर पुलिस की टीम पहुँची,तो इस दौरान समिति के सदस्यों ने पुलिस के साथ ही गाली गलौच करना शुरू कर दिया,देखते ही देखते स्थिति बिगड़ने लगी और क्षेत्र के निगरानी बदमाश दुर्गेश गढ़ेवाल व उसके साथी सूरज गढ़ेवाल जो की चखना सेंटर संचालक हैं,दोनों ने आरक्षक के साथ हाथापाई तक कर डाली, जिसके बाद वहां काफी देर तक इस तरह का नजारा देखने को मिला।

इस मामले में आरक्षक की शिकायत पर युवको के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार कोनी थाने में पदस्थ आरक्षक महादेव कुजूर रात में पेट्रोलिंग में अन्य स्टॉफ के साथ निकला था, जिन्होंने छोटी कोनी के पास रात 11 बजे डीजे बजाकर विसर्जन करने जा रहे युवको को डीजे बंद कराने कहा, जिस पर वहाँ मौजूद दुर्गेश गढ़ेवाल, सूरज गढ़वाल सहित अन्य युवकों ने शराब के नशे में चूर गाली गलौच करते हुए आरक्षक को घेर लिया और उसके साथ झूमाझटकी करने लगे इस बीच आरक्षक के हाथ को भी दांत से काट लिया गया और उसकी वर्दी भी फाड़ डाली। इसी दौरान डीजे संचालक भी डीजे लेकर फरार हो गया, मामले में आरक्षक की रिपोर्ट पर पुलिस ने दुर्गेश गढेवाल, सूरज गढेवाल व उनके अन्य साथी के खिलाफ आईपीसी धारा 186, 324, 332, 34, 353 और 10-एलसीजी, 11-एलसीजी के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ।।

"पुण्य तिथि स्मरण"
"वरिष्ठ नागरिक सम्मान
स्मृति ग्रंथ विमोचन"

दिनांक 02.10.2023, दिन सोमवार दोपहर 12 बजे से
स्थल - चन्द्र निवास, विकास नगर 27 खोली, बिलासपुर (छ.ग.)

स्व.पं.गंगा प्रसाद बाजपेयी
(1942 के गांधीवादी सेनानी)
आविर्भाव : 08 अप्रैल 1929
तिरोभाव : 13 सितम्बर 2022

श्रद्धावनत
श्रीमती चन्द्रप्रभा बाजपेयी (पत्नी)

श्रीमती अंजना - चन्द्र भूषण बाजपेयी (पुत्र)
श्रीमती शिखा - चन्द्र मोहन बाजपेयी
श्रीमती भावना - चन्द्र प्रदीप बाजपेयी
श्रीमती आभा - चन्द्र मौली बाजपेयी (पौत्र)
चन्द्र सौम्य बाजपेयी, चन्द्र पियुष बाजपेयी

डॉ.उषा किरण - चन्द्र प्रकाश बाजपेयी
डॉ. रश्मि - चन्द्र शेखर बाजपेयी
श्रीमती अंजलि - डॉ.चन्द्र नाथ बाजपेयी
चन्द्र प्रताप बाजपेयी, चन्द्र भानू बाजपेयी (पौत्र)
कु.चन्द्र आर्या बाजपेयी (पौत्री)

एवं समस्त शोकाकुल बाजपेयी परिवार एवं मित्रगण, बिलासपुर

• सत्य • अहिंसा • सर्वधर्म समभाव

नवा रायपुर सेवाग्राम

बापू के सिद्धांतों और
शिल्प कला का केंद्र ले रहा आकार

125 एकड़ क्षेत्रफल में फैले इस आश्रम में
राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 'ग्राम-स्वराज' के मूल्यों और आदर्शों को सहेजने के साथ
स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय इतिहास की स्मृतियों को जीवंत रखा जाएगा।

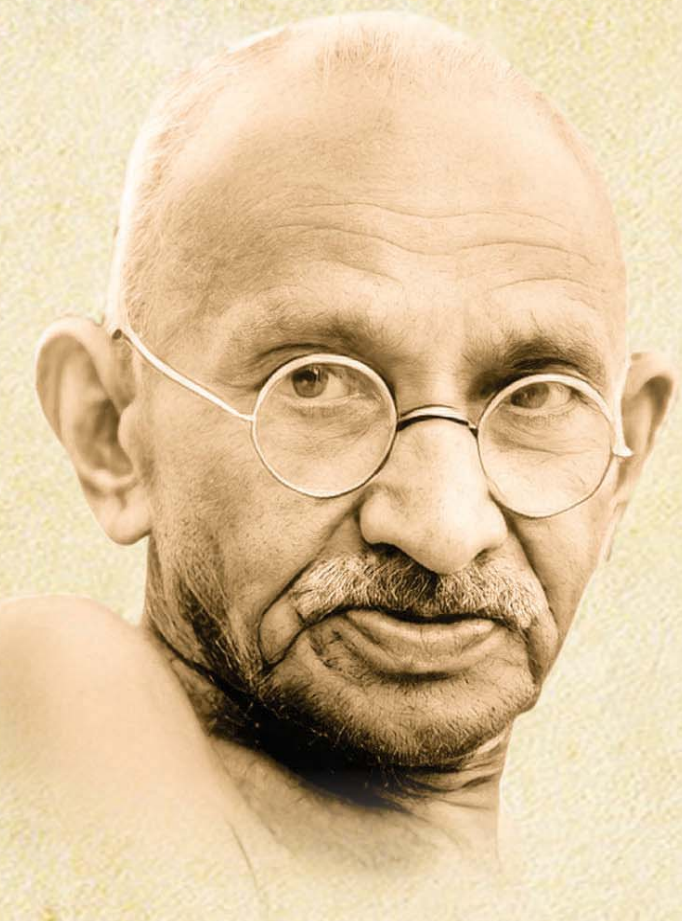

गांधी जी का सपना था कि समाज का निर्माण लोकहित, न्याय और मानवता पर आधारित हो।
बापू के विचारों को आत्मसात कर हम 'नवा छत्तीसगढ़' का निर्माण कर रहे हैं।
आज हर वर्ग के हर व्यक्ति तक हमारी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। ग्राम स्वराज की दिशा में
ग्रामीण अर्थव्यस्था मजबूत हुई है और हमारे गांव आत्मनिर्भर बने हैं।

2 अक्टूबर
गांधी जयंती
पर सभी प्रदेशवासियों का
सादर नमन

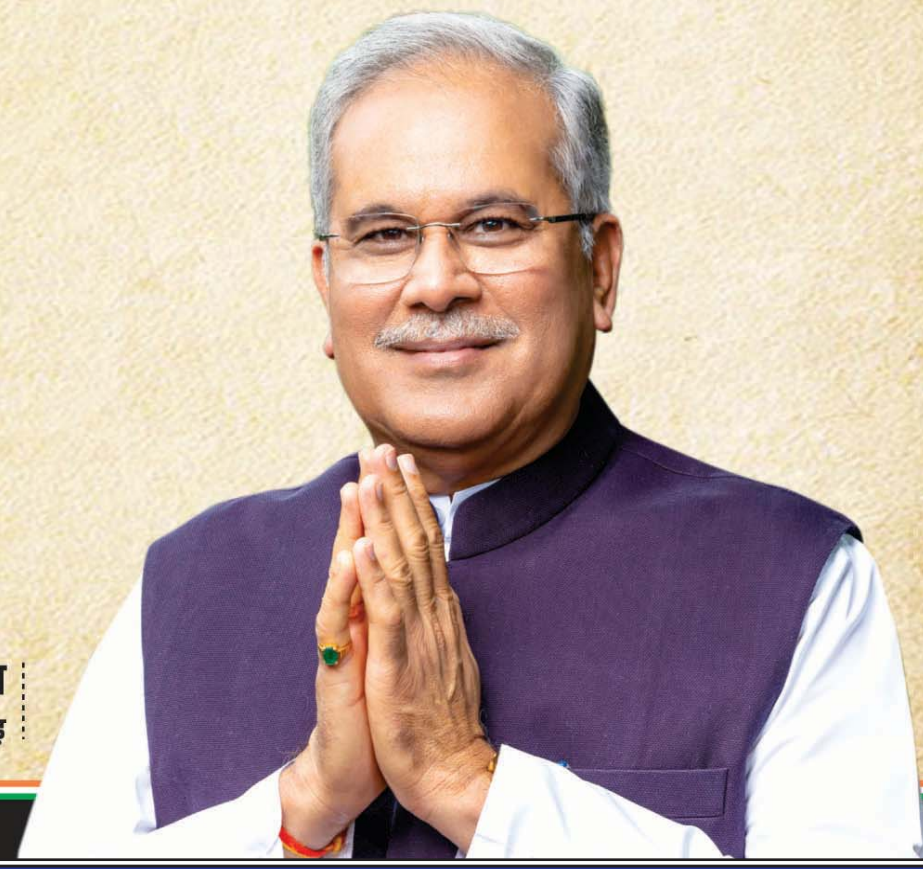

भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 डाक पंजीयन 112-002/2002 सी जी फोन- 07752 422771, 428159 फैक्स नं. 415188